राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रेणुका के पंजे के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ भारत 11 रन से हारा.....

रूस को हराना चाहिए लेकिन कुचला नहीं जाना चाहिएः मेक्रों 12

वर्ष : 10 | अंक : 279 | पटना, सोमवार, 20 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल एकादशी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

फतुहा में पार्किंग विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग, दो की मौत, इलाके में तनाव !

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। नदी थाना क्षेत्र के जेठुली गांव में पार्किंग के विवाद को लेकर जमकर गोलीबारी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार जेठुली मुखिया बच्चा राय रोड पर गिट्टी गिरा रहे थे, इसी बीच चंद्रिका राय से पार्किंग को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गोलीबारी होने लगी। विवाद में 50 राउंड फायरिंग हुई, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई। फायरिंग में 4 और लोगों को गोली लगी है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी के घर और मैरिज हॉल में आग लगा दी। पुलिस ने घर में फंसी महिलाओं-बच्चों को रेस्क्यू किया। आग से घर में रखी 2 गाड़ी भी जलकर खाक हो गई। दूसरे आरोपी के घर में भी गुस्साए लोगों ने आग लगाने की कोशिश की। इस दौरान आग बुझाने के लिए पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी जाने नहीं दी गई। घटनास्थल से पुलिस और मीडियाकर्मियों को भी खदेड़ दिया। इधर, बवाल के बीच पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी उमेश राय को हिरासत में ले लिया। फायरिंग में 6 लोगों को गोली लगी थी। जिनमें से गौतम कुमार और रोशन राय की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार जेठुली मुखिया बच्चा राय रोड पर गिट्टी गिरा रहे थे, इसी बीच चंद्रिका राय से पार्किंग को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गोलीबारी होने लगी। इस बीच बीच-बचाव करने आएं 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने सबको पटना एनएमसीएच रेफर कर दिया। घायलों में रौशन व गौतम की मौत हो गई। वहीं जेठुली मुखिया के मैरेज हॉल में दबंगों ने आग के हवाले कर दिया तथा कई गाड़ियों को क्षतिग्रस्त करते हुए आग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही नदी थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव कायम है। पुलिस के आलाधिकारी के पहुंचने की सूचना है। मृतक के परिजन ने बताया कि वो लोग अपनी निजी पार्किंग से गाड़ी निकाल रहे थे। रास्ते में आरोपी पक्ष के लोगों की गाड़ी से गिट्टी उतारी जा रही थी। गाड़ी हटाने को कहा गया तो लोगों ने झगड़ा शुरू कर दिया। मामले पर नदी थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने गौतम कुमार के मौत की पुष्टि की है। थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। बाकी घायलों को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही नदी थाना क्षेत्र की पुलिस मौके पर पहुंचकर कैंप कर रही है। पश्चिम में कच्ची दरगाह तो पूर्व में नदी थाना की तरफ पुलिस की टीम मौजूद है। बीच का एरिया पूरी तरह से खाली है। पुलिस और अग्निशमन की गाड़ियां मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है।

मौसम अधिकतम तापमान 31.0°C न्यूनतम तापमान 18.0°C

बाजार

सोना 56,00

चांदी 53,200

सेंसेक्स 54,406

निफ्टी 22,303

संक्षिप्त खबरें

कोरोना के सक्रिय मामलों में मामूली बढ़त जारी

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में मामूली बढ़त के बीच पिछले 24 घंटों में इनकी संख्या 32 बढ़कर 1899 हो गयी है तथा तीन संक्रमितों की मौत हो गयी। देश में पिछले 24 घंटों में 3686 कोविड टीकाकरण किया गया है और अब तक कुल 220 करोड़ 63 लाख 38 हजार 877 टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक इसी अवधि में 107 मरीज स्वस्थ हुए हैं। कर्नाटक में सबसे अधिक 20 सक्रिय मामले बढ़े हैं, वहीं महाराष्ट्र में 13, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में दो-दो तथा केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी एवं तेलंगाना में एक-एक मामले बढ़े हैं।

शाह, शिंदे और फडणवीस कोल्हापुर दौरे पर

कोल्हापुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस रविवार को यहां आएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्री शाह, श्री शिंदे और श्री फडणवीस यहां पहुंचने के बाद श्री महालक्ष्मी के दर्शन करने के लिए श्री महालक्ष्मी मंदिर जाएंगे। इसके बाद शिवाजी चौक और ऐतिहासिक दशहरा चौक पर श्री छत्रपति शिवाजी महाराज और राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगे। तीनों नेता पेटाला मैदान में न्यू एजुकेशन सोसायटी के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। शाम को श्री शाह नगला पार्क इलाके में पार्टी के नए भवन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विजय संकल्प रैली में शामिल होंगे और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे।

गोवा पुलिस ने हैदराबाद के दो निवासियों को अपहरण से छुड़ाया

पणजी। गोवा पुलिस ने हैदराबाद के दो निवासियों को मुक्त कराकर 11 लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्होंने पीड़ितों के नियोक्ता के साथ विवाद के बाद उन्हें कथित रूप से बंधक बना लिया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) निधिन वलसन ने शनिवार शाम पत्रकारों को बताया कि मामले में प्राथमिकी हैदराबाद में दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों का खनन गतिविधियों को लेकर शिकायतकर्ता जयराम कुमार से कुछ विवाद था जिसके बाद उन्होंने कथित तौर पर उनके दो कर्मचारियों को गोवा बुलाया एवं बंधक बना लिया तथा छोड़ने के लिए कुमार से चार करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। उन्होंने बताया कि हैदराबाद पुलिस से सूचना मिलने के बाद गोवा पुलिस ने एक टीम गठित की और आरोपियों को गोवा की राजधानी पणजी के पास बम्बोलिम इलाके में ढूंढ निकाला।

गंगा मरीन ड्राइव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा विस्तार

गंगा रिवर फ्रंट पर स्टेडियम, रेस्टोरेंट, म्यूजियम कैफेटेरिया, मॉल का होगा निर्माण : उपमुख्यमंत्री

तेजस्वी ने गंगा पथ को विकसित करने के संदर्भ में की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

- कल्चरल व रिक्रिएशनल सेंटर, म्यूजियम, मल्टी स्टोरी पार्किंग, किड्स एवं सीनियर सिटीजन पार्क, वाटर स्पोर्टस एक्टिविटी तथा साइकिलिंग ट्रैक भी बनाए जाएंगे

पटना। बिहार के पटना गंगा मरीन ड्राइव यानी गंगा पथ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जाएगा। गंगा पथ के किनारे पर्यटकीय सुविधाएं विकसित की जाएगी। यहां कई ऐसी चीजें बनेगी, जिससे यहां आने वाले लोगों को काफी सुविधाएं मिलेगी। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को गंगा पथ (मरीन ड्राइव) को अंतरराष्ट्रीय स्तर के रूप में विकसित करने के संदर्भ में समीक्षा बैठक की। बैठक में कई चीजों पर विस्तृत चर्चा हुई और प्रेजेंटेशन के माध्यम से भी जानकारी दी गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गंगा रिवर फ्रंट पर स्टेडियम, रेस्टोरेंट, कैफेटेरिया, मॉल, कल्चरल व रिक्रिएशनल सेंटर, म्यूजियम, मल्टी स्टोरी पार्किंग, किड्स एवं सीनियर सिटीजन पार्क, वाटर स्पोर्टस एक्टिविटी तथा साइकिलिंग ट्रैक का निर्माण कराएगी। आकर्षण का केंद्र है मरीन ड्राइवः जानकारी के अनुसार सरकार गंगा रिवर फ्रंट पर स्टेडियम, रेस्टोरेंट, कैफेटेरिया, मॉल, कल्चरल व रिक्रिएशनल सेंटर, म्यूजियम, मल्टी स्टोरी पार्किंग, किड्स एवं सीनियर सिटीजन पार्क, वाटर स्पोर्टस एक्टिविटी तथा साइकिलिंग ट्रैक का भी निर्माण होगा। ज्ञात हो कि अपने निर्माण के बाद से ही गंगा पथ राजधानी के लोगों के साथ ही राज्य भर के लोगों का आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हर रोज शाम को यहां लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है।

20 गंगा घाटों के निर्माण की योजनाः पब्लिक होली डे के दिन यहां पर लोगों की इतनी भीड़ उमड़ती है कि उसे कंट्रोल करने में पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। गंगा नदी से बिल्कुल सटे ये रिवर फ्रंट मुंबई के मरीन ड्राइव जैसा फेमस हो चुका है। बता दें कि राजधानी में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना के तहत 20 गंगा घाटों के निर्माण की योजना थी। 16 घाटों का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

फ्लोटिंग रेस्टोरेंट हो चुका है शुरूः बता दें कि पटना में इससे पहले फ्लोटिंग रेस्टोरेंट भी शुरू हो चुका है। हाल में ही डिप्टी सीएम ने इसका उद्घाटन किया था। इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में लोगों के लिए काफी सुविधा है। इसी कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ने कई योनजाओं के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि गंगा नदी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के वाटर स्पोर्ट्स शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही आने वाले दिनों में गंगा किनारे और भी कई तरह की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी।

कुशवहा बताएं -हाल के दिनों में बार-बार दिल्ली क्यों गए : ललन सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने उपेन्द्र कुशवाहा के बगावती तेवर पर तंज कसा है। रविवार को मुंगेर में मीडिया से बात करते हुए ललन सिंह ने कहा कि कुशवाहा इन दिनों कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना वाली स्थिति में हैं। वे बोल कुछ और रहे हैं और निशाना कहीं और है। जब से कुशवाहा जदयू में आए हैं, उन्हें उचित सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि कुशवाहा कह रहे हैं कि जदयू कमजोर हुई है। ऐसे में उन्हें बताना चाहिए कि जब जदयू का सदस्यता अभियान चल रहा था तब कुशवाहा ने कितने सदस्य बनाए। उन्होंने कहा कि एक ओर जदयू के समर्पित कार्यकताओं ने दशहरा, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान राज्य भर में सदस्यता अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसी कारण जदयू के 72 लाख सदस्य बने जो एक रिकॉर्ड है। दूसरी ओर उसी अवधि में उपेंद्र कुशवाहा ने कितने सदस्य बनाए यह भी उन्हें बताना चाहिए, जिससे पार्टी मजबूत होती। ललन ने कुशवाहा की जदयू के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कुशवाहा को बताना चाहिए कि हाल के दिनों में बार-बार दिल्ली क्यों गए। वे इस बात को बताएं कि उनके दिल्ली जाने के बात भी बात बनी की नहीं। वहीं, पटना में 19 और 20 फरवरी को उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में चल रही बैठक पर ललन सिंह ने कहा कि यह जदयू की कोई आधिकारिक बैठक नहीं है। जदयू की अधिकारिक बैठक बुलाने का अधिकार केवल प्रदेश अध्यक्ष को है।

2024 में बिहार तय करेगा कि देश पर कौन राज करेगा : तेजस्वी

बोले- बहरूपिया से सावधान रहने की जरूरत, भाजपा के लोग झूठा भ्रम फैलाकर सत्ता पर काबिज रहना चाहते हैं

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाजपा व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। कहा कि लोगों को बहरूपिया से सावधान रहने की जरूरत है। बहरूपिया मीठा-मीठा बात करेगा, वोट लेगा और गायब हो जाएगा। देश की सरकार चला रहे लोग नहीं चाहते हैं कि अंतिम पायदान पर बैठे लोग मुख्यधारा में आएं लेकिन 2024 में बिहार तय करेगा कि देश पर कौन राज करेगा। दरअसल, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव रविवार को पटना में आयोजित रविदास जयंती में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि आज देश में जो हालात हैं ऐसी हालत में संविधान और लोकतंत्र को बचाना सबसे बड़ी चुनौती है। सभी को साथ मिलकर देश के लोकतंत्र को बचाना होगा। देश में जहां सांप्रदायिक शक्तियां काबिज हो गई हैं, वहां लोग चाहते हैं कि सामाजिक न्याय की बात हो। तेजस्वी ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि न्याय को ये लोग मानते नहीं है। देश की सरकार नागपुर से संचालित की जा रही है। देश में जो लोग सरकार चला रहे हैं वे लोग नहीं चाहते हैं कि अंतिम पायदान के लोग मुख्यधारा में आएं। देश की सत्ता में बैठे लोग विपरीत सोच के हैं, उनकी सोच ही अलग है। उनकी सोच है कि चंद लोग राज करेगा बाकी सब गुलामी करेगा। बहरूपिया जब सामने आ जाए तो सावधान रहने की जरूरत है, मीठा-मीठा बात करेगा, वोट लेगा और गायब हो जाएगा। भाजपा के लोग देश पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन बिहार में हमलोगों ने मजा चखा दिया। बीजेपी के लोग जनता में झूठा भ्रम फैलाकर सत्ता पर काबिज रहना चाहते हैं। आज जब बिहार की सरकार काम कर रही है तो बीजेपी के लोग बोलते हैं कि जंगलराज वापस आ गया। तेजस्वी ने कहा कि आखिर ऐसी कौन सी जादू का छड़ी थी कि रातों-रात बिहार में जंगलराज हो गया और उनके राज में कौन सा राज था। हम सब लोगों को सावधान और मजबूत रहने की जरूरत है, अगर सबका साथ मिला तो बीजेपी को 2-3 सीट से ज्यादा होने नही देंगे। 2024 में बिहार तय करेगा कि देश में किसका राज होगा। तेजस्वी ने कहा कि बिहार के लोगों से जो 10 लाख नौकरी का वादा किया है उसे जल्दी ही पूरा करेंगे, कुछ ही दिनों में काफी संख्या में बहालियां होने वाली है।

बी.डी. मिश्रा ने लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली

लेह, एजेंसी। ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी. डी. मिश्रा ने रविवार को लद्दाख के दूसरे उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने पूर्व आईएएस अधिकारी राधा कृष्ण माथुर की जगह ली। साल 2019 में लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से 27 महीने तक माथुर इसके उपराज्यपाल रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को माथुर का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद मिश्रा (83) को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया था। अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल मिश्रा को जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह ने यहां राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में पद की शपथ दिलाई। इसके बाद लद्दाख पुलिस ने मिश्रा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मिश्रा 33 साल से अधिक समय तक सेवाएं देने के बाद 31 जुलाई, 1995 को सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने तीन अक्टूबर, 2017 को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में पदभार संभाला था।

ऐसा है बीडी मिश्रा का करियर : सेवानिवृत ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा लद्दाख के दूसरे उपराज्पाल हैं। नई जिम्मेदारी संभालने से पहले वह अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल थे। लद्दाख के पहले उपराज्यपाल आरके माथुर को लद्दाख में छठे शेड्यूल, राज्य बनाने की मांगों को लेकर हो रहे धरने, प्रदर्शनों के बाद बदला गया है। उन्होंने लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को उपराज्यपाल पद की जिम्मेदारी संभाली थी। ब्रिगेडियर मिश्रा को उपराज्यपाल बनाने के बाद गत दिनों पूर्व उपराज्यपाल आरके माथुर लद्दाख से विदा हो गए थे।

तेज प्रताप ने किया हूलौक गिबन केज का शिलान्यास, बोलें- आकर्षण का केन्द्र बनेगा पटना जू

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही है। इस कड़ी में रविवार को पटना जू में जेबरा क्राल का उद्घाटन एवं हूलोक गिबन केज का शिलान्यास बिहार सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव द्वारा किया गया। इस मौके पर मंत्री तेजप्रताप यादव ने कहा कि केंद्र सरकार तो हमलोगों की नकल कर रही है। जो हमलोग कर रहे हैं, वही वो कर रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने पूरे विधि विधान से पूजा एवं हवन कर इसका उद्घाटन किया। इस दौरान तेज प्रताप यादव ने इलेक्ट्रिकल व्हीकल पर बैठकर पूरे जू का भ्रमण किया। गैंडा, चिपैंजी, बाघ और शेर के बच्चों के केज के पास जाकर उनका हाल भी जाना साथ ही चिपैंजी को केला भी खिलाया। जू में जानवरों के स्क्रीनिंग को तेज प्रताप ने लोगों को दिखाया। वहीं, पटना जू में आम लोगों को आकर्षित करने के लिए लगातार नए जानवर लाए जा रहे हैं। मंत्री तेजप्रताप यादव ने कहा कि हमलोग का बहुत दिन से था कि जेबरा और हूलोक गिबन लाया जाए और आसाम से उसको लाया जाएगा। फिर पूरे बिहार के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। हम लोग वन विभाग में अच्छा काम कर रहे हैं और सभी लोगों का सहयोग है। नर जेब्रा की मृत्यु के बाद मादा जेब्रा थी अकेली : 2020 में नर जेब्रा की मृत्यु होने के बाद से मादा जेब्रा बबली अकेली थी।

रैली **हर वार्ड और गांव में पहुंचेगी बिहार पुलिस, डीजीपी ने जारी किया वीडियो संदेश**

बिहार पुलिस की जन सहभागिता बाइक रैली 20 से 26 फरवरी तक चलेगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। 27 फरवरी को बिहार पुलिस दिवस है। इस कारण सोमवार से ही पुलिस सप्ताह की शुरूआत हो रही है। कई तरह की तैयारियां इस बार बिहार पुलिस की तरफ से की गई है।

इसे बताने के लिए रविवार को बिहार पुलिस की तरफ से डीजीपी राजविंदर सिंह भट्टी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। अपने संदेश में डीजीपी ने कहा कि प्रत्येक साल 27 फरवरी को हम बिहार पुलिस दिवस मनाते हैं। लेकिन, 2023 का बिहार पुलिस दिवस आमजन को समर्पित किया गया है। इस कारण हमने इसे जन-जन की ओर बढ़ते कदम का नाम दिया है। इस अभियान के तहत जन सहभागिता के लिए पुलिस की तरफ से बाइक रैली निकाली जाएगी और पुलिस कर्मी सीधे पब्लिक से मुखातिब होगी। पुलिस से जुड़ी समस्याओं और सुझावों के बारे में जानेगी। पुलिस की जन सहभागिता बाइक रैली 20 फरवरी से शुरू होगी और 26 फरवरी तक चलेगी। इसके तहत शहरी क्षेत्र के हर वार्ड के साथ ही राज्य के 46 हजार गांव में पुलिसकर्मी पहुंचेंगे। डीजीपी ने कहा कि इस दरम्यान पुलिस कर्मी आप से बात करेंगे। आपकी समस्याओं को जानेंगे पुलिस के प्रति आपकी अपेक्षाओं को वो समझेंगे। साथ ही आपके बहुमूल्य सुझाव भी प्राप्त करेंगे। साथ ही आपकी समस्याओं के निवारण के लिए पुलिस के सिस्टम के बारे में भी आपको अवगत कराएंगे। इसी कड़ी में 27 फरवरी को जनसेवा में राज्य के पुलिसकर्मी अपना ब्लड डोनेट करेंगे। जिसे बिहार के सरकारी ब्लड बैंक में जमा किया जाएगा। जिसका उपयोग आम लोगों की मदद के लिए किया जा सकेगा। डीजीपी ने राज्य की पब्लिक से भी बिहार पुलिस के इस अभियान में जुड़ने और सहयोग करने की अपील की है। ताकि पुलिस आपकी और बेहतर सेवा कर सके। अपने वीडियो संदेश में डीजीपी ने बिहार पुलिस के अधिकारियों और जवानों को पुलिस दिवस की बधाई तो दी ही। साथ ही क्राइम कंट्रोल की भी बात उन्होंने कर दी। कहा कि लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए आप मेहनत और लगन से काम कर रहे हैं। लेकिन, हम सभी को यह भी समझना होगा कि जहां एक तरफ अपराधियों को दौड़ाना जरूरी है। वहीं आम जन से जुड़ कर उनका विश्वास जीतना भी अति महत्वपूर्ण है। इस लिए मुझे पूरा भरोसा है कि बिहार पुलिस के सभी साथी जनजन की ओर बढ़ते कदम अभियान में अपना योगदान देंगे और उसे सफल बनाएंगे। यह कवायद बिहार पुलिस को और बेहतर बनाने की है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

अमृत महोत्सव के तहत पांच दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम दूसरे दिन भी जारी

आम लोगों ने कार्यक्रम का उठाया लुत्फ

प्रात :किरण संवाददाता

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना तथा भागलपुर द्वारा मधेपुरा के सिंहेश्वर स्थान में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित पांच दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम के दूसरे दिन मेले में घूमने आए लोगों की भारी भीड़ रही। कार्यक्रम स्थल पर आए लोगों ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया और साथ ही वहां सांस्कृतिक दलों के द्वारा आयोजित गीत संगीत एवं नाटक का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम स्थल पर लोगों ने विभाग द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार भी जीते। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय संचार ब्यूरो, भागलपुर के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा कि विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी को बड़ी संख्या में लोगों ने देखा और उसकी खूब तारीफ की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी को देखने आए युवाओं ने आजादी की घटनाओं पर आधारित फोटो को देखा और अपने कैमरे में कैद भी किया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना के कार्यक्रम प्रमुख सह क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी पवन

कुमार सिन्हा ने कहा कि यह भारत सरकार का प्रयास है, जिसके माध्यम से लोगों को ना केवल आजादी के बारे में एक वृहद जानकारी प्रस्तुत की जाए बल्कि भारत सरकार के द्वारा बीते 8 वर्षों में अपनाई जाने वाली योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में भी लोगों को अवगत करवाना है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी बेहद जानकारी प्राप्त एवं युवाओं के लिहाज से लाभदायक है। कार्यक्रम स्थल पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के पंजीकृत सांस्कृतिक दल के द्वारा गीत नाटक की प्रस्तुति की गई। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने कार्यक्रम का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम के माध्यम से सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित आम लोगों के बीच आजादी के अमृत महोत्सव विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और सफल प्रतिभागियों को मौके पर ही पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत लोगों में रवींद्र कुमार, राहुल कुमार ठाकुर, धनंजय कुमार, सुमन सौरभ, शामिल रहे।

कार्यक्रम में केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना के सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नवल किशोर झा, अमरेंद्र मोहन, राजा आलम सहित सीबीसी भागलपुर के सभी कर्मचारी उपस्थित थे। यह प्रदर्शनी 22 फरवरी तक चलेगी। इस प्रदर्शनी में सभी के लिए प्रवेश निः शुल्क है।

किसान व कारोबारियों ने प्रदर्शन कर उठाई मांग

पटना सिटी (प्राकि)। पटना फ्रूट वेजिटेबल एसोसिएशन के समक्ष बाजार समिति मुसल्लहपुर हाट में किसानों और खुदरा व्यापारियों ने मांगों को लेकर हंगामा किया। किसानों और व्यापारियों का कहना था कि 20 वर्षों से खुले में कारोबार करने वालों को नवनिर्मित हो रहे दुकान में आंवटन देने, जिनका निधन हो गया है उनके आश्रितों को अनुकंपा पर दुकान आवंटन करने, परिसर में बिना लाइसेंस कारोबार करने वालों को आवंटन नियम बना दुकान दिया जाए, परिसर को नो इंट्री से मुक्त किया जाए। मांगों पर एसोसिएशन के अध्यक्ष शशिकांत प्रसाद पप्पू ने किसानों और व्यापारियों को भरोसा दिया कि उनकी मांगों को कृषि विभाग के अधिकारियों के समक्ष रख कर उचित निर्णय कराएंगे। मौके पर एससोसिएशन के उपाध्यक्ष जयपकाश वर्मा, महासचिव कुमार मंगलम, सचिव राकेश यादव, विशेष सचिव मो राजू, गौरव कुमार और कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता भी मौजूद थे।

लावारिस अवस्था में ट्रेन से विदेशी शराब बरामद किया गया

दानापुर खगौल। जीआरपी पुलिस ने अहमदाबाद बरौनी डाउन ट्रेन विकलांग बोगी से लावारिस अवस्था मैं 347 पीस ऑफिसर चॉइस के टेट्रा पैक 3 बोतल ब्लेंडर प्राइस बैग में रखें विदेशी शराब बरामद किया गया है। वही कोटा पटना ट्रेन से 8 बोतल ब्लेंडर प्राइस क्यूआर टीम के द्वारा पकड़ा गया इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने बताया कि 347 पीस टेट्रा पैक 11 बोतल ब्लेंडर प्राइस ट्रेन से बरामद किया गया पुलिस शराब को जप्त कर आगे की कार्रवाई में जुटी है

आत्मदाह किए व्यापारी के परिजनों से मिले पप्पू यादव

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आलमगंज थाना क्षेत्र के गुलजारबाग स्टेशन के समीप मेहंदीगंज गुमटी के पास रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने के दौरान हंगामा हुआ था। इसके बाद हार्डवेयर दुकानदार 36 साल के अनिल कुमार के आत्मदाह के बाद दुखी परिवार से मिलने के लिए नीम के भट्ठी स्थित घर पर जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव पहुंचे। यहां वे पीड़ित परिवार से मिले आओर घटना के बाबत जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने में हरसंभव मदद की बात कही। इस दौरान पार्षद गायत्री गुप्ता के प्रतिनिधि राजू गुप्ता भी मौजूद थे। बताते चले कि बीते 16 फरवरी को रेलवे की ओर से अपना जमीन बता दुकान को तोड़ने के लिए पहुंची थी। मामला की सुनवाई कोर्ट मे चल रही है। इसमें 24 फरवरी को न्यायालय में सुनवाई होनी थी। इसी दौरान यह घटना हुई थी। दूसरी ओर बचाने में जख्मी दुकानदार कन्हाई का उपचार अस्पताल में चल रहा है। बचाने के क्रम में दो भाई और एक पड़ोसी दुकानदार जख्मी हो गया था।

संक्षिप्त खबरें

सेतु से कूदी महिला को बचाया

पटना सिटी (प्राकि)। आलमगंज थाना क्षेत्र के गायघाट में रविवार को महात्मा गांधी सेतु से महिला गंगा में छलांग लगाई। अपना जान देने के लिए कूदी महिला को एसडीआरएफ की टीम ने बचाने का काम किया। टीम के इंचार्ज अशोक यादव ने बताया कि पारिवारिक कलह में जक्कनपुर थाना क्षेत्र के पोस्टल पार्क की रहने वाली करीब 25 साल की महिला सेतु से गंगा नदी में कूद गयी थी। गंगा किनारे मौजूद जवानों ने रेस्क्यू कर उसे बचा लिया। महिला को पुलिस की मौजूदगी में परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

महापरिवार का हुआ विस्तार

पटना सिटी (प्राकि)। राष्ट्रीय कनौजिया सोनार महापरिवार ने महानगर इकाई का विस्तार किया है। अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने बैद्यनाथ प्रसाद वर्मा को पटना जिला का उपाध्यक्ष और मृत्युंजय वर्मा को संगठन सचिव मनोनीत किया है। दोनों के मनोनयन से पहले प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद वर्मा और पटना जिला प्रभारी जयप्रकाश वर्मा की मंजूरी ले इसकी घोषणा की। कमेटी की बैठक के बाद महाशिवरात्रि शोभायात्र समिति ने पटना जिला कोर कमेटी और सदस्य ने शोभायात्र के लोगों को सम्मानित किया। बैठक में विवेक कुमार वर्मा, कृष्णकांत वर्मा, मुनेश चंद्र वर्मा, शंभू वर्मा, अर्जुन प्रसाद वर्मा, डीके वर्मा, प्रेम वर्मा, राजीव वर्मा, विजय वर्मा, संजय वर्मा, अजय वर्मा आदि उपस्थित थे।

गट्टा के वार्षिक सम्मेलन में कार्यकारिणी गठित

भारतीय जननाट्य संघ (इप्टा) पटना सिटी का वार्षिक सम्मेलन स्थानीय कार्यालय शाह कमाल रोड में हुआ। इसकी अध्यक्षता समी अहमद ने की। इस अवसर पर सचिव अजय कुमार वर्मा द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया गया। उन्होंने कहा कि आज जनता को संविधान द्वारा प्रदत्त सीमित अधिकारों को छिनने की साजिश की जा रही है। हम फासीवाद के साथ-साथ पूंजीवाद का भी विरोध करते हैं। इन्हीं मूल्यों के लिए हम सब काम करते रहे हैं। हमारी कोशिश आगे भी जारी रहेगी। अध्यक्षीय भाषण में समी अहमद ने कहा कि आगामी 25-26 फरवरी को भेलदी (छपरा) में राज्य सम्मेलन में शामिल होने की तैयारी में लगे हैं और 16 से 18 मार्च को डाल्टेनगंज में राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारियों व सदस्यों का चयन किया गया। अध्यक्ष समी अहमद, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश प्रियदर्शी, दिवेश मिश्रा, अजय कुमार वर्मा, नीरज कुमार रंजन, सचिव अविनाश कुमार मिश्रा, संयुक्त सचिवदेवेन्द्र कुमार झा, अमीषा सिन्हा, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य में चरणवीर कौर, दीपक कुमार, मनोज सोनी, मो बेलालउद्दीन, शाहीन समी, हर्ष कुमार गुप्ता, गौरव कुमार, सौरभ कुमार, प्रियंका श्रीवास्तव, प्रभात रंजन ओझा, जितेन्द्र चतुर्वेदी और मनीष कुमार शामिल किए गए।

श्याम बाबा के भजनों पर झूमे भक्त, निशान यात्रा आज

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आयो फागुन का त्योहार बाबा हो जाओ तैयार थानै भगतां स मिलणो है। कोलकाता के भजन गायक विवेक शर्मा एवं पूजा नथानी ने श्री श्याम बाबा और अन्य देवी-देवताओं के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्याम भक्तों को झूमा दिया। मौका था श्री श्याम नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित 49वां श्री श्याम महोत्सव का। चौक स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन परिसर में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग एवं भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया था। श्री श्याम बाबा के गुणगान की पावन धरा से परिसर भक्तिमय हो गया। मौके पर विधायक नंदकिशोर यादव, महापौर सीता साहू समेत शहर के अनेक गण्यमान्य लोगों ने बाबा के दरबार में उपस्थित होकर मत्था टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तों का स्वागत मंडल के अध्यक्ष नारायण प्रकाश साह एवं महासचिव सुरेश कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक विकास चूड़ीवाल, नारायण मोदी, शंकर अग्रवाल, लकी मोदी, रवि गोयनका, प्रकाश सुल्तानिया, अमित कनोडिया, राजेश चौधरी, रमण केडिया, राजकुमार गोयनका, राजीव बूबना, राजू सुल्तानिया आदि सक्रिय थे। सोमवार को श्री श्याम निशान शोभायात्रा निकाला जाएगा। भजनों की धुन पर श्याम भक्त पताका लहराते होली खेलते चलेंगे।

महाशिवरात्रि शोभायात्रा में शामिल झांकी, भजन मंडली को किया पुरस्कृत

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

महाशिवरात्रि महोत्सव शोभायात्रा समिति द्वारा महाशिवरात्रि पर निकाली गई भगवान शिव की बारात में शामिल सुंदर एवं आकर्षक झांकियों, बैंड बाजा, आर्केस्ट्रा, भजन तथा कीर्तन मंडलियों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में समिति के संरक्षक पूर्व मंत्री सह विधायक नंदकिशोर यादव, महापौर सीता साहू, वार्ड पार्षद किरण मेहता, गायत्री देवी, शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साह के द्वारा पुरस्कार दिया गया। संयोजक राजेश साह ने बताया कि शोभायात्रा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जय भारत बैंड के महेश प्रसाद, सरगम म्यूजिकल ग्रुप के मनोज मेहता, सुपर ताज बैंड के गोल्डन जी, न्यू हैप्पी म्यूजिकल ग्रुप के दीपक कुमार, आकाश म्यूजिकल ग्रुप के अनिल मेहता, अच्छन बैंड और भारतीय म्यूजिकल ग्रुप के गुड्डू राज, शहनाई वादक इमरान खान, मुसा परेड बैंड के मो फैयाज को पुरस्कार प्रदान किया गया। झांकियों के लिए शिव विवाह और महाकाल का रुद्राभिषेक के लिए रोशन कुमार, नुरुद्दीनगंज के अजय कुमार शर्मा को, खंगर पर के सौरभ कुमार, भरतपुर सिमली के टुनटुन पासवान, छोटी पटनदेवी से 12 ज्योतिर्लिंग के लिए के पवन कुमार, भगवा दल के ऋषिकेश सिन्हा, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अजय कुमार, गांव मां हिंदू युवा वाहिनी के विशाल गुप्ता, आदि योगी दिल के सागर कुमार, चौकशिकारपुर के प्रिंस कुमार, मंगल तालाब के रोशन कुमार और जादू कला के लिए सनी जादूगर एवं राजा कुमार को पुरस्कार दिया गया। महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव की शोभायात्रा सिमली स्थित शिव मंदिर से निकल कर गायघाट स्थित गौरी शंकर मंदिर तक गई थी। मौके पर गौरी शंकर मंदिर के सचिव विश्वनाथ चौधरी, चुन्नू चंद्रवंशी, दिलीप गुप्ता और अधिवक्ता नवीन सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शोभायात्रा समिति के लल्लू शर्मा, दिलीप चौधरी, सुरेश सिंह पटेल, विनय केसरी, मुकेश अग्रहरी, शाह कमल कृष्ण, विरेंद्र सिंह, राजू चंद्रवंशी, हरेंद्र यादव, अजय कुमार, जगनारायण केसरी, संतोष जयसवाल, कौशल शर्मा, किशोरी प्रसाद आदि सक्रिय थे।

सोमवैली इंटरनेशल स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम गूंज में बच्चों ने बिखेरे जलवे

बच्चों का भविष्य गढ़ना शिक्षक एवं विद्यालय का काम

बगहा रविवार को नगर के हनुमान गढ़ी स्थित सोमवैली इंटरनेशल स्कूल का वार्षिक कार्यक्रम ह्यगूंजह्न सोझीघाट में मनाया गया जिसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार (एसएसबी), उमा गुप्ता नथाना तथा सभापति प्रतिनिधि पप्पू गुप्ता, विद्यालय के प्राचार्य सुमितेश कुमार पूर्व बगहा विधायक प्रभात रंजन सिंह, समाजसेवी राकेश सिंह आदि के संयुक्त दीप प्रज्वलन से हुआ।कार्यक्रम के व्यवस्थापक विद्यालय के प्राचार्य सह प्रबंधक सुमितेश कुमार ने मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार, पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह को अंग वस्त्र ओढ़ा कर स्वागत किया तथा कार्यक्रम और विद्यालय के शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ट नागरिक, संवाददाताओं, समाजसेवी व गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले बच्चों को रुप सज्जा एवं रिहर्सल आदि में विद्यालय के कर्मियों ने भरपूर सहयोग। नप ब्रांड एंबेसडर सुनिल राउत, समाजसेवी आरती देवी, मनोज सिंह, रितु जायसवाल ने कार्यक्रम की सराहना किए और कहा कि ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में निखार आता है तथा उनमें आत्मविश्वाश जागृत होता है। कार्यक्रम में आगंतुक अभिभावक एवं अतिथियों का स्वागत मोङ्ग इंतजार ने किया।

बाबा भोले व गौरा पार्वती के विवाह के बाद हुआ भंडारा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

महाशिवरात्रि के दूसरे दिन व्रत रखी महिला और पुरुषों ने रविवार की सुबह स्नान ध्यान और पूजा करने के बाद व्रत तोड़ने का काम किया। अति प्राचीन गायघाट स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पिछले 24 घंटे से चल रहे अखंड कीर्तन की पूणार्हुति हुई। इसके बाद बाबा भोले और मां पार्वती की पूजा-अर्चना की गई। शाम में प्रसाद का भंडारा किया गया। इसमें समिति के सचिव विश्वनाथ चौधरी, कोषाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, विनय केसरी, संजय सिंह, राजू कर्ण, शंकर चौधरी आदि ने भक्तों का स्वागत कर प्रसाद पाने में सहयोग किया। यहां मुख्य रूप से विधायक नंदकिशोर यादव, महापौर सीता साहू, उपमहापौर रेशमी चंद्रवंशी, पार्षद किरण मेहता, गायत्री गुप्ता, विनोद कुमार, राजू गुप्ता, शिशिर कुमार आदि शामिल हुए। गायघाट स्थित पौराणिक संकट मोचन हनुमान मंदिर दुर्गा स्थान प्रांगण में महाआरती एवं भंडारा का हुआ। इस दौरान उमेश्वर महादेव व माता पार्वती का श्रृंगार किया गया और संध्या महाआरती के बाद भक्तगण भंडारा का प्रसाद ग्रहण किए। महिला मंडली द्वारा भगवान का भजन प्रस्तुत किया गया। मंदिर के अध्यक्ष काशीनाथ सराफ, सचिव विजय कुमार, राजेश कुमार पाण्डेय, मुकेश कुमार ठाकुर, गोपाल कुमार, मोहन प्रसाद, अमित कुमार पांडेय, छोटू गिरी, गोपाल कुमार, अनिल कुमार पांडेय, भानू बाबा, संजीव बाबा आदि शामिल हुए।

50 किलो गांजा के साथ तीन गाजा तस्कर गिरफ्तार

गांजा तस्करों के खिलाफ बगहा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बगहा (नगर संवाददाता) बगहा पुलिस ने भितहा थाना क्षेत्र के रुपही टांड़ से गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से पुलिस ने 50 किलो गांजा एवं एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की है। बगहा एसडीपीओ कैलाश प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि भितहा थाना क्षेत्री के रुपही टांड़ में तस्करी को लेकर भारी मात्रा में गंजा का खेप पहुंचा है। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ कैलाश प्रसाद, पुलिस निरीक्षक थाना अभिनंदन सिंह ,धनहा थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार , भितहा थाना के रामेश्वरी भंडारी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा मिली सूचना के आधार पर रूपही टांड़ में छापेमारी की गई। जहां से पुलिस टीम ने रुपही टांड़ निवासी अनिल गुप्ता, सुनील कुमार गुप्ता, अखिलेश गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद मिली जानकारी पार गाड़ी को भी जप्त किया गया। जिसके अंदर से बोरे में रखे करीब 50 किलो गाजा को जब्त किया गया । एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि उड़ीसा से गांजा की खेप लाई गई थी। जिसे आसपास के क्षेत्रों में बिक्री करने की योजना थी। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार सभी तस्करो को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

महादेव मंदिर आनंदपुरी में भंडारे का किया गया आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल शिवरात्रि के मौके पर राजेश्वर मंदिर आनंदपुरी वर वधु के स्वागत में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया इस भंडारे का उद्देश शिव पार्वती जी की विवाह के उपरांत किया गया इस आयोजन में भंडारे रसम को पूरा आयोजन किया गया कम से कम पांच हजार लोगों श्रद्धालु ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया पूरी बुंदिया खीर सब्जी भारी संख्या में श्रद्धालु में ने प्रसाद ग्रहण किया वहीं माननीय विधायक दानापुर रीतलाल राय ने बताया कि इस तरह का भंडारा का आयोजन किया जा रहा है उसमें काफी खुशी होती है अगर कहीं भी भंडारे का आयोजन होता है तो मुझे सूचित करें मैं जो भी होगा मदद के रूप में करूंगा ' सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र वत्स ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है और आगे भी हर साल भव्य भंडारे का आयोजन जारी रहेगा इस मौके पर माननीय विधायक दानापुर रितलाल राय नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील कुमार अजय कुमार यादव पिंकू राजनाथ राय कुमार यादव वार्ड पार्षद पिंटू कुमार रिटायर्ड प्रधानाध्यापक कामेश्वर शर्मा रिटायर कर्मचारी वीरेंद्र सिंह शंभू सिंह मुकेश कुमार अमरेंद्र कुमार मोनू कुमार पॉली गंगोली राकेश कुमार मेहता पप्पू धर्मेंद्र सिंह संजय सिंह पूर्व वार्ड पार्षद रीना सिंहवार्ड पार्षद प्रशांत कुमार सिंह उर्फ डबलू राजेश खान एवं सामाजिक कार्यकर्ता चंदू प्रिंट सहित अन्य धन्यवाद लोग मौजूद थे '

गुरुद्वारा हांडी साहिब में मनाया प्रकाश पर्व

पटना साहिब से पंजाब जाते समय दशमेश पिता का पहला पड़ाव यहीं था

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर स्थित गुरुद्वारा हांडी साहिब में दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के पवित्र पावन चरण पड़े। जब गुरू महाराज पटना साहिब से पंजाब जाते समय यहां अपना पहला पड़ाव बनाया था। यहां गुरु साहिब को जमुना माई ने खिचड़ी की एक केतली (हांडी) परोसी थी। तब से यहां खिचड़ी का प्रसाद संगतों के बीच वितरण होता है। तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी एवं संगतों के सहयोग से मनाए गए सालाना प्रकाश पर्व पर प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह, महासचिव इंद्रजीत सिंह, सचिव हरबंश सिंह, दीपक लांबा, जगजीवन सिंह, सुरजीत सिंह, जसवंत सिंह, नवराज सिंह हैप्पी, अधीक्षक दलजीत सिंह, रविंदर सिंह, लकी बग्गा आदि ने भी मत्था टेक आशीर्वाद लिया। इसके पूर्व गुरुद्वारा हांडी साहिब में ग्रंथी सतलोक सिंह की देखरेख में चल रहे अखंड पाठ की समाप्ति हुई। इसके बाद कीर्तन रागी जत्था भाई कविंदर सिंह, भाई ज्ञान सिंह और भाई अरविंद सिंह निर्गुण ने पेश किया। कथा ज्ञानी सुखदेव सिंह ने कही। इसके बाद वरीय ग्रंथी भाई दिलीप सिंह ने अरदास और हुकुम लिया। इसके बाद कड़ाह प्रसाद का वितरण किया गया और गुरु का अटूट लंगर चला।

उर्स पर चादरपोशी कर मांगी दुआ

पटना सिटी (प्राकि)। हजरत दाता कालू पीर रहमतुल्लाह अलैह की बाग कालू खां स्थित मजार पर उर्स का आयोजन किया गया।कुरानखानी से आरंभ होने के बाद गुसूल और चादरपोशी कर जायरीनों ने अमन-चैन की दुआ मांगी। आयोजन में कुल और दुआ के बाद नात-ए-पाक का नजराना एस वसीउद्दीन अहमद, मो शाहनवाज, मो इरफान खान और मो फजल ने पेश किया। इसके बाद मौलाना हाफिज कारी दानिश रजा एमादी और हजरत मौलाना डॉ साबिर अशरफी ने जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इसमें डॉ एकबाल अहमद, एस सबीहउद्दीन अहमद, मो सल्लाहउद्दीन, मो रेयाजउद्दीन, मो कलाम अंसारी, मो सलामउद्दीन अंसारी, मो अकील, मो शकील, मो रिजवान, मो गुडडू, मो फैजान, मो आदिल, एस सिराजवजी, मो असलम, मो हैदर, मो शहाबुद्दीन आदि शामिल थे।

सामाजिक न्याय की पूरी अवधारणा को खत्म करने की हो रही कोशिश : उर्मिलेश

● 11 वें महाधिवेशन में रविवार को चर्चित पत्रकारों - समाज शास्त्रियों ने किया किया संबोधित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा-माले के 11 वें महाधिवेशन के चैथे दिन रविवार को को देश के कई चर्चित पत्रकारों - समाजशास्त्रियों ने संबोधित किया। अतिथि के बतौर हिन्दी के वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश, अनिल चमडिया, समाजशास्त्री आदित्य निगम, भाषा सिंह, रति राव, प्रो बनर्जी और पटना के प्रोफेसर विद्यार्थि विकास आदि ने संबोधित किया। वरिष्ठ हिंदी पत्रकार उर्मिलेश ने कहा कि भारत के वामपंथी आंदोलन में शामिल लोगों की समझदारी व कुबार्नी का कोई मुकाबला नहीं है। आजादी की लड़ाई के इतिहास के पन्ने भी इसकी गवाही देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में उत्पीड़ित समाजों की समस्याएं बहुत हीं अलग हैं। भाकपा (माले) ने न केवल इतिहास की व्याख्या में इस नजरिए को शामिल किया है बल्कि शुरूआत से ही इसके प्रति काफी संवेदनशील रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे वक्त में जब भाजपा व संघ परिवार सामाजिक न्याय की पूरी अवधारणा को ही खत्म करने पर तुली हुई है, और सामाजिक न्याय की परंपरागत पार्टियों के भीतर भी उसका स्पेस कम होता जा रहा है, भाकपा (माले) को अपनी यह भूमिका हर स्तर पर बढ़ानी होगी। 11 वें महाधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों और विभिन्न भाषाओं में सृजित प्रतिरोधी साहित्य-संस्कृति-कला की झलक देखने को मिली। महाधिवेशन में पश्चिम बंगाल, असम, कार्बी आब्लॉग, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान आदि राज्यों की सांस्कृतिक टीमों, जनगायकों और कलाकारों ने गायन और नृत्य की प्रस्तुतियाँ कीं। इनमें सामूहिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ अधिक थीं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरूआत शहीद गीत से हुई। महाधिवेशन में गाये गये जनगीतों में दमन और हत्याओं के प्रतिरोध की अदम्य भावना की अभिव्यक्ति हुई. पश्चिम बंगाल के संस्कृतिकर्मियों ने शोषक- उत्पीड़क और जालिम सत्ता को संबोधित अपने सामूहिक गान में स्पष्ट रूप से कहा कि तुम चाहे जितना भी हमला करो, जितने लोगों को मारो, हम नहीं मरेंगे, हम फिर से जी उठेंगे। पश्चिम बंगाल के कलाकारों ने नक्सलबाड़ी विद्रोह के दौरान चर्चित गीत मुक्त होगी प्रिय मातृभूमि पर आधारित सामूहिक नृत्य के माध्यम से भाकपा (माले) के 11 वें महाधिवेशन के केंद्रीय स्लोगन लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ की भावना को अभिव्यक्ति दी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में इस दौर में चल रहे विभिन्न प्रकार के संघर्षों को भी मुखर किया गया। झारखंड की प्रीति भास्कर ने महिला आजादी से संबंधित आकांक्षा और संघर्ष को अपने नृत्य के जरिए मूर्त किया। झारखंड के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक नृत्य में शजल, जंगल, जमीन के लिए चल रहे संघर्ष को तेज करने का आह्वान था। असम के प्रतिनिधियों ने चाय बगान में उचित मजदूरी के लिए हो रहे संघर्ष से संबंधित गीत सुनाये।क्रांतिकारी वामपंथी धारा के प्रमुख कवि गोरख पांडेय की क्रांतिकारी सांस्कृतिक भूमिका को जाग मेरे मन मछंदर गीत के माध्यम से याद किया गया और पूंजी के साम्राज्य के विरुद्ध सचेत संघर्ष का आह्वान किया गया। इस गीत को हिरावल के संतोष झा और डी. पी. सोनी ने सुनाया। माले के महाधिवेशन में प्रतिरोध की जो सांस्कृतिक आवाजें गूंजी, उनमें यह स्पष्ट संदेश था कि क्रांतिकारी वामपंथी जनराजनीति और जनसंस्कृति की जो धाराएँ हैं, उनका प्रवाह जारी रहेगा। जसम, बिहार के कलाकारों ने ऐलान किया- दबने वाले है दमन हे तेरे। महाधिवेशन के दौरान फासीवाद के खिलाफ विपक्षी पार्टियों की एकता के उद्देश्य से हुए कन्वेंशन के आरंभ में मशहूर इंकलाबी शायर फैज अहमद फैज की नज्म लाजिम है कि हम भी देखेंगे में भी ऐसी ही भावना का इजहार हुआ।

भाजपा की गलत नीतियों के चलते आम जनमानस त्रस्त : उमेश कुशवाहा

● महागठबंधन की महारैली से केंद्र की भाजपा सरकार घबराई हुयी है : मंत्री

● रंगभूमि मैदान की रैली होगी ऐतिहासिक : सुखदेव पासवान

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महागठबंधन द्वारा पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में 25 फरवरी को आयोजित महारैली की तैयारी हेतु फारबिसगंज के पाठशाला स्कूल मटियारी के सभागार में अररिया जिला महागठबंधन के प्रमुख साथियों, पदाधिकारियों व कार्यकताओं की बैठक हुयी। बैठक की अध्यक्षता जदयू के जिलाध्यक्ष आशीष कुमार पटेल ने और संचालन पवन मिश्रा ने किया। बैठक मे मुख्य अतिथि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा एवं आपदा प्रबंधन मंत्री शहनवाज आलम के साथ ही राजद के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद सुखदेव पासवान, पूर्व सांसद सरफराज आलम, विधायक अचमित ऋषिदेव, विधान पार्षद रविंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व विधान पार्षद भूमिपाल राय, पूर्व मंत्री मंजर आलम, जदयू नेता चन्दन कुमार सिंह, शगुफ्ता अंजीम, जिला परिषद अध्यक्ष पप्पू अंजीम, राजद के जिलाध्यक्ष सुरेश पासवान, पूर्व जिलाध्यक्ष नौशाद आलम, संचिता मंडल, सीता राम मंडल,सुनील राय, सुनील चंद्रवंशी, डा ऋषभ राज,मुन्ना खान, आदिल मु.ख़्तार, मनीष यादव,अविनाश आनंद, नागेश्वर कामत, मनीष मंडल सहित अररिया जिला महागठबंधन के प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल रहे। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने महागठबंधन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार संविधान विरोधी, देश को रास्ते से भटकाने और बांटने, संघीय ढांचे को नष्ट करने एवं लोकतंत्र की हत्या करने का काम कर रही है। इसके विरुद्ध विपक्षी एकता के सूत्रधारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव , पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी सहित महागठबंधन के सभी घटक दलों द्वारा आयोजित 25 फरवरी की यह महारैली देश को एक नया सन्देश देगी। श्री कुशवाहा ने आगे कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते देश का आम जनमानस त्रस्त है। जुमलेबाजी और आश्वासन के अलावे भाजपा और कुछ नहीं कर रही। साम्प्रदायिक और उन्मादी शक्तियों द्वारा देश और राज्य में माहौल खराब करने की साजिश के खिलाफ बोलने की लोग हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। भाजपा के खिलाफ इसका आगाज बिहार से हो चूका है। एकजुट महागठबंधन उन ताकतों का मुकाबला करने को तत्पर हैं। रंगभूमि मैदान की यह महारैली देश को परिवर्तन का एक नया सन्देश देने जा रही है। आपदा प्रबंधन मंत्री शहनवाज आलम ने अपने संबोधन में कहा कि इस महारैली के महत्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि केंद्र की भाजपा सरकार रैली की घोषणा मात्र से घबराई हुयी है। राजद के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद सुखदेव पासवान ने कहा कि पूर्णिया के रंगभूमि मैदान की यह रैली ऐतिहासिक होगी जो देश में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मातमपुर्सी करने चंडासी गांव पहुंचे मंत्री श्रवण कुमार

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार शनिवार को देर शाम मातमपुर्सी करने चंडासी गांव पहुंचे। मंत्री ने मृतक बालक के परिजनों को ढांढस बांधते हुए धैर्य रखने को कहा। साथ ही पारिवारिक लाभ के तहत मृतक के परिजन को बीस हजार का चेक भी दिया। साथ ही नियमानुसार सरकारी लाभ भी दिलाने का आश्वासन भी दिया। बताते चले कि बीते 9 फरवरी को गांव के ही आनंद साव का साढ़े नौ वर्षीय पुत्र लक्की कुमार अचानक गायब हो गया था। और दस दिनों के बाद शनिवार की सुबह गांव के ही हाई स्कूल के पीछे पानी भरे पोखर से शव बरामद हुआ था। परिजन व ग्रामीण बच्चे को पानी में डूबने से मौत होने की बात बता रहें हैं। बालक की मौत पर गहरा दुःख जताते हुए मंत्री श्री कुमार ने बताया कि इस दुःख की घड़ी में ईश्वर मृत आत्मा को शांति प्रदान करें। साथ ही शोकाकुल परिजनों को इस बेला में धैर्य प्रदान करें। राज्य सरकार लोगों के सुख दुःख में साथ है। मौके पर बीडीओ धनंजय कुमार, राजेन्द्र प्रसाद,अनु सिंह,बबलू कुमार,जयंत प्रसाद,चंद्रशेखर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

जीकेसी कुटीर उद्योग ने लांच किया लाल मिर्ची अचार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जीकेसी कुटीर उद्योग की उत्पाद सामग्रियों में लाल मिर्ची अचार रविवार को नागेश्वर कॉलोनी के रॉयल गार्डेन स्थित जीकेसी (ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस) के केन्द्रीय कार्यालय परिसर में लांच किया गया। उक्त जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने दी। उन्होंने बताया कि ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद और प्रबंध न्यासी रागनी रंजन ने इस उत्पाद के लिए महिला प्रकोष्ठ को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के उत्पाद को बिहार तक ही सीमित नहीं रखना है बल्कि पूरी देश में पहुंचाना है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने बताया कि जीकेसी की महिलाओं ने प्रबंध न्यासी रागनी रंजन के नेतृत्व में कुटीर उद्योग के तहत लाल मिर्ची अचार को लांच किया है। इस अचार को जीकेसी की महिला प्रकोष्ठ ने तैयार किया गया है।उन्होंने बताया कि जीकेसी कुटीर उद्योग द्वारा लाल मिर्ची अचार का कीमत बिहार प्रदेश के लिए प्रति किलो 650 रुपए रखा है और पहली चरण में इस पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने बताया कि जीकेसी कुटीर उद्योग की उत्पाद को जब बिहार से बाहर भेजा जायेगा तो ट्रांपोटेशन शुल्क भी लगेगा, ऐसी स्थिति में बिहार में दी जाने वाली उत्पाद दर से अधिक होगा। पटना जिला महासचिव धनंजय प्रसाद ने बताया कि लाल मिर्ची अचार को टेस्ट कराकर बिक्री शुरू की गई। बिहार प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) नंदा कुमारी ने बताया कि अचार एक किलो, आधा किलो और ढ़ाई सौ ग्राम के पैक में उपलब्ध है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष नंदा कुमारी ने यह भी बताया कि फिलहाल कुटीर उद्योग में उत्पाद के रूप में चार तरह की बरियां और कई तरह के आचार भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुटीर उद्योग की देख रेख की पूरी जिम्मेदारी प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन अपने हाथों में ले रखी है और उन्हें सहयोग करने में स्वेता रश्मि, नीना सिन्हा, पुष्पमाला कुमारी, दुर्गा कुमारी, और आराधना रंजन कुटीर उद्योग से जुड़ कर बढ़ चढ़ कर काम कर रही है। उक्त अवसर पर अतीश रंजन, विवेक आनंद, अतुल कुमार श्रीवास्तव, आशुतोष ब्रजेश, सुशील कुमार, कमलेश कुमार सिन्हा, सागर कुमार सिन्हा, आभा सिन्हा, संजु श्रीवास्तव, सुधा श्री, अनिल कुमार दास, डा प्रियदर्शी हर्षवर्धन, पुरुषोत्तम नारायणा गोपाल, संजय कुमार सिन्हा, मिलन सिन्हा, सुभाष नारायण मधु, गुप्त जयवर्द्धन, डा अशोक कुमार, डा अनिल कुमार वर्मा, आलोक वर्मा, वंदना कुमारी, अनुराग, पुष्पमाला कुमारी, ज्योति, आराधना कुमारी, रश्मि सिन्हा और प्रसून श्रीवास्तव उपस्थित थे।

चिराग ने छत्रपति शिवाजी राव को किया नमन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में नायक एवं महान रणनीतिकार छत्रपति शिवाजीराव भोसले की 393 वीं जयंती पर उन्हें नमन किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने ट्वीट कर शिवाजी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। शिवाजी की वीरगाथाओं का स्मरण करते हुए चिराग ने अपने ट्वीट में लिखा, भारत के महान योद्धा, राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। स्वराज की अलख जगाने वाले शिवाजी महाराज का अद्भुत राष्ट्रप्रेम, साहस और प्रशासनिक कौशल आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस आशय की जानकारी लोजपा (रा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दी।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 125 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

पटना। अग्रसेन सेवा न्यास एवं अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को शक्तिधाम , बैंक रोड, पटना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। मौके पर ट्रस्ट के सचिव अमर कुमार अग्रवाल ने बताया कि न्यास द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को यह चिकित्सा शिविर आयोजित होता है। रविवार को इस चिकित्सा शिविर में कुल 125 मरीजों ने अपनी जांच करवाई। अग्रवाल ने बताया कि सभी मरीजों को निःशुल्क चाय बिस्कुट दिया गया । शिविर में डॉ बी के अग्रवाल द्वारा हेपेटाइटिस की जांच की गई। शिविर में इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस इ की जांच के लिए 15 मरीजों का खून लिया गया। मौके पर शिविर में 85 मरीजों के आँखों की जांच प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डा शशि मोहनका द्वारा किया गया. इनमे 23 मरीजों का मोतियाबिंद काफी बढ़ा हुआ था. डा मोहनका ने बताया की इनका निःशुल्क फेको विधि द्वारा आपरेशन श्याम मंदिर, न्यूबहादुरपुर के पास स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में किया जाएगा। आज 21 मरीजों को निःशुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। आँखों के अतिरिक्त मधुमेह की जांच डॉ सुभाष कुमार द्वारा की गयी जिसमे 26 लोगों में मधुमेह पाया गया। सभी मरीजों को मधुमेह की दवा निःशुल्क दी गयी। डा कुमार ने बताया कि मधुमेह रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। मौके पर शिविर में 25 लोगों के दांतों की जांच डॉ नितिन मैतिन द्वारा की गयी जिसमे 16 लोगों के दांत में बीमारी पाई गयी। मौके पर होमियोपैथिक विशेषज्ञ डॉ कन्हैया अग्रवाल द्वारा भी 19 मरीजों को विभिन्न बीमारियों की दवा दी गयी। मौके पर ब्लड प्रेशर की जांच जितेंद्र के द्वारा की गई। एम पी जैन ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में मुख्य भूमिका अमर कुमार अग्रवाल, पी के अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, अनिल गुप्ता , लक्ष्मण टेकरीवाल , ललन लाठ, दिगम्बर अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल , गोपाल मित्तल, अनमोल अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, राजकुमार खेमका, सुभाष बंका, रितेश तुलस्यान, तरुण हिसारिया, सावरमल ड्रोलिया एवं अन्य पदाधिकारियों की रही।

फाइलों में सिमटी : राजीव सिन्हा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार देश का शायद पहला प्रदेश होगा, जहां राजनीति तो है लेकिन सरकार नहीं है। उक्त बातें जदयू के पूर्व मुख्य प्रवक्ता राजीव सिन्हा ने कही।

उन्होंने बताया कि जैसे फाइलों में बिहार की सड़कें चकाचक हैं, उसी तरह बिहार में भी सरकार, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि भी फाइलों में ही सिमटी हुई हैं। बिहार की फाइलें गुलाबी हैं। राजीव सिन्हा ने कहा कि आज बिहार में जदयू, राजद, कांग्रेस आदि की महागठबंधन की सरकार चल रही है। लेकिन यह कहने को चल रही है कि बिहार में सरकार है, जबकि इस महागठबंधन की सरकार में सबसे बड़ी (प्रमुख) कमजोरी है कि इसमें बौद्धिक गहराई की शून्यता है। उन्होंने कहा कि जदयू के नेतृत्व में बिहार की सरकार है जिसके मुख्य मंत्री नीतीश कुमार हैं। लेकिन जदयू की जो स्थिति है उसमें यह कहना कि इसमें नेता कौन है, एक कठीन प्रश्न है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अगर इतिहास देखें तो पूरा बिहार जानता है कि प्रदेश अध्यक्ष का इतिहास सफेद नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आस पास (इर्दगिर्द) जो लोग आज कुंडली मार कर बैठे हैं, उनकी बौद्धिकता पर बात करना अपनी सोच और लेखनी को अपमानित करने जैसा लगता है। राजीव सिन्हा ने कहा कि सही में जदयू के बौद्धिकता का परिचय- पत्र आरसीपी सिंह थे लेकिन उनके जदयू छोड़ते ही जदयू की बौद्धिकता ही गायब हो गया है। आर सी पी सिंह के पार्टी से हटते ही आज जदयू खुद के अस्तित्व को लेकर संशय और सन्नाटे में खड़ा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी किसी ना किसी बहाने पार्टी कार्यालय और सचिवालय से दूर ही रहने का प्रयास करते दिख रहे हैं। ऐसे में सरकार और संगठन दोनों ही सिर्फ फाइलों में ही सिमट कर रह गया है।

राजद कार्यालय में सुनवाई कार्यक्रम कल

शिक्षा मंत्री और कृषि मंत्री रहेंगे मौजूद

पटना। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की पहल पर 21 फरवरी यानी मंगलवार को राजद द्वारा सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जहां शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर और कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत मौजूद रहेंगे। ये सुनवाई वीरचंद पटेल पथ स्थित मुख्य कार्यालय में की जाएगी। जहां कार्यकताओं समेत अन्य लोग सुनवाई करेंगे। पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच स्वयं उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि मंत्री से मिलने वालों को 21 फरवरी को राजद कार्यालय पहुंचना होगा। जहां सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच आवेदक स्वयं उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन करा सकते। उसके बाद ही वह सुनवाई कार्यक्रम में शामिल हो सकते। जैसे जिनका रजिस्ट्रेशन होगा 21 फरवरी को उसी क्रमानुसार अपराह्न एक बजे से 3 बजे तक दोनों मंत्रियों से बारी-बारी कार्यकताओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेगें और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जरूरी कागजात के साथ लिखित आवेदन देना होगा : एजाज ने बताया कि कार्यकताओं को मंत्रीगण से मिलकर अपने क्षेत्र से जुड़ी जन समस्याओं अथवा शिकायतों से उन्हें अवगत कराना होगा। जिसके लिए आवश्यक संलग्नों के साथ लिखित में आवेदन देना होगा। उसी के अनुसार सुनवाई के बाद कार्रवाई की जायेगी। बताया गया है कि यह कार्यक्रम है तो कार्यकताओं के लिए लेकिन कोई आम व्यक्ति भी संबंधित विभाग से जुड़ी समस्या लेकर आते हैं तो उसे सुनवाई में शामिल किया जाएगा।

बिजली खरीद प्रणाली में बदलाव की जरूरत : लोजपा रा

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता राजेश भट्ट ने आरोप लगाया है कि बिहार में विद्युत आपूर्ति दर के नाम पर सरकार उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली कर रही है, जो कई नजदीकी राज्यों की तुलना में अधिक है। श्री भट्ट ने कहा कि जब ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर इतना नया है तो फिर संचरण हानि इतना ज्यादा क्यों है? श्री भट्ट ने कहा कि जब से लोजपा (रा) ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरना शुरू किया है, तब से सरकार तरह-तरह की दलीलें दे रही है। सरकार की दलील है कि वह महंगे दरों पर बिजली क्रय करती है इसलिए आपूर्ति दर अधिक है। लेकिन श्री भट्ट ने बताया कि सरकार की यह दलील जनता को गुमराह करने वाली है, क्योंकि बिजली बिल बढ़ाना हल नहीं है। इसके लिए खरीद प्रणाली में बदलाव की जरूरत है। श्री भट्ट ने कहा कि सरकार हर स्मार्ट प्रिपेड मीटर पर मीटर रीडिंग टेस्ट सर्टिफिकेट दे तथा जिन पुराने मिटर्स पर अत्यधिक बिलिंग की शिकायत आ रही है उसे तत्काल बदले।

बिहार के सामाजिक बदलाव में जननायक का योगदान अतुलनीय : दिलीप पाल

● पाल समाज के समाजसेवियों तथा सफल मेधावियों को किया गया सम्मानित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर की 35वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में पाल इंटेलेक्चुअल फोरम के तत्वावधान में रविवार को फोरम के अध्यक्ष प्रो. दिलीप कुमार पाल की अध्यक्षता में 11वीं पाल पारिवारिक मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जननायक कपूर्री ठाकुर के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया।इसके बाद प्रथम सत्र में बिहार के सामाजिक बदलाव में जननायक कपूर्री ठाकुर का योगदान विषय पर विचार-विमर्श गया। अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो. दिलीप कुमार पाल ने कहा कि जननायक कपूर्री ठाकुर अतिपिछड़ा समाज के सबसे बड़े आइकॉन हैं और हमारा समाज भी अतिपिछड़ा वर्ग का एक अभिन्न अंग है। हम जननायक के आदर्शों को आत्मसात कर अपनी उन्नति कर सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए जो सादगी एवं ईमानदारी पेश की है वह सिर्फ बिहार में ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए मिसाल है। महासचिव ई. संजय कुमार पाल ने कहा कि कि राज्य और देश के निर्माण में अतिपिछड़ों को भागीदार बनाकर उन्होंने अतुलनीय कार्य किया है। उपाध्यक्ष अमरेंद्र पाल ने कहा कि बिहार के सामाजिक बदलाव में जननायक का अहम योगदान है। उपेंद्र पाल ने अपने संबोधन में बताया कि जननायक के विचारों को अपनाते हुए बिहार सरकार द्वारा अतिपिछड़ा समाज के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं,लेकिन जागरूकता के अभाव में अपने समाज के लोग भरपूर लाभ नहीं ले पा रहे हैं। डॉ. बिनोद कुमार पाल ने कहा कि 2023 के सितम्बर माह में पेरियार जयंती के उपलक्ष्य में पटना के ज्ञान भवन में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें पूरे बिहार के पाल समाज को एकत्रित कर तार्किक व वैज्ञानिक जीवन पद्धति अपनाने तथा राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। सचिव डॉ. दिनेश पाल ने कहा कि बिहार में जाति-गणना (सर्वे) हो रही है जिससे सच्चाई सामने उभर कर आएगी कि अतिपिछड़ों की आबादी कितनी है और भागीदारी कितनी । नागपुर से पधारे हीरालाल राउत ने कहा कि पाल समाज को धर्मान्धता व अंधविश्वास को त्याग करना वैज्ञानिक जीवनपद्धति को अपनाना होगा तभी विकास सम्भव है। कुशेश्वर राउत ने कहा कि समाज को शिक्षित और जागरूक करने की जरूरत है।

डॉ. मनोज पाल ने कहा कि विशेष रूप स्त्री-शिक्षा पर जोर देने की जरूरत है। कोषाध्यक्ष सत्यपाल ने कहा कि लड़कियों की पढ़ाई रोककर कम उम्र शादी करना अपराध है। कन्हैया प्रसाद पाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम को पूरे बिहार में पाल समाज को करना चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ. दिनेश पाल द्वारा संपादित पत्रिका का विमोचन और चर्चा परिचर्चा किया गया। तीसरे में पारिवारिक मिलन सह परिचय का कार्यक्रम हुआ, जिसमें मंच पर सिर्फ महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। चतुर्थ सत्र में 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अपनी शहादत देने वाले शहीद शिवनंदन पाल उर्फ बच्चन भेडिहर, रामचरित्र पाल, रामप्रीत पाल, सुदर्शन पाल, ई. हरिहर पाल, जयहरी राजपाल, बच्चन भगत पाल, हीरालाल रावत, प्रो. शिवबालक प्रसाद एवं न्यायमूर्ति झौड़ी प्रसाद पाल को पाल समर्पण सम्मान-2023 से अलंकृत किया गया। पांचवें सत्र में पाल प्रतिभा सम्मान-2023 के तहत बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उर्मिला कुमारी, डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. बलराम कुमार तथा बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल जज के रूप में चयनित दिव्येश कुमार, संचिता चौधरी, अनुषा राज, सौम्या सुमन और विभिन्न प्रशासनिक पदों के लिए चयनित नीलू कुमारी, राहुल राज, सूरज प्रकाश भगत, प्रभा कुमारी, राजू रंजन, मोनिका सुमन, डॉ. मीरा कुमारी, डॉ. राखी भारती, अभय कुमार, खुशबू कुमारी, श्वेता कुमारी, नितिका कुमारी, ई. धन्नजय कुमार, रीना कुमारी एवं कुमारी को प्रतीक चिन्ह (कपूर्री ठाकुर), प्रशस्ति पत्र एवं संविधान (पुस्तक) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रामस्वरूप भगत, डॉ. अमरेश पाल, डॉ. वीपी त्यागी, गुड्डू पाल, धीरज कुमार, ब्रजेश रंजन, सीताराम पाल, शुभनारायण पाल, चंद्रमोहन पाल, वीणा पाल, रीता पाल, सुमन पाल, सुधा देवी, अरुण पाल डॉ. अजय पाल, बालेश्वर राय, महेंद्र पाल, अलख निरंजन पाल, रामशंकर पाल, भारत प्रसाद पाल, जय प्रकाश पाल, डॉ. बबलू पाल, दिनेश पाल, ई. मनोज पाल, डॉ. शीलू कुमारी, प्रताप पाल समेत सैकड़ों लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन का डॉ. बिनोद पाल तथा डॉ. दिनेश पाल ने संयुक्त रूप से किया।

भाकपा माले की 11वीं पार्टी कांग्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर मसौदा प्रस्ताव पास किया

11वीं कांग्रेस में अंतर्राष्ट्रीय स्थिति और जलवायु परिवर्तन पर संकल्प

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा माले ने स्पष्ट रूप से यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण की निंदा की और युद्ध समाप्त करने का आह्वान किया। पार्टी ने नाटो को अमेरिकी साम्राज्यवाद का एक वाहक मानते हुए इसके विघटन का आह्वान किया। पार्टी ने यह भी कहा कि चीन अब चीनी विशेषताओं वाला एक पूंजीवादी राज्य है। इसने समाजवाद को बुनियादी कल्याणवाद तक सीमित कर दिया है, जहां पूंजीवाद को नियंत्रण में रखा गया है, लेकिन राजनीतिक स्वतंत्रता का घोर अभाव है। अफ्रीका, पाकिस्तान और अन्य देशों में चीनी पूंजीवाद की भूमिका को एक आलोचनात्मक तरीके से देखने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर संकल्प में भाकपा (माले) ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे बुरा असर गरीब और वंचित लोगों पर पड़ रहा है। भारत वैश्विक स्तर पर इन मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहा है और देश के भीतर यह सुनिश्चित नहीं किया है कि पर्यावरण विनाश के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए। भाकपा(माले) ने उत्तराखंड, असम, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में पर्यावरण क्षरण के खिलाफ आंदोलनों के प्रति एकजुटता दिखाई। प्रस्ताव में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को भारत के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने के लिए कॉरपोरेट्स को खुली छूट देने के रूप में देखा गया। सरकार बढ़ती जलवायु समस्याओं के संबंध में गरीबों और हाशिए पर रहने वालों की मांगों पर चुप है। पर्यावरणीय गिरावट के परिणामस्वरूप नीतियों को वापस लिया जाना चाहिए और उसे सही किया जाना चाहिए। पार्टी संगठन पर रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों पर पार्टी कांग्रेस में विचार-विमर्श जारी है। स्कीम वर्कर्स की हालत बंधुआ मजदूरों जैसी, आंदोलन तेज करने का लिया गया प्रस्ताव : भाकपा-माले के 11 वें महाधिवेशन के चौथे दिन प्रतिनिधि सत्र में मजदूर वर्ग, स्कीम वर्कर्स, सफाई कर्मियों और अन्य कामकाजी तबकों की मांगों व आंदोलनों पर जोरदार बहसें हुईं। यह जानकारी ऐक्टू के राष्ट्रीय महासचिव राजीव डिमरी, स्कीम वर्कर्स की शशि यादव, टी गार्डेन आंदोलन की नेता सुमंती एका और आइआरपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. कमल उसरी ने संवाददाता सम्मेलन में दी। राजीव डिमरी ने कहा कि फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई में मजदूर वर्ग ही सबसे बड़ी ताकत है और उन्हीं को अगुआ भूमिका निबाहनी है। आज देश में कॉरपोरेट कम्पनी राज स्थापित किया जा रहा है। देश की एक-एक ईंट को बेचा जा रहा है और मजदूरों को गुलामी में धकेला जा रहा है। चार श्रम कोड कानून मजदूरों पर सबसे बड़ा हमला है। यह उन्हें गुलाम मजदूर बनाने का प्रयास है। सामाजिक सुरक्षा के सवाल को हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसलिए भाजपा सरकार की इस देश से विदाई अत्यंत जरूरी है। शशि यादव ने कहा कि स्कीम वर्कर्स में 95 परसेंट महिलाएं है, लेकिन उनकी स्थिति बंधुआ मजदूरों जैसी है। आशा वर्कर का कोई वेतन नहीं है, जबकि ग्रास रूट स्तर पर स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेवारी इन्हीं के कंधों पर है। पार्टी कांग्रेस में इनके मुद्दों पर बातचीत हुई और आने वाले दिनों में बड़े आंदोलन का निर्णय लिया गया है। टी गार्डन बंगाल में चाय मजदूरों के बीच काम करने वाली सुमंती एका ने चाय बगानों की दर्दनाक स्थिति को सुनाया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने एक पियक्कड को किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मधुबन गांव से शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान मधुबन गांव निवासी शंकर मिश्र के पुत्र मुकेश कुमार मिश्र के रूप में हुई है। वहीं उन्होंने युवक के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजने की बात कही है।

सीपीआईएम की हुई बैठक

कल्याणपुर, समस्तीपुर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लोकल कमेटी कल्याणपुर वारिसनगर के बैनर तले लोकल कमेटी की बैठक का आयोजन रविवार वासुदेवपुर गांव में मुन्ना सिंह के दरवाजे पर किया गया। जिसकी अध्यक्षता विष्णु देव शर्मा ने किया। वहीं में बैठक में मुख्य रूप से 15 मार्च तक नवीकरण, 22 से 28 फरवरी तक बजट के खिलाफ में जागरूकता अभियान, 3 मार्च को दलित कन्वेंशन में भाग लेना, 5 अप्रैल को दिल्ली रैली को सफल बनाने पर चर्चा किया गया। अगामी 18, 19मार्च को होने वाली डीवाईएफआई का जिला सम्मेलन की पुरजोर तैयारी पर चर्चा किया गया। बैठक को जिला कमेटी सदस्य भोला राय अंचल सचिव लाला प्रसाद, राघवेंद्र यादव, उमेश शर्मा, वीरेंद्र प्रसाद मुन्ना, मोहम्मद जहांगीर, जयशंकर प्रसाद, रंजीत राय, शिव कुमार गुप्ता ने संबोधित किया।

शराब के पुराने मामले में एक गिरफ्तार, भेजा गया न्यायिक हिरासत में

मोरवा, समस्तीपुर। ताजपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के हरिशंकरपुर बघौनी गांव से एक व्यक्ति को पुराने शराब मामले को लेकर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उसकी पहचान हरिशंकरपुर बघौनी निवासी गौरीशंकर भगत के पुत्र बबलू कुमार के रूप में बतायी गई है। जिसे ताजपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मिशन-24 अभियान में जोर-शोर से जुटी समस्तीपुर भाजपा

समस्तीपुर। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे मिशन-24 में नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने व 2019 के मुकाबले 2024 लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतने के लिए भाजपा मैदान पर उतर गई है। मिशन-24 महाविस्तार अभियान के सफलता हेतु समस्तीपुर विधानसभा के भूईधारा, आशिनपुर व धुरलख में बूथ संख्या- 87, 88, 92, 93, 94 व 95 बूथ के क्षेत्रों में बूथ कमेटी की समीक्षा के साथ पन्ना प्रमुख बनाया व सरल एप से लोगों को जोड़ा गया। वहीं नरेंद्र मोदी के प्रसारण मन की बात कार्यक्रम से जुड़ने हेतु लिंक भी लोगों से शेयर कर जोड़ा गया है। साथ ही 25 फरवरी को स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर बापू सभागार, पटना में निर्धारित मजदूर-किसान समागम कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह के उद्बोधन को सुनने के लिए पटना चलने के लिए भी लोगों को आमंत्रित किया गया। इस अभियान में भाजपा जिला प्रवक्ता मुकेश कुमार सिंह के साथ शंकर महतो, महेंद्र सिंह, नथूनी पासवान, विकास झा, अनिल गुप्ता, दीपक सत्यार्थी, विद्यानंद झा सहित अन्य लोग अभियान में रहे।

आग से बचाव को लेकर नुक्कड़ नाटक एवं मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को किया गया जागरूक

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत महिषी, वाजितपुर बम्बैया आदि पंचायतों में अग्निशामक टीम के द्वारा लोगों के बीच आग से बचाव को लेकर नुक्कड़ नाटक, एलइडी गाड़ी एवं मॉक ड्रिल माध्यम से जागरूक किया गया। जिसमें खास करके गैस से आग लगने, खेत खलिहान में आग लगने, विद्युत शार्ट सर्किट से आग लगने से बचाव हेतु अग्निशामक पदाधिकारी रोसड़ा एवं उनकी टीम द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। मौके पर महिषी पंचायत के मुखिया रामप्रवेश राय, वाजिदपुर बंम्बैया पंचायत के मुखिया सुशील कुमार चौधरी, वार्ड सदस्य गुड़िया देवी, विभा देवी सहित पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि एवं पंचायतवासी मौजूद थे।

सर्वेश्वरधाम महाशिवरात्रि महोत्सव की धूम से क्षेत्र रहा गुंजायमान

महोत्सव के सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का एसडीओ व बीडीओ एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया शुभारंभ

हसनपुर, प्रात: किरण संवाददाता

हसनपुर प्रखंड स्थित सर्वेश्वरधाम महाशिवरात्रि महोत्सव की धूम इलाके में गुंजायमान हो गया। बाबा लेने चलियो हमरो अपन नगरी भजन से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। सर्वेश्वरधाम महोत्सव के प्रथम दिन सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी बृजेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी जयकिशन, मिथिला मंच के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर धनाकर बाबू, प्रेमचंद्र, भाजपा नेता गायत्री सिंह, देवड़ा पंचायत के मुखिया राम प्रमोद यादव, बैजनाथ झा तथा संस्थान के अध्यक्ष रामकिशोर राय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर आए हुए सभी विशिष्ट अतिथियों का मिथिला परंपरा के अनुसार माला चादर तथा मिथिला पेंटिंग युक्त पाग से स्वागत किया गया। अतिथि सम्मान पाकर गदगद महसूस कर रहे थे। हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं ने ताली बजाकर उनका अभिनंदन किया। मंच की अध्यक्षता कर रहे रामकिशोर राय ने मैथिली भाषा को आगे बढ़ाने के लिए मैथिली में ही मंच संचालन किया तथा मंदिर को पर्यटक स्थल बनाने तथा इसका विकास करने की रूपरेखा अतिथि तथा दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी में बोलते हुए कहा की पटसा शुरू से ही विद्वानों की धरती है और आज भी यह अपनी परंपरा, प्रतिष्ठा को कायम रखा है। उन्होंने नौजवानों से इतनी भव्य आयोजन को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए तन मन धन से लगने की अपील की। प्रखंड विकास पदाधिकारी जय किशन जी भी ने सभी स्वयंसेवकों की तारीख की इस अवसर पर मंदिर तथा मेला परिसर में शांति बनाए रखने की अपील की और हर संभव मदद के लिए तैयार रहने का आश्वासन दिया। इस मौके पर मिथिला के जाने-माने कलाकार रामसेवक ठाकुर तथा ज्योति प्रिया की टीम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर यजमान बने आशुतोष झा तथा वाराणसी के विद्वान पुरोहितों के द्वारा वैदिक रीति रिवाज से विवाह महोत्सव कार्यक्रम मंदिर परिसर में चलती रही। बहुत सारे महिलाओं ने पूरी रात तक वैवाहिक लोकगीत गाकर अपनी आस्था का परिचय दिया। मेला परिसर में लगे हुए विभिन्न तरह के झूलों में बच्चे, नौजवान आनंद ले रहे थे। इस मौके पर दूरदराज के श्रद्धालु भी शिवरात्रि महोत्सव का आनंद लेने सर्वेश्वरधाम पधारे और विभिन्न तरह के आयोजित कार्यक्रमों का आनंद उठाएं। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ब्रजेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी जय किशन डॉक्टर धनकर, प्रेमचंद्र, मुखिया राम प्रमोद यादव, पूर्व मुखिया रामकिशोर राय, संजय सिंह, घनश्याम झा, गायत्री देवी, वैजनाथ झा, विवेकानंद मिश्रा, विजय कुमार मिश्रा, जगरनाथ, शिवनाथ, राजकुमार लाल, गौरी शंकर, सचिन, प्रवीण, सनी तथा सभी स्वयंसेवक मौजूद थे।

दो ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दोनों ट्रक के चालक और खालासी जख्मी, इलाज जारी

प्रात: किरण संवाददाता

मोरवा, समस्तीपुर। बंगरा थानाक्षेत्र के एनएच 28 मुसरीघरारी-मुजफ्फरपुर पथ स्थित रजवा लाइन होटल एवं बंगरा चेक पोस्ट के समीप रविवार को दो ट्रकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में दोनों ट्रक के चालक व खलासी हैं। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बंगरा थाने की पुलिस ने ताजपुर रेफरल हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जिनकी पहचान उत्तरप्रदेश के कानपुर के रहने वाले निलेश राजपूत और दिनेश कुमार तथा मोतिहारी के छोटे लाल महतो व नरेश कुमार के रूप में बतायी गई है। सभी घायल खतरे से बाहर बताए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही ट्रक एवं मुसरीघरारी से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही ट्रक रजवा लाइन होटल के पास आमने सामने से टकरा गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर सरसों तेल बहने लगा। सरसों तेल को बहते हुए देख स्थानीय लोगों ने डब्बा, बाल्टी, गैलन आदि लेकर सरसों तेल को लेने जुट गए।

धर्म का पालन कर बेहतर समाज का कर सकते हैं निर्माण : जिला जज

कल्याणपुर, प्रात: किरण संवाददाता

कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के हरपुरवा पंचायत अंतर्गत मदनपुर गांव में महाशिवरात्रि के अवसर पर रामजानकी मंदिर परिसर में चल रहे शिव विवाह कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर जिला सत्र न्यायाधीश बटेश्वर नाथ पांडे ने कहा कि हम धर्म का पालन कर बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। सनातन धर्म पर चर्चा करते हुए जिला जज ने कहा कि धर्म ही हमें सही रास्ते पर चलने का रास्ता बताता है। वहीं मंदिर कमेटी के लोगों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश को मिथिला के रीति रिवाज के अनुसार पाग चादर एवं माला देकर सम्मानित किया। शनिवार की देर शाम जिला जज मदनपुर गांव स्थित रामजानकी मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के अवसर पर पहुंचे थे। सबसे पहले उन्होंने मंदिर में भगवान का दर्शन कर पूजा अर्चना किया। इस मौके पर सैकड़ों में श्रद्धालु लोग मेला देखने के लिए पहुंचे हुए थे। वहीं कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। वहीं कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर मदन मोहन ठाकुर ने किया। मौके पर अमरेश कुमार मिश्रा, कौशल किशोर ठाकुर, अमित ठाकुर, सतीश ठाकुर, डॉ कनुप्रिया मिश्रा, डॉ राजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य दर्जनों लोग मौजूद थे।

बाबा जागेश्वर धाम में उमड़ रही लाखों की भीड़, मेला बना आकर्षण का केंद्र

समस्तीपुर, प्रात: किरण संवाददाता

समस्तीपुर प्रखंड के केवस निजामत पंचायत स्थित प्रसिद्ध बाबा जागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के अवसर पर दो दिनों से आस्था का जनसैलाब उमड़ा हुआ है। महाशिवरात्रि के पहले ही दिन जहां लाखों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। वहीं रविवार को भी मंदिर में जलाभिषेक के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई थी। मंदिर की ओर चारों ओर से आने वाले सभी रास्ते श्रद्धालुओं से पटे हुए थे। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ से हो रहे सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। वहीं, प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए गए थे। बता दें कि महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा जागेश्वर धाम मंदिर परिसर के आसपास वर्षों से मेला लगता है।

मेले में बच्चों व महिलाओं के सामग्री के अलावे विभिन्न प्रकार का झूला, मीना बाजार वगैरह दर्शकों के मनोरंजन का आकर्षक का केन्द्र था।

मेले में देर शाम तक दर्शकों की भीड़ जमी रही। इसके मद्दे नजर स्थानीय स्वयंसेवक काफी सक्रिय थी। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। केवस निजामत पंचायत के बाबा जागेश्वर महादेव स्थान की बड़ी महत्ता है। प्राचीन काल में सेहरावन के रूप में यह स्थल जाना जाता था। स्कंद पुराण के नागर खंड में इस सिद्ध स्थल की चर्चा है। यहां कई ऋषि मुनी को सिद्धी प्राप्त हो चुकी है।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में परीक्षा संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय 18 एवं 19 फरवरी को आयोजित सर सी वी रमन टैलेंट सर्च इन साइंस 2023 का परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस परीक्षा में जिले के कुल 1493 छात्र शामिल हुए। पहले दिन परीक्षा चार पालियों में जबकि दूसरे दिन 2 पालियों में आयोजित किया गया। परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कॉलेज कर्मियों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान निभाया गया। इसके लिए असैनिक विभाग के प्रोफेसर मोहम्मद ज्या हुसैन, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर राजेश कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर अभय कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

कलश विसर्जन के साथ संपन्न हुई नवाह यज्ञ

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर उत्तर पंचायत के हनुमान मंदिर के प्रांगण में आयोजित नवाह यज्ञ रविवार को कलश विसर्जन के साथ संपन्न हो गई। बता दें कि कल्याणपुर स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में 10 फरवरी को हवन कुंड पूजा के साथ चतुर्थ नवाह यज्ञ का शुभारंभ किया गया था। पूरे 9 दिन तक हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण हरे- हरे, हरे राम, हरे राम, राम-राम हरे-हरे महामंत्र से पूरा पंचायत गुंजामान रहा। साथ ही पूजा अर्चना के साथ हवन जारी रहा। पूरे 9 दिन के बाद कलश विसर्जन के साथ नवाह यज्ञ की समाप्ति की गई। कलश विसर्जन में महंत राम उदगार दास, राम नारायण राय, मनोज राय, नरेश गिरी, दिनेश साह, राम पदार्थ साह, मिथिलेश राय आदि शामिल थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महाशिवरात्रि, जलाभिषेक करने को उमड़ी भीड़

प्रात: किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। शिवाजीनगर प्रखंड के बंधार गांव में श्री ओमकारेश्वर महादेव मंदिर बंधार में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने गंगाजल और दूध से शिवालयों में अभिषेक किया। इस दौरान भगवान शिव के उद्घोषों से मंदिर परिसर व आसपास का क्षेत्र गुंजायमान रहा। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शिव शोभायात्रा भी निकाली गई। बाबा भोलेनाथ की बारात प्रखंड क्षेत्र के कई जगहों पर निकाला गया। शिव मंदिरों में सुबह से दोपहर तक श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भीड़ रही। शिवभक्तों ने शिवालयों में बेलपत्र, धतूरा, गंगाजल, दूध, मिष्ठान और फल अर्पित कर पूजन किया। शोभायात्रा में देवी-देवताओं की झांकियां देखकर लोग मुग्ध हो गए। जगह-जगह झांकियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हथौड़ी थाना अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह दलबल के साथ विभिन्न पूजा स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर प्रभात चौधरी, फंटूश चौधरी, शिवेंद्र चौधरी, पिंटू चौधरी, काली प्रसाद चौधरी, रामू चौधरी, संजीत चौधरी साहित शिवभक्त रहे मौजूद।

भारतीय डाक कर्मचारी समस्तीपुर प्रमंडल संघ की कार्यकारणी की बैठक संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

समस्तीपुर। रविवार को प्रधान डाकघर परिसर में भारतीय डाक कर्मचारी संघ समस्तीपुर प्रमंडल के कार्यकारणी की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता मो० हसन साजिद, संचालन कृष्ण मोहन राय तथा धन्यवाद ज्ञापन मंडल सचिव राजाराम राकेश ने की। कार्यकारणी की बैठक में हसनपुर चीनी मिल डाकघर को मुख्य डाकघर में बदलने की मांग की गयी। इसके साथ ही प्रमंडल में एचएसजी, परिवाद निरीक्षक, जनसम्पर्क निरीक्षक, खजांची और सहायक खजांची के पदो को भरने की मांग की गयी। वक्ताओं ने डाकघर के विभिन्न समस्याओं जैसे नेटवर्क और लिंक की समस्या, वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कर्मचारियो का शोषण, नयी पेंशन नीति का विरोध, डाकघर का निजीकरण का विरोध, डाकघर में मूलभूत आवश्यकताओं की कमी आदि पर भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में परिमंडल सचिव नीरज कुमार, पोस्टमैन संवर्ग के सचिव मनोज कुमार निराला, मंडल सचिव राजाराम राकेश, वरीय पोस्टल ट्रेड यूनियन नेता मो० हसन साजिद, शिवजी प्रसाद महतो, कृष्ण मोहन राय, अनिल राय, नन्द किशोर पासवान, रामसेवक सिंह तथा सुशील राय आदि मौजूद थे।

सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल, कल्याणपुर की छात्रा बनी जिला टॉपर

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। वर्टेक्स एजुकेशन जेईई मेन प्लस एडवांस ओलंपियाडस में जीनियस रिवार्ड एग्जाम 2023 में सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल, कल्याणपुर की कक्षा सप्तम की छात्रावास की छात्रा कल्याणपुर उत्तर, वार्ड 15 निवासी जितेंद्र कुमार और पिंकी कुमारी की पुत्री आस्था आनंद ने समस्तीपुर जिले में प्रथम स्थान और बिहार में बारहवां स्थान लाकर जिले सहित पूरे राज्य में नाम रौशन किया है। इस परीक्षा का अंतिम चरण पटना में साक्षात्कार के बाद पूरा हुआ, जिसमें छात्रा ने पूरे दस में से दस प्रश्नों का जवाब देकर प्रथम स्थान प्राप्त की ज्ञात हो की छात्रा की 12वीं तक की पढ़ाई उक्त संस्थान में निःशुल्क होगी। इस उपलब्धि पर विद्यालय निदेशक डॉ रमेश कुमार ठाकुर, प्राचार्य एनके सिन्हा, उप प्राचार्य मनोरंजन कुमार चौधरी, शिक्षक श्वेत सौरव, मिंटू कुमार, अमरजीत कुमार, दादा जगदीश राय, चाचा अमरेश कुमार राय, राकेश कुमार आदि ने छात्रा की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

बगहा के विकास के लिए सुनिल राउत ने नप प्रबंधन को दिए लिखित सुझाव

बगहा नप क्षेत्र विकास हेतु वार्षिक बजट निर्माण के लिए सुझाव हैं महत्वपूर्ण

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा नगर परिषद क्षेत्र के विकास के लिए स्थानीय निवासी, शिक्षक सह बगहा नगर परिषद के ब्रांड एंबेसडर सुनिल कुमार ह्यराउतह्न बगहा नगर परिषद क्षेत्र के समुचित विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट निमार्ण प्रक्रिया के तहत अपना 25 बिंदुओं का लिखित सुझाव बगहा नगर प्रशासन प्रबंधन को दिए हैं। जिसमें धरोहरों का संरक्षण- सौंदर्यीकरण, बगहा नगर का सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, लाइट, कचरा प्रबंधन, जलजमाव से मुक्ति, दलित बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं, अतिक्रमण व जाम से मुक्ति, उत्तम स्वास्थ्य, स्थायी बस-ऑटो स्टैंड, पार्क आदि कई महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बगहा की अपनी एक अलग पहचान है इसका समुचित विकास होना चाहिए। बगहा के हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए। स्थानीय निवासी, नागरिक, शिक्षक एवं नप का ब्रांड एंबेसडर होने के नाते हमारी जवाबदेही अधिक है इसलिए सदैव बगहा के विकास हेतु अपने दायित्व का निर्वहन करते रहते हैं। ये लिखित सुझाव प्रभावी होंगे और आने वाले दिनों में बगहा में और भी विकास दिखाई देगा जिससे सभी नगरवासियों, आगंतुकों को प्रसन्नता एवं गर्व महसूस होगा। बगहा नप के लिपिक विपिन कुमार ने बताया कि ब्रांड एंबेसडर सुनिल कुमार राउत अपना लिखित सुझाव कार्यालय को दिए हैं। वे सुझाव विचारणीय एवं जनोपयोगी हैं। उन सुझावों को बगहा विकास हेतु तैयार बजट, योजना में शामिल कर आवश्यकतानुसार उस पर काम होगा। मालूम हो कि बगहा क्षेत्र बिहार-उत्तरप्रदेश सीमाओं तथा भारत-नेपाल की सीमाओं का प्रतिनिधित्व करता है तथा अनुमंडलीय अस्पताल, व्यवहार न्यायालय, बाजार आदि के कारण अन्य क्षेत्र से भी लोगों का आवागमन होता रहता है। यहाँ भी स्टार्टअप जोन जैसा विकास होना चाहिए। यहाँ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़े सेनानियों के ठहराव, योजना बनाने के ऐतिहासिक स्थान डीएम एकेडमी प्रांगण स्थित बापू स्मृति कूप, पक्की बावली स्थित जर्जर कांग्रेसी मंदिर सहित, आध्यात्मिक व पर्यटन के दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ विकास की अपार संभावनाएं हैं।

पान बुनकर दलित संघ की बैठक संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र में भूसवर लिटियाही में पान बुनकर संघ की बैठक आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व जिला पार्षद कोकाय दास ने किया। बैठक में पान जाति के उत्थान, शिक्षा पर बल, जाति आधारित जनगणना सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर श्यामसुंदर त्यागी, अरविंद कुमार दास, दिनेश दास, हरेराम दास, संजय सुमन, बैजनाथ प्रसाद दास, अरुण दास, गणेश दास, राजकुमार दास रामाकांत दास, श्रवण दास, धर्मपाल दास, करमचंद दास, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

लश स्थापना के साथ दो दिवसीय अष्टयाम यज्ञ शुरू

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत विभूतिपुर पूरब स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में कलश स्थापित कर जय सीताराम सीताराम, सीताराम जय सीताराम महामंत्र के साथ दो दिवसीय अष्टयाम यज्ञ का शुभारंभ किया गया। यह अष्टयाम यज्ञ अंकुश ठाकुर एवं टुनटुन पंडित के निर्देशन में शुरू हुआ। यजमान के रूप में राजकुमार दास, शेखर कुमार सिंह, हिमांशु कुमार, उमेश कापर, सुरेश प्रसाद आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

5 घंटे तक बिजली नहीं रहने से उपभोक्ता दिखे परेशान

मुंगेर सदर। रविवार को सदर प्रखंड के नौवागढ़ि इलाके में लगभग 11:00 से 4:00 बजे तक बिजली गुम रहने से उपभोक्ता को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं विद्युत उपभोक्ता अनिल कुमार, मनोज कुमार फुटो मंडल, कल्याणी कुमारी सहित सैकड़ों उपभोक्ताओं ने बताया कि बिजली विभाग की ऐसी रवैया बराबर रहती है। अभी तो गर्मी ठीक ढंग से आई भी नहीं है, की बिजली की समस्या शुरू हो गई हैं गर्मी बढ़ेगी तो बिजली की परेशानी और अधिक देखा जाएगा। बिजली नहीं रहने से सबसे ज्यादा पानी की समस्या होती है। क्योंकि सरकार द्वारा हर क्षेत्र में जल नल योजना का आयोजन किया गया है, लेकिन बिजली के नहीं रहेंगे पर जल नल नल में कहां से आ पाएगा। कहते हैं, बिजली विभाग के एसडीओ : जमालपुर पीएसएस में काम होने के कारण लगभग 5 घंटे बिजली गुल रही।

महाशिवरात्रि पर पुलिस बल तैनात

असरगंज (मुंगेर)। थाना अध्यक्ष के द्वारा असरगंज के विभिन्न गांवों के शिवालयों में असरगंज पुलिस बल को तैनात किया गया। जिससे श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना में कठिनाई न हो एवं विधि व्यवस्था बनी रहे। शिवरात्रि पर्व पर भक्तों के भीड़ व यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाते हुवे देखा गया। असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि सोहार्द पूर्व वातावरण में पर्व को मनाने में सहायक सिद्ध हुई।

पनसांई गांव से एक वारंटी गिरफ्तार

असरगंज (मुंगेर)। थाना क्षेत्र के पनसांई गांव से एक वारंटी को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि एस आई अशोक सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम के द्वारा पनसांई गांव के राजेंद्र सिंह के पुत्र गौतम सिंह को गिरफ्तार कर भागलपुर न्यायालय भेज दिया।

मोतियाबिंद का मुफ्त आपरेशन के सथ लेन्स का किया गया वितरण

असरगंज। जिला अंधापन नियंत्रण समिति मुंगेर के सौजन्य से नेत्र चिकित्सालय असरगंज का उद्घाटन स्वामी सुबोधानंद जी महाराज एवं कोलकाता से आये डॉ सप्तश्री बनर्जी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। संस्थान के अध्यक्ष मनोज केजरीवाल ने माला पहनाकर स्वागत किया। संस्थान के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि इस शिविर में आंख रोगियों का निःशुल्क आंख का आपरेशन, चश्मा, लेन्स लगाया जा रहा है।

खजौली थाना में वाइक चोरी को लेकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी हुआ दर्ज

मधुबनी/खजौली। खजौली थाना क्षेत्र के डुमरियाही गांव निवासी मो.अफरोज ने वाइक चोरी को लेकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है .उन्होंने प्राथमिकी आवेदन में दशार्या कि 15 फरवरी को रात्रि करीब 9 वजे में अपना वाइक को दलान पर लगाकर घर के अंदर चला गया.जब मैं सुवह में उठकर कर दलान पर आया तो देखा कि जिस जगह पर वाइक लगाया था उस जगह से वाइक गायब पाया. वाइक ऑनर मो. अफरोज ने वाइक को अपने स्तर से बहुत खोजबीन करने पर कोई अता पता नही चला.वही थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह ने कहा कि वाइक चोरी की आवेदन प्राप्त हुआ है .आवेदन के आलोक अज्ञात चोर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान जारी कर दिया गया।

6 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बोचहा।पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब कारोबारी को देशी शराब से भरे एक गैलन के साथ गिरफ्तार किया है। अरविंद प्रसाद अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान में जुटे थे तभी सूचना मिली कि सनाठी गांव में एक व्यक्ति देसी शराब को पलसर मोटरसाइकिल की डिक्की में रखे हुआ है और चोरी-छपे उस शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम उक्त स्थल पर पहुंचा तो पुलिस को देखकर एक व्यक्ति गाड़ी से भाग ने लगा रहा था जिसको पुलिस बल ने दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति के बाइक के डिक्की से छे लीटर देशी शराब बरामद हुआ।पकड़े गये शराब कारोबारी की पहचान रुदहां सनाठी गांव निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई है। थाना अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि पकड़े गए शराब कारोबारी पर प्राथमिकी दर्ज करते हुये पुलिस उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

महुआ गांव में विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर की गई छापामारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। खजौली प्रखंड क्षेत्र के पंचायत महुआ एकडारा पंचायत के महुआ,छपराढी गांव में नार्थ बिहार पावर डिस्ट्रीव्यूशन कंपनी लिमिटेड कार्यालय कनीय अभियंता विधुत आपूर्ति प्रशाखा खजौली द्वारस विधुत चोरी को लेकर छापामारी अभियान चलाया गया।इस छपामारी के दौरान छपराढी ,महुआ गांव में कुल 6 लोगो के आवासीय घर मे एलटी के मेन तार से टोका फसाकर विधुत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी।इस विधुत ऊर्जा की चोरी में छपराढी गांव निवासी सुनील यादव पर 1949 रुपये की क्षति की जुमार्ना लगाया है।वही छपराढी गांव निवासी देवेंद्र यादव के आवासीय परिसर में पूर्व से घरेलू कनेक्शन है।उनके ऊपर बकाया राशि 11397 रुपया जमा नही करने पर उनके घर का लाइन काट दिया गया था।

फिर भी उपभोगता द्वारा आरसी रसीद बिना कटाये ही एलटी के मेन तार से टोका फसाकर अवैध रूप से विधुत ऊर्जा की चोरी के आरोप में जुमार्ना 1056 रुपये एव पिछला बकाया 11397 रुपये मिलाकर कुल राशि 12453 की क्षति हुई है। वही महुआ गांव निवासी फूल सिंह के आवासीय परिसर में पहुँचने देखा कि आवासीय परिसर में एलटी के मेन टार से टोका फसाकर कर विधुत चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया।विधुत चोरी के आरोप में 9053 रुपये की क्षति हुई है।,वही महुआ गांव निवासी राम वृक्ष यादव के आवास में अबैध रूप से बिजली ऊर्जा चोरी के आरोप में 7929 रुपया का जुमार्ना लगाया गया।वही गांव महुआ में उपेंद्र यादव द्वारा एलटी के मेन तार से विधुत ऊर्जा चोरी के आरोप में 417 रुपये की जुमार्ना लगाया गया।वही महुआ गांव के जोगी लाल यादब के आवासीय परिसर में लगे कनेक्शन के बकाया 9114 बकाया राशि को लेकर विधुत लाइन काट दिया गया।फिर भी वे एलटी के मैन तार से टोका फसाकर विधुत ऊर्जा चोरी करने के आरोप में जुमार्ना राशि 1055 एव पिछला बकाया राशि दोनो मिलाकर 10169 रुपये की क्षति हुई है। वही थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह ने कहा कि सभी नामदर्ज आरोपित एक सप्ताह के अंदर बकाया राशि विधुत कार्यालय जमा कर रसीद थाना में प्रस्तुत नही करने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

लिखित परीक्षा में 1240 एनसीसी कैडेट्स हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया ग्रुप अंतर्गत एनसीसी के सभी बटालियनों का एनसीसी सी सर्टिफिकेट के लिए गया में शांति पूर्ण परीक्षा संपन्न हुई । डीएवी कैंट एरिया में आयोजित परीक्षा में 5 बिहार बटालियन आरा, 6 बिहार बटालियन गया ,13 बिहार बटालियन औरंगाबाद ,27 बिहार गया ,30 बिहार बटालियन बक्सर, 38 बिहार बटालियन बिहारशरीफ ,42 बिहार बटालियन के कैडेट शामिल हुए।इस परीक्षा में कैडेटों ने हथियार,ड्रिल, मैप रीडिंग,फिल्ड और बैटल क्राफ्ट आदि का परीक्षा लिया गया।मौके पर ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नीतीश बिष्ट ने बताया कि सी सर्टिफिकेट का लिखित परीक्षा में 1240 कैडेट्स शामिल हुए। उन्होंने ने बताया कि कैडेटों में परीक्षा के प्रति बहुत अधिक उत्साह रहा।सी प्रमाण पत्र परीक्षा एनसीसी का महत्वपूर्ण परीक्षा होता है।अंत में उन्होंने युवाओं को बताया कि एनसीसी एक अकेली संस्था है जहां कैडेट को सेना की तरह का प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क दिया जाता है। आप सबको एनसीसी में प्रवेश अवश्य लेना चाहिए इससे आपके व्यक्तित्व में एक अलग ही रूप आ जायेगा और आप बाकि समान्य लोगो से कुछ अलग लगेंगे एनसीसी आपको प्रभावित भी बनाती है और सेना में सीधी भर्ती होने के लिए मौके देती है।इस मौके पर पीठासीन अधिकारी कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनीष कुमार, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एमके शुक्ला, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल श्रीकृष्ण वीं,कमांडिंग ऑफिसर कर्नल बिपुल वाया, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रामाशीष मिश्रा, ट्रेनिंग ऑफिसर डी.अजीत,सुबेदार मेजर उगम सिंह, सूबेदार मेजर जाकिर हुसैन, एनसीसी पदाधिकारी अशोक कुमार,प्रज्ञा गुप्ता, डॉ मुनींद्र मोची,सुरेश कुमार, सीबी तिवारी, आदि लोग मौजूद थे।

एनआईओएस से प्रशिक्षण प्राप्त/उत्तीर्ण शिक्षकों ने किया आंदोलन का शंखनाद

प्रात : किरण संवाददाता

गया। निदेशक प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र ने एनआईओएस से प्रशिक्षण प्राप्त/उत्तीर्ण शिक्षकों के बीच हलचल पैदा कर दी है। दरअसल पत्र के आलोक मे विभिन्न जिलों के डीईओ एवं डीपीओ स्थापना ने 31 मार्च 2019 के बाद प्रशिक्षित शिक्षकों को नवनियुक्त मानते हुए उनके वेतन में लगभग पांच से सात हजार कटौती की बात कर रहे हैं। इस संबंध में टीईटी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित विक्रम, उर्दू टीईटी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल बाकी अंसारी एवं परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से बताया कि एनआईओएस द्वारा विशेष डीएलएड प्रशिक्षण सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों को एक साथ सत्र 2017-19 में कराया गया जो कि एक समयबद्ध प्रशिक्षण था, वह भी 18 माह का। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अध्यादेश के तहत संपूर्ण देश में एक साथ सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों को एनआईओएस के माध्यम से प्रशिक्षण कराया एवं प्रशिक्षण तथा परीक्षा 31 मार्च 2019 से पहले ही पूरा हो गया। निदेशक प्राथमिक शिक्षा द्वारा जारी पत्र ने वैसे तमाम शिक्षकों को नवनियुक्त की श्रेणी में ला खड़ा किया है, जिनके परीक्षाफल प्रकाशन की तिथि 31 मार्च 2019 के बाद की है। यानि सभी एनआईओएस प्रशिक्षित शिक्षक इस श्रेणी में आ रहे हैं। वही उर्दू टीईटी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल बाकी अंसारी ने बताया कि शिक्षकों का इसमें कहीं कोई दोष नही है। रिजल्ट प्रकाशन का जिम्मा एनआईओएस का था, जिसका राज्य स्तर पर नोडल ऑफिसर के रूप मे निदेशक प्राथमिक शिक्षा ही थे। टीईटी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित विक्रम एवं परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने बताया कि हम शिक्षकों का अहित बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए हमने तय किया है कि आगामी 23 फरवरी से पटना की धरती पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेंगे और यह आंदोलन तबतक चलता रहेगा जबतक विभाग हमें 31 मार्च 2019 से प्रशिक्षित नहीं मान लेता।

जीकेसी की बैठक में होली मिलन समारोह की सफलता और चित्रांश एकता पर हुई चर्चा

बाराचट्टी में संचालित चित्रांश परिवार समिति ने की जीकेसी में विलय की घोषणा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। रविवार को ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस की आवश्यक बैठक बाराचट्टी प्रखंड के सरवां में आयोजित की गई है। इस बैठक की अध्यक्षता संस्था के बाराचट्टी प्रखंड अध्यक्ष चित्रांश शैलेश कुमार ने की है। आज इस मौके पर उपस्थित संस्था के जिलाध्यक्ष चित्रांश संजय कुमार सिन्हा ने बैठक को संबोधित करते हुए संस्था के बैनर तले आगामी 26 फरवरी को आयोजित होने वाले होली मिलन समारोह की सफलता के लिए कायस्थ समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही बैठक के दौरान कायस्थ समाज की मजबूती के लिए भी विस्तार से चर्चा की गई है। इस अवसर पर बाराचट्टी में संचालित चित्रांश परिवार समिति को ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के बैनर तले संचालित करने की घोषणा की गई है। इस मौके पर ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस गया के जिलाध्यक्ष चित्रांश संजय कुमार सिन्हा, चित्रांश प्रभात शंकर उर्फ सुनील कुमार सिन्हा, चित्रांश नवीन कुमार सिन्हा, चित्रांश सुनील कुमार सिन्हा उर्फ रिंकू, चित्रांश रिंकू कुमार सिन्हा, चित्रांश राजीव रंजन प्रसाद, चित्रांश देवेंद्र कुमार, चित्रांश राजीव रंजन सिन्हा, चित्रांश अरविंद कुमार सिन्हा, चित्रांश प्रशांत कुमार सिन्हा, चित्रांश अभिषेक सिन्हा, चित्रांश सुजीत कुमार अम्बष्ठा, ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस, बाराचट्टी इकाई के अध्यक्ष चित्रांश शैलेश कुमार आर्य उर्फ गब्बू लाल, उपाध्यक्ष चित्रांश रविशंकर प्रसाद, सचिव चित्रांश सतीश कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष चित्रांश अभिनव कुमार, मीडिया प्रभारी चित्रांश सुजीत कुमार वर्मा, सह सचिव चित्रांश शशि भूषण कुमार, चित्रांश रौशन सिन्हा, चित्रांश नीरज कुमार, चित्रांश सर्वेश कुमार सिन्हा, चित्रांश अखिलेश कुमार सिन्हा, चित्रांश जयप्रकाश कुमार सिन्हा, चित्रांश सौरभ सिन्हा, चित्रांश सूरज प्रसाद सिन्हा, चित्रांश नवीन कुमार सिन्हा, चित्रांश अजीत बिहारी लाल, चित्रांश नवल किशोर प्रसाद, चित्रांश दिलीप कुमार सिन्हा, चित्रांश अमित कुमार सिन्हा सहित काफी संख्या में चित्रांश समाज के लोग उपस्थित थे।

तीन पिस्तौल जिंदा कारतूस के साथ अपराधियों को शरण देने वाला एक व्यक्ति गिरफ्तार

नरार हत्याकांड से जुड़ा है मामला एसपी सुशील कुमार के द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर मधुबनी जिला के कलुआही थाना क्षेत्र अन्तर्गत नरार थाना टोल में रितेश मंडल को गोली मारकर छः अपराधकमीर्यो के द्वारा हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड कांड का मामला कलुआही पुलिस के द्वारा दर्ज किया गया हैं। हत्याकांड के उद्भेदन एवं अभियुक्तो की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के निर्देश में हत्याकांड में शामिल अपराधियों की छपेमारी कर गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मधुबनी के नेतृत्व में एक विशेष छपेमारी पुलिस दल का गठन किया गया। मामले में जयनगर थाना क्षेत्र के दुल्ली पट्टी निवासी एक व्यक्ति को हत्याकांड में प्रयुक्त तीन पिस्तौल जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तारी किया गया।

मामले को लेकर रविवार पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के द्वारा जयनगर थाना परिसर में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि कलुआही थाना क्षेत्र के नरार गाँव मे बीते 17 फरवरी को पुरानी रंजिस आपसी विवाद में इसी गाँव के थाना टोल निवासी रितेश मण्डल को अपराधियों के द्वारा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्याकांड में कुल छः आरोपियों की संलिप्तता बताई जा रही हैं। छपेमारी दल को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ की उक्त कांड के अपराधकर्मी जयनगर थाना क्षेत्र के दुल्लीपट्टी स्थित अपने रिश्तेदार के घर पर शरण लेते हुए छिपे हुए है। छपेमारी पुलिस दल तथा जयनगर थाना के पुलिस पदाधिकारियों पुलिस बल के सहयोग से दुल्लीपट्टी गाँव के गृह स्वामी राजीव मण्डल के घर मे छपेमारी की गई। राजीव के घर से दो देशी पिस्तौल, एक देशी कट्टा (पिस्तौल), एक 08 एमएम का जिंदा कारतूस, एक मोबाईल और एक काला रंग का बैग बरामद किया। छपेमारी दल को राजीव के घर से बरामद हथियार समेत अन्य सामानों को जब्त करते हुए बरामद हथियार समेत अन्य समानों के साथ हिरासत में लेते हुए गिरफ्तारी कर लिया गया। राजीव को बरामद हथियारों के साथ पूछताछ को लेकर थाना लाया गया। हथियारों के साथ गिरफ्तार राजीव ने पूछताछ के दौरान बताया कि दो मोटरसाइकिल पर से कुल छः लोग अपराधी इनके घर हत्या करने के पश्चात हत्या करने में प्रयुक्त हथियारों के साथ शरण लेने के लिए आये थे। तथा पुलिस छपेमारी दल आने भनक लगते ही छपेमारी दल के पहुँचने से पूर्व हत्या में प्रयुक्त हथियारों को राजीव को सौंपते हुए सभी अपराधी नेपाल की ओर फरार हो गये। हत्या में प्रयुक्त हथियारों समेत अन्य सामानों के साथ गिरफ्तार आरोपी जयनगर थाना क्षेत्र दुल्लीपट्टी गांव के वार्ड 04 निवासी स्व.फुलेश्वर मण्डल का पुत्र राजीव कुमार मण्डल उर्फ राजा बातया जाता है।

बरामद हथियार मामले में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है पूछताछ के पश्चात गिरफ्तार आरोपी राजीव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जायेगा। छपेमारी दल में सदर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी राजीव कुमार, जयनगर थाना अध्यक्ष अमित कुमार, खजौली थाना अध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह, रहिका थाना अध्यक्ष राज किशोर कुमार,कलुआही थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार, जयनगर थाना के पुलिस पदाधिकारी वीपीन कुमार सिंह, सुप्रिया कुमारी, टेक्नकिल सेल मधुबनी के पुलिस कर्मी और सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल हैं। रितेश मण्डल हत्याकांड में शामिल अपराधियों की पहचान कर ली गई हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु छपेमारी की जा रही हैं जल्द ही फरार अपराधियो आरपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान जयनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विपल्व कुमार , पुलिस पदाधिकारी वीपीन कुमार सिंह, धीरेंद्र सिंह , सुप्रिया कुमारी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल मौजूद थे।

महेश्वर नाथ महादेब मंदिर मेंसंध्याकाल में श्रृंगार पूजा करते श्राद्धालु भक्तगण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। महेशवारा पंचायत के महेशवारा गांव स्थित बाबा महेश्वर नाथ महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के संध्याकाल में बाबा महादेब की श्रृंगार पूजा मंदिर में पुजारी ललन गिरी द्वारा श्राद्धालु भक्त पूर्व मुखिया अरुण कुमार सिंह उनकी धर्म पत्नी रेखा कुमारी एव पुत्र मनीष कुमार के द्वारा श्रृंगार पूजा अर्चना कर मंगल की कामना की.महेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पुजारी ललन गिरी ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन जो भक्तजन महादेव की श्रृंगार पूजा अर्चना करने से उस परिवार पर भोले बाबा की कृपा से अन्न,धन एव परिवार में खुशयाली आती है.इस श्रृंगार पूजा के मौके पर शिक्षक हरीश चंद्र राय, विजय सिंह,सुनील कुमार सिंह,डा. श्याम कुमार सिंह, सरपंच सचिव मनोज कुमार राय, पूर्व उप मुखिया जीवछ यादव, महेश्वर नाथ महादेव मंदिर के कमिटी के सदस्य राजेश यादव, मंजय यादव,राम कलेवर पासवान, मंटुन यादव,प्रमोद यादव,वकील पासवान, अशोक कुमार दास,सिकंदर संगम सहित दर्जनों भक्त जन उपस्थित थे।

134 वी स्वामी सहजानंद सरस्वती जंयती मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सबके स्वामी सहजानंद सरस्वती जी की 134 वी जयंती स्मृति सह होली मिलन समारोह तेलबिगहा स्थित बबुआ जी के मैरेज हॉल मे सम्पन्न हुआ है।1907 में काशी जाकर स्वामी अच्युतानन्द से विधिपूर्वक दशनामी दीक्षा लेकर नौरंग राय से स्वामी सहजानन्द सरस्वती हो गय किसान आंदोलन के जनक स्वामी सहजानंद सरस्वती की 134 वीं जयंती सह होली मिलन समारोह मनाई गई है।

इस कार्यक्रम के संयोजक कौशलेंद्र नारायण व अध्यक्ष डॉक्टर प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में स्वामी जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि स्वामी सहजानन्द सरस्वती अथक परिश्रमी, वेदान्त और मीमांसा के महान विद्वान, बेबाक पत्रकार एवं लेखक के साथ-साथ संगठित किसान आंदोलन के जनक एवं संचालक थे। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के देवा गांव में 22 फरवरी 1889 में महाशिवरात्रि के दिन हुआ था। बचपन में ही उनका मन आध्यात्म में रमने लगा। दीक्षा को लेकर उनके बालमन में धर्म की इस विकृति के खिलाफ विद्रोह पनपा। धर्म के अंधानुकरण के खिलाफ उनके मन में जो भावना पली थी कालांतर में उसने सनातनी मूल्यों के प्रति उनकी आस्था को और गहरा किया है। सन् 1907 में इन्होंने ने काशी जाकर स्वामी अच्युतानन्द से विधिपूर्वक दशनामी दीक्षा लेकर नौरंग राय से स्वामी सहजानन्द सरस्वती हो गये। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह पूर्व सांसद डॉक्टर अरुण कुमार ने कहा की

स्वामी सहजानंद ने रोटी को ही भगवान कहा और किसानों को भगवान से बढ़कर बतायास्वामी जी ने "मेरा जीवन संघर्ष" में लिखा है- "मुनि लोग तो स्वामी बन के अपनी ही मुक्ति के लिए एकांतवास करते हैं। लेकिन, मैं ऐसा हर्गिज नहीं कर सकता। सभी दुःखियों को छोड़ मुझे सिर्फ अपनी मुक्ति नहीं चाहिए। मैं तो इन्हीं के साथ रहूंगा और मरूँगा-जीऊँगा।" स्वामी सहजानन्द जी का मानना था कि यदि हम किसानों, मजदूरों और शोषितों के हाथ में शासन का सूत्र लाना चाहते हैं तो इसके लिए क्रांति आवश्यक है। इस कार्यक्रम का

संचालन करते हुये स्वाभिमान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेंद्र नारायण ने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ असहयोग आंदोलन बिहार में गति पकड़ा तो स्वामी सहजानंद उसके केन्द्र में थे। उन्होंने चारों तरफ घुम घुमकर अंग्रेजी राज के खिलाफ किसानों व मजदूरों को खड़ा किया। ये वह समय था जब स्वामी जी भारत को समझ रहे थे। जब वह जनता से मिल रहें थे तो उन्होंने देखा देश में किसानों की हालत गुलामों से भी बदतर है। स्वामी सहजानन्द का मन एक बार फिर नये संघर्ष की ओर उन्मुख होता है। किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ डट जाने का स्वभाव रखते थे। गिरे हुए को उठाना अपना प्रधान कर्तव्य मानते थे। दण्डी संन्यासी होने के बावजूद सहजानंद ने रोटी को ही भगवान कहा और किसानों को भगवान से बढ़कर बताया गया है। नारा दिया था- "जो अन्न वस्त्र उपजाएगा,अब सो कानून बनायेगा। ये भारतवर्ष उसी का है,अब शासन वहीं चलायेगा।" अपने स्वजातीय जमींदारों के खिलाफ भी उन्होंने आंदोलन का शंखनाद किया। सचमुच जो श्रेष्ठ होते हैं वे जाति, धर्म, सम्प्रदाय और लैंगिक भेद-भाव से ऊपर होते हैं। हजारीबाग केन्द्रीय कारागार में रहते हुए उन्होंने एक पुस्तक लिखी- "किसान क्या करें" इस पुस्तक में अलग-अलग शीर्षक से सात अध्याय हैं- 1. खाना-पीना सीखें, 2. आदमी की जिंदगी जीना सीखें, 3. हिसाब करें और हिसाब मांगें, 4. डरना छोड दें, 5. लडें और लडना सीखें, 6. भाग्य और भगवान पर मत भूलें और 7. वर्गचेतना प्राप्त करें। बड़ी गम्भीरता से देखा है कि किसानों की हाड़-तोड़ मेहनत का फल किस तरह से जमींदार, साहूकार, बनिए, महाजन, पंडा-पुरोहित, साधु-फकीर, ओझा-गुणी, चूहे यहां तक कि कीड़े-मकोड़े और पशु-पक्षी तक गटक जाते हैं। वे अपनी किताब में बड़ी सरलता से इन स्थितियों को दर्शाते हुए किसानों से सवाल करते हैं कि क्या उन्होंने कभी सोचा है कि वे जो उत्पादन करते हैं, उस पर पहला हक उनके बाल-बच्चे और परिवार का है? उन्हें इस स्थिति से मुक्त होना पड़ेगा। सन् 1927 ई. ये वो वर्ष है जिसमें स्वामी जी ने पश्चिमी किसान सभा की नींव रखी। स्वामी जी ने "मेरा जीवन संघर्ष" में लिखा है- "मुनि लोग तो स्वामी बन के अपनी ही मुक्ति के लिए एकांतवास करते हैं। लेकिन, मैं ऐसा हर्गिज नहीं कर सकता। सभी दुःखियों को छोड़ मुझे सिर्फ अपनी मुक्ति नहीं चाहिए। मैं तो इन्हीं के साथ रहूंगा और मरूँगा-जीऊँगा।" स्वामी सहजानन्द जी का मानना था कि यदि हम किसानों, मजदूरों और शोषितों के हाथ में शासन का सूत्र लाना चाहते हैं तो इसके लिए क्रांति आवश्यक है। क्रांति से उनका तात्पर्य व्यवस्था परिवर्तन से था। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अखौरी निरंजन ने कहा की

1934 में बिहार प्रलयंकारी भूकम्प से तबाह हुआ तब स्वामी सहजानन्द जी ने बढ़ चढ़कर राहत पुनर्वास में काम किया इस दौरान स्वामी जी ने देखा अपना सब कुछ गंवा चुके किसान मजदूर को जमींदार के लठैत कर वसुल रहें हैं तब स्वामी जी ने किसानों के आवाज में नारा दिया कि "कैसे लोगे मालगूजारी, लट्ठ हमारा ज़िंदाबाद।" किसानों को शोषण मुक्त करने और जमींदारी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए स्वामी जी 26 जून 1950 को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके निधन के साथ ही भारतीय किसान आन्दोलन का सूर्य अस्त हो गया। उनके निधन पर दिनकर जी ने कहा था आज दलितों का सन्यासी चला गया।आज स्वामी सहजानन्द जी जैसा निर्भीक तथा अथक परिश्रमी नेता दूर-दूर तक नहीं है।

आज के समारोह की अध्यक्षता डॉक्टर श्री प्रकाश सिंह व, संचालन कौशलेंद्र नारायण ने किया कार्यक्रम मे स्वागत भाषण रवि भदानी ने किया व अतिथि यो का माल्यार्पण व अंगवस्त्र स्वागताध्यक्ष तैलिक समाज के जिलाध्यक्ष संजू लाल सं शिशुपाल ,केप्सीमे वार्ड पार्षद पप्पू ठाकुर ने किया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर नीरज कुमार, अखौरी निरंजन माहुरी मंडल के अध्यक्ष संजीव कुमार विजय नवादिया, विंग कमांडर व अनिल स्वामी, राधेयकांत शर्मा, गीता देवी समेत शहर के गणमान्य उपस्थित थे जिसमें शिक्षकों के नेता व लगभग हरेक जात के प्रतिनिधि शामिल थे कार्यक्रम के संयोजक कौशलेंद्र नारायण ने स्वामी जी के विचारो को जन जन तक पहुंचाने हेतु पूरे बिहार में यात्रा करन की बात कही अर्जुन में शामिल प्रत्येक समाज के लोगों ने एक दूसरे को टीका लगाकर स्वामी जी की जयंती व होली की हार्दिक बधाई दी आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय शर्मा, महेश शर्मा, शिक्षकों के नेता रंजीत कुमार , पप्पू जी, नन्हे शर्मा मंटू शर्मा रामाधार सिंह समेत सैकड़ों लोग शामिल थे। इन लोग स्वामी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धान्जली अर्पित किये एवं विचार व्यक्त किये है।

उत्तरप्रदेश से बदलेगा भारत भाग्य !

जब से प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आई है, सुशासन, आधारभूत ढांचे का विकास और नीतिगत सुधार-उत्तरप्रदेश का भाग्य बदलने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। इसमें व्यावहारिक नीतियां, धरातल उसका क्रियान्वन, भ्रष्टाचार मुक्त शीर्ष नेतृत्व, कड़े कानून व्यवस्था और निवेशकों की सुरक्षा का प्रभावी प्रबंधन, स्पष्ट रूप से प्रत्यक्ष है। क्या भारत की प्रगति, बिना उत्तरप्रदेश के विकास के संभव है? जनसंख्या के संदर्भ में विश्व के पांचवे सबसे बड़े देश से अधिक आबादी उत्तरप्रदेश में बसती है। जब भारत का संकल्प वित्तवर्ष 2024-25 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है, तो क्या यह कई अर्थों में विशाल राज्य- उत्तरप्रदेश द्वारा निर्याणक छलांग लगाए बिना मुमकिन है? प्रदेश के हालिया घटनाक्रम को देखें और वर्तमान विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था के साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति से परिपूर्ण नीतियों का ईमानदार आकलन करें, तो उत्तरप्रदेश का भविष्य उज्जवल लगता है।

गत 12 फरवरी को लखनऊ में तीन दिवसीय ह्यउत्तरप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिटह्ण (यूपीजीआइएस) संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने देश-दुनिया से 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने का दावा किया है, जिससे 93 लाख रोजगार का सृजन होने का भी अनुमान है। इसके लिए 19 हजार से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए हैं। निवेशकों ने इस बार भी जहां नोएडा, गाजियाबाद से सुसज्जित पश्चिमांचल क्षेत्र में सर्वाधिक रुचि दिखाई है, तो उन्होंने विकास के मामले में दशकों तक पिछड़े रहे पूर्वांचल और बुंदेलखंड में भी क्रमशः 9।54 लाख करोड़ रुपये और 4।28 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव दिया है।

यह सब एकाएक नहीं हुआ है। वर्ष 2017 के बाद उत्तरप्रदेश कई सुखद परिवर्तनों से गुजर रहा है। वर्तमान उत्तरप्रदेश साढ़े 21 लाख करोड़ रुपयों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वित्तवर्ष 2015-16 में यह 11 लाख करोड़ करोड़ रुपये, तो वित्तवर्ष 2016-17 में साढ़े 12 लाख करोड़ रुपये थी। यही नहीं, 2016-17 में प्रदेश का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये था, जो 2021-22 में बढ़कर एक लाख 56 हजार करोड़ रुपये हो गया है। जब से प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आई है, सुशासन, आधारभूत ढांचे का विकास और नीतिगत सुधार- उत्तरप्रदेश का भाग्य बदलने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। इसमें व्यावहारिक नीतियां, धरातल उसका क्रियान्वन, भ्रष्टाचार मुक्त शीर्ष नेतृत्व, कड़े कानून व्यवस्था और निवेशकों की सुरक्षा का प्रभावी प्रबंधन, स्पष्ट रूप से प्रत्यक्ष है। मोदी सरकार की रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म (सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन) रूपी आर्थिक दृष्टिकोण के अनुरूप, योगी सरकार ने उत्तरप्रदेश को औद्योगिक निवेश का गढ़ बनाने हेतु 25 से अधिक निवेश-आकर्षक नीतियां लागू की हैं, जिनमें पर्यटन, कपड़ा, लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई), विद्युत वाहन, रक्षा और आईटी-आईटीईएस आदि शामिल हैं।

उत्तरप्रदेश में भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा संजाल (लगभग 9,000 किलोमीटर) होने के साथ 13 चालू और निमार्णाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 3,200 किलोमीटर है। यहां अधिकतर राजमार्गों को आपातकालीन स्थिति में भारतीय लड़ाकू जहाजों के परिसचालन हेतु बनाया गया है। उत्तरप्रदेश, देश का ऐसा एकमात्र राज्य है, जहां आने वाले समय में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे होंगे। क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत, सात अन्य घरेलू हवाईअड्डे चालू हो चुके हैं, तो आठ निमार्णाधीन है। प्रयागराज और वाराणसी रूपी प्रमुख निर्यात केंद्रों को पश्चिम बंगाल में हल्दिया बंदरगाह से जोड़ने वाला भारत का पहला अंतदेर्शीय जलमार्ग भी निमार्णाधीन है।

मोदी सरकार के ह्यवोकल फॉर लोकल योजना के अनुरूप, 90 लाख से अधिक एमएसएमई, योगी सरकार के समर्थन से उत्तरप्रदेश में सक्रिय हैं। एक जिला, एक उत्पाद रूपी केंद्रीय नीति, प्रदेश की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही है। यहां कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और डेयरी क्षेत्र में अपार अवसर उपलब्ध हैं। उत्तरप्रदेश, देश में खाद्यान्नों, दूध और गन्ना का सबसे बड़ा उत्पादक है। यह देश का तीसरा सबसे बड़ा कपड़ा उद्योग-प्रधान राज्य है। यहां पर्यटन क्षेत्र भी निवेशकों की प्राथमिकता में है। सरकार आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रामायण, महाभारत और बौद्ध सर्किट सहित एक दर्जन योजनाओं को विकसित कर रही है। भारत के कुल मोबाइल निर्माण में उत्तरप्रदेश का योगदान 45 प्रतिशत है। स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत, प्रदेश में 7,600 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं।

यूपीजीआइएस से पहले, योगी सरकार स्वतंत्र भारत की पहली ऐसी सरकार है, जिसके प्रतिनिधियों ने वैश्विक उद्योग जगत को आमंत्रित करने के उद्देश्य से 16 देशों के 21 नगरों का दौरा किया था।

दूरसंचार कंपनियों की धोखाधड़ी पर ट्राई का संरक्षण?

सनत कुमार जैन

भारत सरकार ने दूरसंचार नियामक आयोग बना रखा है। इस नियामक आयोग की जिम्मेदारी है, कि वह नियामक के रूप में टेलीकॉम कंपनियों और टेलीकॉम उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए दोनों पक्षों की बात को सुनकर, नियम कानून लागू करवाएं। पिछले दो दशक से टेलीकॉम ऑपरेटर आम उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी और लूट मचाए हुए हैं। इसके बाद भी नियामक आयोग उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कभी सामने नहीं आया। पिछले 20 वर्षों में कॉल ड्रॉप की समस्या सर्वाधिक रही। इसके साथ ही इंटरनेट पर फिक्स चार्ज लेकर न्यूनतम बैंडविथ भी उपभोक्ताओं को ना पहले मिली थी, और ना आज मिल रही है। टेलीकॉम कंपनियां बड़े-बड़े दावे करती हैं। दावों के अनुसार दूरसंचार नियामक आयोग से सेवा की दरें तय करा लेती हैं।

आम उपभोक्ताओं से सेवाओं के नाम पर टेलीकाम कम्पनियां वसूली करती है। सर्विस देने के मामले में जो वायदे उन्होंने अपनी स्कीम और योजनाओं में कर रखे होते हैं। वह उपभोक्ताओं को कभी नहीं मिलते हैं। उसके बाद भी जजिया कर की तरह टेलीकॉम कंपनियां आम उपभोक्ताओं से हर माह करोड़ों अरबों रुपए की राशि वसूल करती हैं। सेवा देने के मामले में उनके ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं रहती हैं। नाहि उन्हें कभी दण्डित किया जाता है। भारत सरकार ने सभी जगह नियामक आयोग बना रखे हैं, नियामक आयोग के बारे में यह कहा जाता है कि वह एक न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत काम करते हैं। उपभोक्ता बहुत कमजोर होता है। उपभोक्ता के हितों का संरक्षण नियामक आयोग और सरकार को ही करना होता है। पिछले 20 वर्षों में जिस तरीके की लूट टेलीकॉम कंपनियों ने कर रखी है। नियामक आयोग और सरकार की चुप्पी अब उपभोक्ताओं को भी अखरने लगी है।

5जी के नाम पर लूट 17 फरवरी को मोबाइल ऑपरेटरों के साथ दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने बैठक हुई है। जिसमें 5जी की सेवाओं की गुणवत्ता कैसे सुधारी जाए। इस पर सारी टेलीकॉम कंपनियां अपना पक्ष रखा। ट्राई के साथ अभी जो सर्वेक्षण हुआ है, उसमें 16 फीसदी मोबाइल धारकों ने 5जी की सेवाएं ले ली हैं। वह 5जी सेवा का भुगतान कर रहे है। स्पीड 4जी की भी नहीं मिल रही है। 5जी के उपभोक्ता अभी से कॉल कनेक्शन और ड्रॉप काल की समस्याओं से जूझ रहे हैं। 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए कंपनियों को अभी बहुत समय लगेगा। बड़े-बड़े महानगरों में कुछ स्थानों पर जरूर 5जी की सेवा ट्रायल के रुप में शुरू हो गई है। लेकिन उसमें भी दावे के अनुसार सर्विस नहीं मिल पा रही हैं। लेकिन टेलीकाम कम्पनियों ने वसूली, उपभोक्ताओं से 5जी के नाम पर शुरू कर दी है।

4जी और 5जी सेवाओं के लिए अभी जो सर्वेक्षण हुआ है। उसमें 69 फीसदी उपभोक्ताओं ने कवरेज नहीं मिलने, कॉल कनेक्शन ड्राप होने तथा इंटरनेट की गति जो दावा किया गया है। उसके मुकाबले बहुत कम मिलने की शिकायतें की गई है। मात्र 5 परसेंट उपभोक्ताओं ने वॉइस कम्युनिकेशन मिलने पर संतुष्टि जताई है। पिछले 20 सालों से टेलीकॉम कंपनियां उपभोक्ताओं को लूट रही हैं। किंतु इसके बाद भी नियामक आयोग ने अपनी भूमिका में उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण करने के बजाय, टेलीकॉम कंपनियों का संरक्षण करने में लगे रहते हैं। आम उपभोक्ताओं को भी नियामक आयोग की भूमिका समझ आने लगी है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जग भी टेलीकाम कम्पनियों की सेवाओं और लूट से परेशान है। किन्तु न्यायालयों ने भी कभी संज्ञान लेकर टेलीकाम कम्पनियों पर लगाम नहीं कसी है। जिससे अब आम लोगों का गुस्सा और मायुसी दिनों दिन बढ़ रही है।

मंदी के माहौल में विकसित देशों की मदद करता भारत

इस सौदे के बाद यह कहा जा रहा है कि अमेरिका एवं फ्रांस के साथ ही ब्रिटेन में भी अब मंदी की आशंका कम हो सकती है क्योंकि अमेरिका एवं फ्रांस की कम्पनियां जो विमान भारत को प्रदान करेंगी उनका इंजन एवं अन्य कलपुर्जे ब्रिटेन की कम्पनियों द्वारा बनाये जाते हैं, अतः उक्त सौदे से ब्रिटेन को भी बहुत लाभ होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी की आशंका के बीच भारत में हो रहे आर्थिक विकास के चलते अब यह कहा जाने लगा है कि भारत कई देशों में आने वाली आर्थिक मंदी को टालने में मददगार हो सकता है। अभी तक तो भारत को एक गरीब देश की संज्ञा दी जाती रही है एवं इन्हीं देशों द्वारा इसे सपेरों का देश भी बताया जाता रहा है। परंतु, भारत अब पूर्ण रूप से बदल चुका है तथा कई विकसित देशों की आर्थिक मदद करने की स्थिति में पहुंच चुका है। एयर इंडिया कम्पनी का गैर-राष्ट्रीयकरण करते हुए इसका संचालन का दायित्व हाल ही में टाटा समूह को सौंप दिया गया था

प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक

आज कई विकसित देशों में जब मंदी की आशंका व्यक्त की जा रही है एवं ये देश आर्थिक समस्याओं से जूझते नजर आ रहे हैं, ऐसे समय में भारत की एयर इंडिया कम्पनी ने अमेरिका एवं फ्रांस जैसे विकसित देशों की कम्पनियों के साथ विश्व का सबसे बड़ा विमान समझौता सम्पन्न किया है। इस सौदे के बाद यह कहा जा रहा है कि अमेरिका एवं फ्रांस के साथ ही ब्रिटेन में भी अब मंदी की आशंका कम हो सकती है क्योंकि अमेरिका एवं फ्रांस की कम्पनियां जो विमान भारत को प्रदान करेंगी उनका इंजन एवं अन्य कलपुर्जे ब्रिटेन की कम्पनियों द्वारा बनाये जाते है, अतः उक्त सौदे से ब्रिटेन को भी बहुत लाभ होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी की आशंका के बीच भारत में हो रहे आर्थिक विकास के चलते अब यह कहा जाने लगा है कि भारत कई देशों में आने वाली आर्थिक मंदी को टालने में मददगार हो सकता है। अभी तक तो भारत को एक गरीब देश की संज्ञा दी जाती रही है एवं इन्हीं देशों द्वारा इसे सपेरो का देश भी बताया जाता रहा है। परंतु, भारत अब पूर्ण रूप से बदल चुका है तथा कई विकसित देशों की आर्थिक मदद करने की स्थिति में पहुंच चुका है।

एयर इंडिया कम्पनी का गैर-राष्ट्रीयकरण करते हुए इसका संचालन का दायित्व हाल ही में टाटा समूह को सौंप दिया गया था एवं टाटा समूह ने 27 जनवरी 2023 को ही एयर इंडिया के अधिग्रहण का एक साल पूरा किया है। अब टाटा समूह एयर इंडिया का कायाकल्प करते हुए विमानन के क्षेत्र में नए व्यवसाय को बढ़ाने के उद्देश्य से लगभग 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 640,000 करोड़ रुपए) मूल्य के 470 नए विमानों की खरीद कर रहा है। इसी संदर्भ में एअर इंडिया ने अमेरिका की बोइंग कम्पनी से 220 विमान एवं फ्रांस की एयरबस कम्पनी से 250 विमान खरीदने की घोषणा की है। अमेरिका की बोइंग कम्पनी एवं फ्रांस की एयरबस कम्पनी के साथ एयर इंडिया का ऐतिहासिक सौदा हालांकि 470 विमानों के लिए हुआ है परंतु इसका स्वरूप और बड़ा भी हो सकता है क्योंकि एयर इंडिया के पास अगले 10 वर्षों के दौरान अतिरिक्त 370 विमान खरीदने का विकल्प भी मौजूद है, इस प्रकार यह संख्या बढ़कर 840 विमानों तक भी जा सकती है। यह विमान सौदा विश्व के इतिहास में अभी तक किए गए सबसे बड़े विमान सौदों में से एक है। इसके पूर्व अमेरिकन एयरलाइन कम्पनी ने वर्ष 2011 में 460 विमान एक साथ खरीदे थे।

एयर इंडिया की स्थापना टाटा समूह ने वर्ष 1932 में की थी एवं वर्ष 1953 में इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया गया था। राष्ट्रीयकरण के बाद से चूंकि एयर इंडिया कम्पनी की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई, अतः 7 दशकों बाद इसका अधिग्रहण पुनः टाटा समूह द्वारा कर लिया गया। टाटा समूह के स्वामित्व में आने के बाद एयर इंडिया का विमान खरीदने सम्बंधी यह पहला सौदा है एवं पिछले 17 साल में भी यह पहला मौका है जब एयर इंडिया विमान खरीद का सौदा सम्पन्न करने जा रहा है। विमान खरीदने के साथ ही एयर इंडिया द्वारा सीएफएम इंटरनेशनल (सीएफएम), रोल्स-रॉयस और जीई एयरोस्पेस के साथ इंजनों के दीर्घकालिक रखरखाव के लिए भी समझौता सम्पन्न कर लिया है। यह समझौता एयर इंडिया को विश्व स्तरीय एयरलाइन में बदलने और भारत को दुनिया के हर बड़े शहर से सीधे जोड़ने की टाटा समूह की आकांक्षा को दशार्ता है।

आज भारत में हवाई यात्रा के मामले में बहुत प्रभावशाली वृद्धि दर दर्ज हो रही है, इसलिए इतनी बड़ी संख्या में एक साथ विमान खरीदे जा रहे हैं। भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या वर्ष 2022 में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 12.32 करोड़ यात्री रही थी, जो आगे आने वाले वर्षों में बहुत तेजी से बढ़ने जा रही है। इसी प्रकार, एयरपोर्ट की संख्या भी वर्ष 2014 में केवल 74 थी, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 140 हो गई एवं वर्ष 2025 में भारत में एयरपोर्ट की संख्या 220 हो जाने की सम्भावना है। भारत में वर्ष 2014 में केवल 400 विमान थे जो वर्ष 2022 में बढ़कर 710 हो गए एवं वर्ष 2025 में विमानों की संख्या 1200 हो जाने की सम्भावना है। इस प्रकार एवीएशन क्षेत्र में अगले दो वर्षों में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होने जा रहे हैं।

अमेरिका के लिए उक्त समझौता आर्थिक दृष्टि से इतना महत्वपूर्ण है कि उक्त समझौते के सम्पन्न होते ही अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडन ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर चर्चा करते समय इस समझौते की सराहना करते हुए कहा है कि एयर इंडिया एवं बोईंग के बीच सम्पन्न हुए इस ऐतिहासिक समझौते से भारत एवं अमेरिका के आपसी रिश्ते भविष्य में और अधिक प्रगाढ़ होंगे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय ह्यव्हाइट हाउसह्ण की एक घोषणा के अनुसार, बोइंग और एअर इंडिया एक समझौते पर पहुंचे हैं, जिसके तहत एअर इंडिया बोइंग से 3,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर में 220 विमान खरीदेगी। इनमें 190 बी737 मैक्स 20 बी787, और 10 बी777एक्स शामिल हैं। इस समझौते के अंतर्गत 70 और विमान खरीदने का विकल्प होगा जिससे कुल लेन-देन का मूल्य 4,590 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। उक्त समझौते से अमेरिका के 44 राज्यों में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह ऐसे समय पर होने जा रहा है जब पूरा विश्व ही एक तरह से आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है।

अमेरिका के साथ ही एयर इंडिया ने फ्रांस के एयरबस कम्पनी से भी 250 विमान खरीदने की घोषणा की है। इनमें से 40 बड़े आकार के ए350 और 210 छोटे आकार के विमान होंगे। इन विमानों की खरीद के लिए एयर इंडिया द्वारा एयरबस कम्पनी के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति श्री एमैनुअल मैक्रों भी मौजूद थे। बड़े आकार के विमान का इस्तेमाल लंबी दूरी की उड़ानों के लिए किया जाता है। उल्लेखनीय है कि 16 घंटे से अधिक की उड़ानों को लंबी दूरी की उड़ान कहा जाता है। आज फ्रांस, भारत के साथ हुई उसकी स्ट्रेटेजिक सहभागिता को लेकर बहुत प्रसन्न है।

इसी प्रकार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी इस समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है एवं कहा है कि उक्त सौदे का सीधा सीधा लाभ ब्रिटेन को भी मिलेगा क्योंकि इन विमानों के इंजन का निर्माण ब्रिटेन की रोलस रोयस कम्पनी करती है एवं अन्य कई पुर्जों का निर्माण भी ब्रिटेन में ही किया जाता है, अतः ब्रिटेन में हजारों की संख्या में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

अमेरिका, फ्रांस एवं ब्रिटेन के साथ साथ भारत को भी उक्त सौदे से बहुत लाभ होने जा रहा है।

विविधतापूर्ण संसार में सर्वांगीण विकास के लिए मातृभाषाओं का जतन अतिआवश्यक

उदहारण के लिए आदिवासी भाषाएं एक क्षेत्र के वनस्पतियों, जीवों और औषधीय पौधों के बारे में ज्ञान का खजाना हैं। हालाँकि, जब किसी भाषा का पतन होता है, तो वह ज्ञान प्रणाली पूरी तरह से समाप्त होकर विविधतापूर्ण चरणों का एक विशेष ज्ञानरूपी संसार का अंत हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनी मातृभाषा का ज्ञान गर्व का विषय है एवं मातृभाषा के जतन व प्रसार के लिए सभी ने सर्वदा प्रयासरत होना ही चाहिए। मातृभाषा यह उस भाषा को संदर्भित करता है, जो बच्चे को जन्म के बाद सुनने को मिलती है जिसे एक बच्चा जन्म से सीखता है, यह हमारी भावनाओं और विचारों को एक निश्चित आकार देने में मदद करती है। अन्य महत्वपूर्ण सोच कौशल, दूसरी भाषा सीखने और साक्षरता कौशल में सुधार के लिए मातृभाषा में सीखना महत्वपूर्ण है। व्यापक विकास के लिए मातृभाषा में बोलना-सीखना बहुत आवश्यक है, यह अपनेपन की भावना प्रदान कर अपनी जड़ों को समझने में मदद करती है।

डॉ. प्रितम भी. गेडाम
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

दुनिया में मातृभाषा शब्द जिसे हम माँ का दर्जा देकर व्यक्त होने की शक्ति कहते है, इस एक शब्द में ही एक विशेष क्षेत्र का संसार बसा है। इसमे संस्कृति, ज्ञान, पहचान, शिक्षा, परंपरा, रीति-रिवाज, कलाकौशल, पहनावा, त्योहार, व्यवहार, कार्यपद्धति, व्यवसाय, जीवनशैली जैसे जीवनभर के विविधतापूर्ण चरणों का समावेश होता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरण होते रहते है। उदहारण के लिए आदिवासी भाषाएं एक क्षेत्र के वनस्पतियों, जीवों और औषधीय पौधों के बारे में ज्ञान का खजाना हैं। हालाँकि, जब किसी भाषा का पतन होता है, तो वह ज्ञान प्रणाली पूरी तरह से समाप्त होकर विविधतापूर्ण चरणों का एक विशेष ज्ञानरूपी संसार का अंत हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनी मातृभाषा का ज्ञान गर्व का विषय है एवं मातृभाषा के जतन व प्रसार के लिए सभी ने सर्वदा प्रयासरत होना ही चाहिए।

मातृभाषा यह उस भाषा को संदर्भित करता है, जो बच्चे को जन्म के बाद सुनने को मिलती है जिसे एक बच्चा जन्म से सीखता है, यह हमारी भावनाओं और विचारों को एक निश्चित आकार देने में मदद करती है। अन्य महत्वपूर्ण सोच कौशल, दूसरी भाषा सीखने और साक्षरता कौशल में सुधार के लिए मातृभाषा में सीखना महत्वपूर्ण है। व्यापक विकास के लिए मातृभाषा में बोलना-सीखना बहुत आवश्यक है, यह अपनेपन की भावना प्रदान कर अपनी जड़ों को समझने में मदद करती है। यह संस्कृति से जोड़ कर उन्नत संज्ञानात्मक विकास सुनिश्चित करती है, और विभिन्न भाषाओं की सीखने की प्रक्रिया में सहायता है।

भाषाई सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम बहुभाषी शिक्षा - शिक्षा को बदलने की आवश्यकता यह है। यूनेस्को मातृभाषा या पहली भाषा के आधार पर बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित और बढ़ावा देता है। मातृभाषा द्वारा घर और स्कूल के बीच के अंतर को कम करके परिचित भाषा में स्कूल के माहौल को बनाकर छात्र बेहतर सीखते हैं। अनुसंधान से पता चलता है कि मातृभाषा में शिक्षा समावेश और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है, और यह सीखने के परिणामों और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार करती है। मातृभाषा पर आधारित बहुभाषा शिक्षा सभी शिक्षार्थियों को समाज में पूर्ण रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती है। यह आपसी समझ और एक दूसरे के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है और सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत की संपत्ति को संरक्षित करने में मदद करती है जो दुनिया भर की हर भाषा में निहित है। अनेक देशो के अधिकांश छात्रों को उनकी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषा में पढ़ाकर छात्रों के सीखने की उनकी क्षमता से समझौता किया जाता है। अनुमान है कि दुनिया की 40% आबादी की उस भाषा में शिक्षा तक पहुंच नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। लुप्त हो रही या लुप्त होने की कगार पर खड़ी अनेक भाषाओं को पुनर्जीवित करना बहुत जरुरी है।

हर 15 दिन में एक भाषा अपने साथ पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत लेकर गायब हो जाती है। दुनिया में बोली जाने वाली अनुमानित 7000 भाषाओं में से कम से कम 43% लुप्तप्राय हैं। इस सदी के अंत तक 1,500 ज्ञात भाषाएँ खत्म हो जाएगी। आधुनिकता, वर्तमान उच्च शिक्षा और गतिशीलता कुछ छोटी भाषाओं को हाशिए पर डालकर कमजोर कर देती है।

7,000 विश्व भाषाओं में से 90% का उपयोग 1 लाख से कम लोगों द्वारा किया जाता है। 10 लाख से अधिक लोग 150-200 भाषाओं में बात करते हैं। वास्तव में, दुनिया में मातृभाषा (पहली भाषा) के रूप में सबसे लोकप्रिय भाषा मंदारिन चीनी है, 2022 में 929 मिलियन लोग हैं जो इस भाषा को बोलते हैं, दूसरे स्थान पर स्पेनिश है, और तीसरे स्थान पर अंग्रेजी है उसके बाद हिंदी और फिर बंगाली है। एशिया में विश्व की 2,200 भाषाएँ हैं, जबकि यूरोप में 260 हैं। यूनेस्को का कहना है कि 2,500 भाषाओं के विलुप्त होने का खतरा है।

भारत में 121 ऐसी भाषाएँ हैं जो 10,000 या उससे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं। 2011 की जनगणना के विश्लेषण के अनुसार, भारत में 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं, और देश की 96.71 प्रतिशत आबादी की इनमें से एक मातृभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी यह है। 2011 के जनगणना अनुसार, देश के 52.8 करोड़ लोगों द्वारा हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली मातृभाषा है, जो जनसंख्या का 43.6 प्रतिशत है। उसके बाद, 9.7 करोड़ लोग या 8 प्रतिशत आबादी बंगाली बोलती है, जिससे यह देश की दूसरी सबसे लोकप्रिय मातृभाषा बन गई है। भारत ने 1961 के बाद से 220 भाषाओं को खो दिया है। अगले 50 वर्षों में और 150 भाषाएँ लुप्त हो सकती हैं, उदाहरण के तौर पर पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार, सिक्किम में खत्म होने के कगार पर माझी भाषा है। वर्तमान में सिर्फ चार लोग हैं जो माझी बोलते हैं और वे सभी एक ही परिवार के हैं।आज के आधुनिकता के समय में हम खुद अपनी मातृभाषा में बात करने को शमार्ते है और अन्य भाषा में बात करने पर गर्व महसूस करते है।

यदि कोई व्यक्ति अपनी मातृभाषा में बात करे तो उसे निम्नस्तर गिना जाता है, ये हमारा कौनसा विकास है जो हमें अपने ही संस्कृति से दूर ले जा रहा है। हमारी मातृभाषा, ज्ञान संस्कार के विरोधक हम खुद है अगर हम अपनी बोलीभाषा को बढ़ावा नहीं देते है तो। आज हमारे भारत देश की राष्ट्रीय भाषा हिंदी विश्वस्तर पर सबसे ज्यादा बोली जानेवाली भाषाओ में से एक के रूप में तेजी से बढ़ रही है। बंगाली, पंजाबी, उर्दू और तमिल भी अनेक देशों में आधिकारिक भाषा के रूप में जानी जाती है। बड़ी संख्या में विदेशी लोग भारतीय भाषाओं का ज्ञान आत्मसात कर रहे है, विश्वस्तर पर विदेशी विद्यापीठों, शिक्षासंस्थानों, डिजिटल तकनीक और ऑनलाइन व्यवहार में भारतीय भाषाओं को सम्मिलित किया जा रहा है। सरकार भी अब उच्च व व्यावसायिक शिक्षा को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाने पर जोर देने के लिए प्रयासरत है। हमारे देश की क्षेत्रीय भाषा की फिल्में दुनियाभर में नया इतिहास रच रही है। चाहे कितनी भी भाषा सीख ले, परन्तु अपनी मातृभाषा में बात, व्यवहार करना और उसे अगली पीढ़ी तक सही ढंग से सहेजकर हस्तांतरित करना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है, आधुनिकता के लिए अपनी पीढ़ी दर पीढ़ी की पहचान ना भूलें। मातृभाषा पर हमेशा गर्व रहें, शर्म नहीं।

अमेरिका में अगला राष्ट्रपति चुनाव क्या कमला हैरिस बनाम निक्की हेली होगा?

नीरज कुमार दुबे–

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की भारतवंशी नेता निक्की हेली ने 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दावेदारी के लिए औपचारिक रूप से अभियान की शुरूआत कर दी है। इसके साथ ही, उन्होंने एक समय अपने नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले खुद को एक युवा और नये विकल्प के रूप में पेश किया है। वर्तमान में कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी यह साफ नहीं किया है कि वह दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे या नहीं इसलिए माना जा सकता है कि कमला हैरिस भी राष्ट्रपति चुनाव में उतर सकती हैं। ऐसे में यदि कमला हैरिस और निक्की हेली के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला होता है तो वह बड़ा रोचक होगा क्योंकि दोनों ही भारतीय मूल की अमेरिकी हैं। जहां तक निक्की हेली की बात है तो आपको बता दें कि 51 वर्षीय यह अमेरिकी राजनीतिज्ञ दक्षिण कैरोलिना की दो बार गवर्नर रही हैं और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत रह चुकी हैं। उन्होंने इस सप्ताह दक्षिण कैरोलिना में एक कार्यक्रम के दौरान अपने उत्साहित समर्थकों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि एक मजबूत अमेरिका के लिए, एक गौरवशाली अमेरिका के लिए, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गई हूं। उन्होंने कहा, जब अमेरिका उतार-चढ़ाव से गुजरता है, तो दुनिया कम सुरक्षित हो जाती है और आज, हमारे दुश्मन सोचते हैं कि अमेरिका का युग बीत चुका है। लेकिन वे गलत हैं। निक्की हेली ने कहा, अगर हम 20वीं सदी के राजनेताओं पर भरोसा करते रहे तो हम 21वीं सदी की लड़ाई नहीं जीत पाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं अप्रवासियों की बेटी के रूप में, एक लड़ाकू योद्धा की गौरवमयी पत्नी के रूप में और दो अद्भुत बच्चों की मां के रूप में आपके सामने खड़ी हूं। निक्की हेली ने कहा है कि अमेरिकियों को देश में नयी पीढ़ी के नेता की जरूरत है। हेली ने अमेरिका में युवा नेतृत्व की वकालत करते हुए कहा, हमने कई नेताओं को देखा है जिन्होंने पूर्व में हमारा नेतृत्व किया है। हमें कांग्रेस में कार्यकाल की सीमाएं रखनी होंगी। हमें 75 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी निर्वाचित अधिकारी के लिए योग्यता परीक्षण कराने की आवश्यकता है। हम आपको बता दें कि उनकी इस औपचारिक घोषणा का यह मतलब है कि वह उम्मीदवारी हासिल करने के लिए 76 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रतिस्पर्धा में शामिल होने वाली पहली दावेदार होंगी। उल्लेखनीय है कि हेली और ट्रंप, दोनों रिपब्लिकन पार्टी से हैं। राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया में शामिल होने से पहले निक्की हेली को रिपब्लिकन पार्टी की प्रेसीडेंशियल प्राइमरी में जीत हासिल करनी होगी, जो अगले साल जनवरी में होने का कार्यक्रम है। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर, 2024 को होना है।जहां तक निक्की हेली के परिचय की बात है तो आपको बता दें कि निक्की उर्फ निमरत निक्की रंधावा का जन्म प्रवासी पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। निक्की हेली का जन्म सिख माता-पिता अजीत सिंह रंधावा और राज कौर रंधावा के यहां हुआ था, जो 1960 के दशक में पंजाब से कनाडा गए और फिर अमेरिका आकर बस गए थे। निक्की हेली एक सिख महिला के तौर पर बड़ी हुईं, लेकिन 1996 में माइकल हेली से शादी के बाद उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया। अमेरिका में अपने जीवन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता ने बेहतर जीवन की तलाश में भारत छोड़ा। वे यहां बामबर्ग, साउथ कैरोलिना में बसे, जिसकी आबादी 2,500 थी। हमारा छोटा शहर हमसे प्यार करने लगा, लेकिन यह हमेशा आसान नहीं था। हमारा परिवार एकमात्र भारतीय परिवार था। कोई नहीं जानता था कि हम कौन थे, हम क्या थे, या हम यहां क्यों आए थे उन्होंने कहा, लेकिन मेरे माता-पिता जानते थे। और हर दिन, उन्होंने मुझे, मेरे भाइयों और मेरी बहन को याद दिलाया कि हमारे सबसे बुरे दिन में भी, हम अमेरिका में रहने के लिए धन्य हैं।

संक्षिप्त खबरें

86 टेट्रा पैक शराब के साथ चार आरोपी गिरफ्तार, वैगनार गाड़ी जप्त

गोपालगंज । जिले के थावे थाने की पुलिस ने शराब के विशेष छापेमारी अभियान के तहत पुलिस ने छापेमारी कर शराब के साथ चार आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही बैगनार गाड़ी को भी जप्त कर लिया। बताया जाता है कि पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत शराब के लिए छापेमारी की जा रही थी। उसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि भुसाव डेरा पर अबैध रूप से शराब बेची जा रहीं है। पुलिस जब भुसाव डेरा पर चानस मांझी के घर के पास पहुची तो पुलिस वाहन को देखकर तीन व्यक्ति बैगनार गाड़ी छोड़कर भागने लगे। जिसे खदेड़कर पुलिस ने भाग रहे तीनो आरोपितों को पकड़ लिया। गिरफ्तार तीनो आरोपी थाना क्षेत्र के अवधिया टोला रामचंद्रपुर के हृदया सिंह, भुसाव डेरा पर के चानस मांझी उर्फ मनोज मांझी तथा मीरगंज थाना के मीरगंज वार्ड नंबर 20 के सूरज कुमार बताए जाते है। बैगनार गाड़ी की तलाशी लेने पर छह टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। वही दूसरी तरफ पुलिस ने थावे ओवरब्रिज के नीचे हनुमान मंदिर के पास से सिवान जिला के मुफ्फसिल थाना के सरसर गांव के शम्भू राम के पास से 80 टेट्रा पैक देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार चारो आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जबकिं बैगनार गाड़ी को जप्त कर लिया गया है। छापेमारी के दौरान एएसआई सुनील कुमार यादव व महावीर उरांव आदि पुलिस बल शामिल थे।

थावे प्रखंड में शिव विवाह की झांकी देख भावविह्वल हुए लोग

गोपालगंज। जिले के थावे प्रखंड के पंडित के हरपुर गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह यज्ञ के तीसरे दिन भव्य शिव विवाह की अद्भुत झांकी निकाली गई। जिसको देखकर श्रद्धालु भाव विह्वल हो गए। कथा वाचक डॉ रामाशंकर नाथ दास जी महाराज नें शिव विवाह की कथा का विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शिव की बारात जब आयी और माँ गौरी की सखियों नें जब देखा कि दूल्हा के गले में सर्प है कान में बिच्छू है और समूचे बदन में भभूत है तो सभी डर गई। बाराती के रूप में भूत पिशाच थे। परन्तु मैया गौरी को बेहद खुशी थी और वे काफी प्रसन्न थी क्योंकि वे भगवान शिव को दूल्हा के रूप में प्राप्त करने के लिए काफी तपस्या की थी। उनका यह तपस्या पूर्ण हुया तब भगवान शिव से उनकी शादी हो रही थी। कथा के अवसर पर कलाकारों के द्वारा शिव पार्वती व भूत पिशाच की अद्भुत झांकी निकाली गई। जिसको देखते ही लोगों की आंखें भर गई व सभी भावविह्वल हो उठे। इस अवसर पर पूज्य कथा वाचक डॉ रामा शंकर नाथ दास जी के द्वारा अनेकों प्रकार के विवाह व मांगलिक गीतों की प्रस्तुति की गई। लोग पुष्प वर्षा करते रहे व तालियां गूंजते रही। मौके पर ओमप्रकाश राय, अमित कुमार सिंह व हिमांचल कुशवाहा के अलावे सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

डीटीओ ने चलाया वाहन जांच अभियान, 156500 रुपया का हुआ जुर्माना

बरौली। जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार रजक के निर्देश पर बरौली के थाना चैक पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान कुछ देर के लिए सिवान सरफरा रोड पर वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान परिवहन अधिकारी सुनील सिंह ने दो ट्रैक्टर समेत बाइक इत्यादि गाड़ियों से करीब 156500 का जुमार्ना वसूल किया। उन्होने बताया कि बालू लदे दो ट्रैक्टर से 117000 जुमार्ना जबकि 39000 बाइक और अन्य गाड़ियों से जुमार्ना की राशि वसूल की गयी। वाहन जांच के दौरान रोड पर गाड़ियों का परिचालन बंद था। यात्रियों को भी आने जाने में एक टेंपो तक रोड पर दिखाई नहीं दे रहा था।

मोतीहारी में सड़क दुर्घटना में बरौली के युवक की मौत, दुसरा जख्मी

बरौली। मोतिहारी के संग्रामपुर में हुई सड़क दुर्घटना में बरौली के एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक बरौली थाना क्षेत्र के रुपनछाप गांव का बशिष्ट बर्नवाल का पुत्र अतुल कुमार बताया गया है। घटना के सम्बंध में बताया जा रहा है कि वह आपमे दोस्त कोटवा गांव के पुनीत कुमार के साथ अरेराज गया था। जहां से पूजा कर घर लौटने के दौरान पीछे से आ रही स्कार्पियो ने जोरदार ठोकर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनो जख्मी हो गए। जख्मी अवस्था मे दोनो को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान अतुल कुमार की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल में भेज दिया। वही जख्मी युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

गोपालगंज में लाखों की जब्त शराब पर चला बुलडोजर, प्रशासन की मौजूदगी में 8651. 275 लीटर शराब को किया गया नष्ट

विभिन्न जगहो से पुलिस के द्वारा जप्त की गयी थी शराब

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज में छापेमारी में जब्त की गई शराब की बोतलों को जेसीबी चला कर नष्ट किया गया। पुलिस व उत्पाद विभाग ने पिछले दिनों हथुआ अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी, इसमें दर्जनों कांडों में जब्त की गई 8651.275 .लीटर देसी और विदेशी शराब जब्त किया गया था। इसके बाद अब कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त शराब की बोतलों पर बुलडोजर चलवा दी गई। रविवार को एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर हथुआ एसडीपीओ नरेश कुमार व उत्पाद अधिकारी और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हजारों लीटर देशी और विदेशी शराब पर जेसीबी चलाया गया। नष्ट किए गए शराब की कीमत लाखों में बताई जा रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि शराबबंदी अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस पड़ोसी उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार छापेमारी कर कार्रवाई कर रही है। इसका नतीजा है कि पुलिस के द्वारा दर्जनों कांडो में जप्ब अवैध शराब को जब्त कर उसे जेसीबी से नष्ट कराया गया। शराब को नष्ट करने की इस कार्रवाई की वीडियोग्राफी करवा कर इसे कोर्ट के साथ-साथ जिलाधिकारी को भी सौंपा जाएगा। उन्होने कहा कि शराब तस्करों को पनाह नहीं दी जाएगी। पुलिस व उत्पाद विभाग की टीम लगातार अभियान चलाकर शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, साथ ही अवैध शराब को भी नष्ट करेगी।

बोलेरो से 31 कार्टन शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

वाहन जांच के दौरान उत्पाद विभाग को मिली सफलता

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के भोरे थाने के भागीपट्टी चेकपोस्ट के समीप उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच के दौरान एक बोलेरो से 31 कार्टन शराब के साथ बोलेरो पर सवार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उत्पाद विभाग की टीम गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ करने में जुटी हुयी है।

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्करो ने शराब की खेप को यूपी से लाये जाने की बात स्वीकार की है। इसकी जानकारी देते हुए उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि बोलेरो से शराब की खेप यूपी से बिहार की तरफ आ रही है। जिसके आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने यूपी से आने वाले सभी वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। जाचं के दौरान एक बोलेरो ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने कार का पीछा करते हुए भागीपट्टी चेकपोस्ट के समीप बोलेरो को पकड लिया। जांच के दौरान बोलेरो से करीब 31 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गयी। इसके साथ ही वाहन में सवार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार तस्कर ने पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारी पुलिस को दी है। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच पडताल कर रही है। वही पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए तस्कर को जेल भेज दिया गया। उन्होने बताया कि किसी भी हाल में जिले में शराब का कारोबार नही होने दिया जाएगा। इसके लिए प्रतिदिन छापेमारी अभियान के साथ साथ वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

गजब: पकडे जाने के डर से मोबाइल निगल गया कैदी, हालत बिगडने पर सदर अस्पताल में कराया गया भर्ती

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज मंडल कारा में एक अजब गजब मामला सामने आया है, जहां एक कैदी ने पकड़े जाने के भय से मोबाइल फोन को ही निगल लिया। पेट में दर्द होने व हालत बिगडने पर कैदी को इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की टीम की जांच के दौरान कैदी के पेट में मोबाइल होने की बात सामने आयी है। इसकी जानकारी देते हुए सदर अस्तपताल के चिकित्सक सलाम सिद्दीकी ने बताया कि मंडल कारा से कैशर अली नामक एक कैदी इलाज के लिए आया हुआ है। उसके पेट का एक्सरे कराया गया है जिसमे फॉरेन पार्टीकल स्पष्ट दिख रहा है। उन्होने बताया कि गहन रूप से जांच करने की आवश्यकता है। वही इस संबध में कैदी कैशर अली ने बताया कि जेल में उसके पास मोबाइल फोन मौजूद था। सिपाही के भय से मोबाइल को निगल लिया। मोबाइल फोन निगलने के कुछ समय बाद पेट में तेज व हालत बिगडने लगी। जिसके बाद जेल प्रशासन के द्वारा कैदी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। गौरतलब हो कि नगर थाना के इंदरवा रफी गांव के बाबुजान मियां का कैशर अली को 17 जनवरी 2020 को नगर थाने की पुलिस ने हजियापुर गांव के पास से स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। जिसके बाद वह मंडलकारा में बंद है। वही कैदी के पास मोबाइल फोन कैसे पंहुचा इसको लेकर मंडलकार की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल हो रहे है।

पिकअप वाहन से 51 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के जादोपुर थाने की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक पिकअप वाहन से करीब 51.4 किलो गांजा को बरामद कर लिया। इस दौरान दौरान दो तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए गांजा तस्कर से पुलिस की टीम पूछताछ करने में जुटी हुयी है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जादोपु थानाध्यक्ष विक्रम कुमार को सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन से गांजा की खेप रखकर ब्रिकी के लिए लायी जा रही है। इस सूचना के बाद थानाध्यक्ष ने टीम गठित कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तस्कर के वाहन की घेराबंदी करने के बाद वाहन की तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान 51.4 किलो गांजा बरामद किया। इसके साथ ही दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस की टीम पूछताछ करने में जुट गयी है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि बरामद गांजा की खेप नेपाल से जादोपुर मंगाई गई थी। पुलिस गांजा तस्करी के पूरे रैकेट को खंगालने में जुट गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों के अपराधिक इतिहार भी खंगाले जा रहे है।

इटवा पुल के दाहा नदी में डूबने से छात्रा की मौत

गोपालगंज। जिले के थावे थाना क्षेत्र के इटवा पुल के दाहा नदी में डूबने से एक किशोरी की मौत हों गई। रविवार को सुबह साढ़े दस बजे ग्रामीणों द्वारा सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृत किशोरी थावे थाने के लछवार गांव के मिथलेश गिरी की पुत्री बताई जा रही है। बता दे की इसके पहले भी 2016 में मिथलेश गिरी की 16 वर्षीय पुत्र आकाश गिरी की भी जिउतिया के दिन नहाने के दौरान दाहा नदी में डूबने से मौत हो चुकी हैं। ठीक उसकी जगह मृतक यूवक की 16 वर्षीय बहन निशु कुमारी की शनिवार की देर शाम इटवा पुल के दाहा नदी में डूबने से मौत हो गई। जो लछवार उच्च विद्यालय के वर्ग नौ की छात्रा थी। माता मीना देवी ने बताया की मृतक दिमाग की कुछ कमजोर थी। जो महा शिवरात्रि को लेकर शिव मंदिर में जलभिषेक करने के लिए शनिवार की सुबह परिवार के सभी सदस्य चले गए।

एक्सप्रेस ट्रेन की ठहराव की मांग को लेकर दिया धरना

रतनसराय रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की मांग कर रहे ग्रामीण

बरौली प्रात : किरण संवाददाता

बरौली के रतनसराय रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की मांग को लेकर रविवार को ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने एक दिवसीय धरना दिया। धरना कार्यक्रम में बरौली नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सह वार्ड पार्षद जितेंद्र प्रसाद, उप चेयरमैन प्रतिनिधि सतेंदर उपाध्याय, पूर्व प्रमुख रामाजी सिंह, चेयरमैन प्रत्याशी अरविंद पांडे, केवी सिंह, विनोद यादव, गणेश सोनी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि व ग्रामीण शामिल थे। धरना में मौजूद जितेंद्र प्रसाद ने कहा कि रतन सराय रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव होना अनिवार्य है। क्षेत्र के ग्रामीणों की लंबी दूरी जाने के लिए कोई ट्रेन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उन्होने गोपालगंज के सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन से मांग करते हुए कहा कि सांसद महोदय को रतन सराय रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को लेकर लोकसभा में रेल मंत्री से मांग करें ताकि रेल मंत्रालय के द्वारा रतनसराय रेलवे स्टेशन से व्यवसायियों के लिए पटना, दिल्ली जाने के लिए एक्सप्रेस ट्रेन ठाहराव का आदेश दिया जाए। धरना की सूचना पाकर पंहुचे बरौली सीओ वेदप्रकाश ने मांग पत्र लेकर संबधित अधिकारियो को भेजने की बात कही।

शिवस्थान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का थानाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा सिधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के बाद देर रात आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, सरपंच विमलेश पांडेय, प्रमुख प्रतिनिधि डॉ एस के यादव व पूर्व मुखिया उमेश यादव सहित अन्य लोगो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मंदिर पुजारी राघव गिरी ने उपस्थित गणमान्य लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत राधा कृष्ण वंदना से शुरू हुआ। यूपी से आए श्री कृष्णलीला मंडली द्वारा भगवान शंकर और राधा कृष्ण की झांकी के साथ ही शिव पार्वती विवाह की झांकी भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के दौरान राधा तेरी अदा में फिदा हो गई तथा डमरू डम डमरू रे बाजे आदि कई भक्ति गीतों की सहारे झांकी की प्रस्तुति की गई।

श्रीपुर में होली से पहले लग्जरी कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब जप्त

पुलिस ने लग्जरी कार से चार तस्करों को किया गिरफ्तार भेजा जेल

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

होली आने वाली हैं, जिसके लिए तस्कर शराब की आपूर्ति करने की जुगाड़ में लगे हुए हैं। यही वजह है कि तस्कर यहां नए-नए तरीके से शराब की खेप पहुंचाने की कोशिश कर रहे है। इसका उदाहरण बरामद एक लग्जरी कार से मिला विदेशी शराब है।

श्रीपुर ओपी पुलिस ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब जप्त किया है। इसकी जानकारी देते हुए श्रीपुर ओपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मीरगंज-भोरे मुख्य पथ के बंशी बतरहां बाजार के समीप से होकर गुजरी हथुआ शाखा नहर पुल के पास वाहन जांच शुरू कर दी गयी। कुछ देर बाद बथुआ बाजार की ओर से एक लग्जरी कार तेज गति से आती दिखाई दी। जिसे रोकने के लिए मौजूद पुलिस के जवानों ने इशारा किया। पुलिस की इशारा को देखते ही कार में सवार चालक और तेज गति से गाड़ी को भगाने लगा। जिसके बाद पुलिस घेराबंदी कर आखिरकार पकड़ लिया। साथ ही पुलिस ने लग्जरी कार से चार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब लग्जरी कार की तलाशी ली तो शराब से भरी पूरा बॉडी मिला। पुलिस कार को जप्त कर लिया। साथ ही विदेशी शराब से भरी कार को थाना परिसर लायी। जहां दोनों लग्जरी कार में रखे गए शराब की गिनती की गई तो अलग-अलग ब्रांड के 304 लीटर विदेशी शराब जप्त की गई। उधर गिरफ्तार तस्कर से पुलिस ने पूछताछ की तो तस्कर ने बताया कि यूपी से बिहार में आगामी होली पर्व को लेकर खेप लाया जा रहा था। गिरफ्तार तस्करों में दरभंगा जिला अंतर्गत बहेरा थाना क्षेत्र के कटेहरी गांव के निवासी राम सागर यादव का पुत्र अजय यादव सजवार गांव के निवासी इननिलाल तांती का पुत्र प्रमोद तांती, मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत अहियापुर थाना क्षेत्र के विजय छपरा गांव के निवासी बलदेव साहनी का पुत्र कृष्ण मोहन कुमार तथा वैशाली जिला अंतर्गत हाजीपुर थाना क्षेत्र के जरुआ गांव के निवासी विजय साहनी का पुत्र सोनू कुमार के रूप में पहचान की गई है। पुलिस उक्त तस्करों के विरुद्ध थाने में बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है।

फाइनल में सिकटा गोरखपुर को हरा कर फारबिसगंज बना विजेता

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के पंचदेवरी प्रखंड के बहेरवा बाजार में डीएसटी स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल मैच रविवार को सिकटा गैरखपुर व फारबिसगंज के बीच खेला गया। जिसमें फारबिसगंज की टीम ने सिकटा गोरखपुर को को 3 विकेट से हराकर कप पर अपना कब्जा जमाया। इससे पूर्व मैच का उदघाटन मुख्य अतिथि विधायक अमरेंद्र कुमार पाण्डेय, कटेया प्रमुख पति आनंद मिश्र, जिला परिषद सदस्य विनय तिवारी, राजन शुक्ला, उप प्रमुख विकास तिवारी ने संयुक्त रूप से ने फीता काटकर किया। मैच में फारबिसगंज की टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सिकटा गोरखपुर की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 148 रन बनाया। जवाब में खेलने उतरी फारबिसगंज की टीम ने अंतिम ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर विजेता बना। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार फारबिसगंज टीम के खिलाड़ी सरफराज और मैन ऑफ द सीरीज फारबिसगंज के खिलाड़ी प्रतीक कुमार को दिया गया। विजेता टीम को बुलेट और उप विजेता टीम को पल्सर बाईक दे कर सम्मानित किया गया। मौके पर गंगा सागर मिश्र, राहुल तिवारी, आतिश द्विवेदी, अजय गुप्ता, कौशल किशोर मिश्र, कमलेश कुशवाहा, रिशु तिवारी, भोला राय, भोलू पाण्डेय, रतनरजक, नीतीश, अरविंद, सूरज, प्रेम, प्रतीक, रवि, परमेंद्र, सत्रुघन, सोनू सहित आयोजन समिति के सभी सदस्य व काफी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

मुंगेर सांसद ने 117 भूमिहीन परिवारों के बीच बांटे बासित पर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने जमालपुर प्रखंड अंतर्गत इंदुरुख पश्चिमी पंचायत में 117 भूमिहीन परिवारों को बसागित पर्चा का वितरण किया। जनवरी महीने में सांसद के जनसंवाद के दौरान इंदुरुख पश्चिमी की जनता ने बासगीत पर्चा नहीं मिलने की बात की थी, इस को लेकर जदयू के कर्मठ नेता मुनि लाल ने माननीय सांसद के समक्ष मांग रखा , उसी समय सांसद ने संबंधित पदाधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए त्वरित कार्यवाही करने के लिए कहा था । मुंगेर के जिला अधिकारी नवीन कुमार सिंह एवं उप विकास आयुक्त संजय कुमार ने कार्य में आ रहे सारी बाधाओं को दूर करते हुए आज 19 फरवरी 2023 को माननीय सांसद के हाथों बासगीत पर्चा बंटवाने का कार्य किया । सांसद ने इंदुख पूर्वी और इंदु पश्चिमी पंचायत के भूमिहीनो को बासगीत पर्चा देने का वादा किया था जिसे आज पूरा कर किया गया है, पुरवारी टोला फरदा के 45 और आवेदितो को अगले 05 दिनों के अंदर जिलाधिकारी और जिला उप विकास आयुक्त कैंप लगाकर बासगीत पर्चा को बांटेंगे। महागठबंधन की सरकार का एकमात्र लक्ष्य है कि गरीबों, बेसहारों शोषितो, पिछड़ों की सेवा करना और नीतीश कुमार के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार दिन रात यह कार्य कर रही हैं इस को जिलाधिकारी नवीन कुमार सिंह, डीडीसी संजय कुमार , मुंगेर अनुमंडल पदाधिकारी सदर यतेंद्र कुमार पाल , वीडीओ नंदकिशोर जी, अंचल अधिकारी सदर जयप्रकाश कुमार जी मौजूद थे। मुखिया कल्पना देवी ने माा सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन बाबू को बुके देकर सम्मानित किये । वसागित पर्चा वितरण में जनता दल यूनाइटेड , मुंगेर के जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल जी , जदयू के वरीय नेता बड़े भैया आदरणीय सौरभ निधि जी युवा जदयू मुंगेर अध्यक्ष विक्की कुमार , जिला प्रवक्ता विमलेंदु राय, उपमुखिया नीरज कुमार, संजय कुमार, रोहित कुमार , गणेश मंडल , सोनू मंडल, विनोद मंडल पंकज यादव समेत सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे ।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से , जुआ खेलने पर रोक लगाने का किया मांग

हवेली खड़गपुर। खड़गपुर थाना क्षेत्र के खास बाजार प्राथमिक विद्यालय हिंदी के समीप जुआरियों का अड्डा रोज शाम को लगता है साथ हीं कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अपराधिक योजनाएं भी बनाई जाती है। खड़गपुर पुलिस प्रशासन के रोक नहीं लगाऐ जाने के कारण ये लोग कभी भी किसी भी समय कहीं भी एक बड़ी अपराधिक घटना को अमलीजामा पहनाने से बाज नहीं आएंगे। स्थानीय ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के समीप अपराधिक तत्वों के लोगों का जमावड़ा शाम को लगता है स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि गांजा शराब के सेवन के साथ ही जुआ खेला जाता है इसके बाद 11:00 बजे सभी लोग वहां से पलायन कर जाते हैं।

महाशिवरात्रि के अवसर पर मेले से शराब के नशे में पांच गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के पोखरभिंडा शिव मंदिर पर महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित मेले में विधि व्यवस्था को लेकर तैनात पुलिस ने मद्य निषेध को लेकर जांच अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने शराब के नशे में घूम रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान थाना क्षेत्र के पोखरभिंडा गांव के दिनेश प्रसाद, बिरवट घूरन गांव के अनारूल, उचकागांव के बुलेट महतो, हरपुर गांव के रितेश कुमार सिंह, फुलवरिया थाना क्षेत्र के चमारीपट्टी गांव के निपु दीक्षित के रूप में की गई है। सभी आरोपितों को पुलिस ने रविवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया। थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार पोखरभिंडा गांव निवासी आरोपित दिनेश प्रसाद को शराब पीने के आरोप में दूसरी बार गिरफ्तार किया गया है।

अकवन के सवा लाख फूलों से बाबा औघड़दानी का हुआ महाश्रृंगार

गोपालगंज। मीरगंज शहर के प्राचीन औघड़दानी शिवमंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर शनिवार की देर शाम भगवान भोले शंकर का भव्य महाश्रृंगार किया गया। औघड़दानी बाबा को विशेष रूप से अकवन के फूलों तथा शमी पत्तों से सजाया गया। मौके पर करीब पचास हजार श्रद्धालुओं ने बाबा के श्रृंगार के साथ महाआरती में भाग लेकर सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस दौरान हर-हर महादेव के जयघोष से समूचा मीरगंज शहर गूंज उठा। महाश्रृंगार से पहले बाबा को सर्वप्रथम गंगोत्री,गोदावरी,नारायणी,सरयू सहित नौ नदियों के जल से बाबा का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद गन्ने की रस,गाय की घी, दही, दूध आदि से भी बाबा को स्नान कराया गया। उसके बाद बाबा को गेंदा,गुलाब,कमल,बेली,मदार व अपराजिता से सजाया गया। बाबा को सवा लाख अकवन की मालाएं समर्पित की गई। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जलाभिषेक भी किया गया। बाबा को कई प्रकार के मिष्ठान व फलों का भोग लगाया गया। महाश्रृंगार के बाद बाबा की महाआरती की गई ।

संक्षिप्त खबरें

अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ ने छत्रपति शिवाजी महाराज की 393वीं जयंती मनाई

मसौढ़ा।मसौढ़ीअनुमंडल मुख्यालय के राधे कृष्ण उत्सव मैरेज हॉल बुद्ध नगर मसौढ़ी में लाल मोहन सिंह के अध्यक्षता में छत्रपति शिवाजी महाराज के 393वीं जयंती समारोह अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के बैनर तले आयोजित की गई ।मंच संचालन पालटन सिंह के द्वारा की गई ।मुख्य अतिथि संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्र कुमार चंदापुरी,पूर्व न्यायधीश राजेंद्र प्रसाद यादव,विशिष्ट अतिथि श्रीमती शांति साह,आचार्य सतेंद्र बुद्ध प्रिय,संतोष नागवंशी,मंजू दास,लक्ष्मी प्रजापति, मो सद्दाम हुसैन,अशोक सिंह जिलाध्यक्ष जद यूं,सिपाही यादव,रोहन भगत मालाकार, डी पी साहू,पंकज कुमार पूर्व मुख्य पार्षद,रंजित पटेल,प्रतीक पटेल चंद्रमोहन पटेल,सुभाषचंद्र गांधी, पिंकु कुमार मुखिया संघ अध्यक्ष, ब्रजनंदन सहाय, सी पी मंडल सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

1 से 5 मार्च तक राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का होगा आयोजन

आरा।बाबू वीर कुंवर सिंह और मां आरण्य देवी की धरती पर आगामी 1 से 5 मार्च तक राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन आरा में होने का घोषणा हुआ इस आयोजन में 10 राज्य के बालक और 8 राज्य के बालिका की टीम भाग लेगी टेनिस बॉल एसोसिएशन भोजपुर की सचिव अंजली कुमारी ने बताया कि तैयारी से संबंधित विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है ताकि इस प्रतियोगिता का सफल आयोजन आरा के विभिन्न मैदानों पर हो इस आयोजन सफल होने के लिए कमेटी के सदस्यों ने अंजलि कुमारी को बधाई दिया तथा बोला कि यह भोजपुर का सौभाग्य है राष्ट्रीय स्तर का टूनार्मेंट भोजपुर में होने जा रहा है इस अवसर पर मनीष सिंह उर्फ डुल्डुल सिंह , रजनीश पाण्डेय रितिक उपाध्याय, कुंदन राज सिंह, राहुल,आकाश, पुलकित, कुमार मंगलम, उपस्थित थे ।इस आशय की जानकारी भोजपुर जिला टेनिस बॉल संघ के मिडिया प्रभारी ओपी पाण्डेय ने दी

रेल यात्रियों से उगाही करना पुलिस जवान को पड़ गया, भारी रेल एसपी ने लिया बड़ा एक्शन

मुजफ़्फरपुर। जिले के रेल सेवा से अचानक एक पुलिस जवान का रेलयात्री से जबरन अवैध उगाही का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया देखते ही देखते वीडियो आग की तरह फैल गई वीडियो में यह कहा जा रहा था कि यह रेल पुलिस मुजफ्फरपुर की करतूत है जिसके बाद मामला संज्ञान में आने पर रेल एसपी मुजफ्फरपुर डॉ.कुमार आशीष ने वायरल वीडियो की जांच पड़ताल कर रेल पुलिस उपाधीक्षक से जांच प्रतिवेदन मांगा गया जांच प्रतिवेदन में वायरल वीडियो की पुष्टि हो गई डीएसपी के रिपोर्ट के आधार पर रेल थाना मुजफ्फरपुर में पदस्थापित जवान कृष्णकांत सिंह पाया गया जिसके बाद रेल एसपी ने तत्काल निलंबित करते हुए लाइन हाजिर कर दिया और इतना ही नहीं विभागीय कार्रवाई के विरुद्ध स्पष्टीकरण की भी मांग की है आपको बताते चलें कि इस जघन्य अपराध के पीछे अगर पर्याप्त साक्ष्य आधार बन जाए तो बर्खास्तगी तक का प्रावधान है मुजफ्फरपुर रेल एसपी के इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है वही रेलयात्री और आमजन पुलिस कप्तान को इस कार्य के लिए धन्यवाद कर रही है।

पुलिस ने चार अपराधियों को तीन बाइक और लोडेड कई आर्म्स के साथ धर दबोचा

मुजफ़्फरपुर।पुलिस की टीम को एक अहम कामयाबी हाथ लगी है जहां बरूराज थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 4 अपराध कर्मियों को रंगे हाथों धर दबोचा पुलिस को सूचना मिली थी कि सभी अपराध करने इकट्ठा हुए हैं और किसी लूटपाट की बड़ी घटना को अंजाम देंगे इसके बाद आनन-फानन में बरूराज थानाध्यक्ष संजय दुबे ने अपने वरीय अधिकारियों को घटना से अवगत कराते हुए वक्त प्राप्त लोकेशन पर दल बल के साथ घेराबंदी कर सर्च अभियान शुरू कर दिया इस दौरान तीन बाइक सवार चार अपराधियों को पुलिस ने धर दबोचा पकड़े गए अपराधियों के पास से पुलिस ने तीन लोडेड हथियार बरामद किया है साथ ही साथ अन्य कई चीजें भी बरामद की गई है पूछताछ में सभी की पहचान बरूराज थाना क्षेत्र के चैनपुर कथौलिया हैं रहने रोहित, आजाद,अभिषेक और महमदपुर गंग के छोटू सिंह के रूप में हुई हैं ।

करियर मार्गदर्शक एवं परामर्श कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नेहरू युवा केंद्र भोजपुर के द्वारा शांति एजुकेशन एंड वेलफेयर फाउंडेशन कोईलवर के सहयोग से विनर्स एकेडमी कोचिंग सेंटर कोइलवर में करियर मार्गदर्शक एवं परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित करके की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी ने किया' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री वीर मनु कुमार यादव पूर्व चेयरमैन कोइलवर, विशिष्ट अतिथि अमित कुमार सिंह (जिला परियोजना अधिकारी ,नमामि गंगे परियोजना नेहरू युवा केंद्र भोजपुर) , केमिस्ट्री भाई मिथलेश प्रधान कोचिंग के शिक्षक , विनर्स एकेडमी के डायरेक्टर पिंटू कुमार के द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम का संचालन विनर्स एकेडमी के शिक्षक गोल्डन कुमार और धन्यवाद ज्ञापन पिंटू कुमार के द्वारा किया गया। जिला युवा अधिकारी ने बच्चों को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र के द्वारा संचालित होने वाले सभी लाभकारी कार्यक्रमों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। इस कार्यक्रम का पहला सत्र हरीश कुमार (जिला उद्योग विस्तार पदाधिकारी)के द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने बच्चों को उद्योग से जुड़े विस्तार के बारे में समझाया एवं नए उद्योग शुरू करने के लिए सरकार द्वारा की चलाई जा रही योजनाओं को विस्तारपूर्वक समझाया। दूसरा सत्र मिथिलेश प्रधान (रसायन शिक्षक) के द्वारा लिया गया जिसमें उन्होंने बच्चों को पढ़ाई से संबंधित टिप्स दिए और उन्हें उज्जवल भविष्य बनाने के लिए मार्ग प्रदर्शित किया । तीसरा सत्र कुमार ज्ञानरंजन (सहायक प्रबंधन योजना जिला निबंध एवं परामर्श केंद्र, भोजपुर) के द्वारा लिया गया जिसमें उन्होंने बिहार सरकार द्वारा चलाए गए लाभकारी योजना के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। चौथा सत्र श्री अमोद कुमार पांडे (रिटायर्ड चीफ मैनेजर पीएनबी बैंक)के द्वारा लिया गया जिसमें उन्होंने बच्चों को भारत सरकार द्वारा वित्त संबंधित योजना के बारे में और वर्तमान समय में हो रहे वित्त संबंधी धोखाधड़ी से बचने के लिए सलाह दिए। कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के (जिला कार्यक्रम पदाधिकारी) अमित सिंह के द्वारा बच्चों को बताया गया कि वर्तमान परिवेश में किस तरह बच्चे अपने कैरियर सजग नहीं है जिसका परिणाम आने वाले दिनों में उनके सामने पहाड़ की तरह खड़ा हो जाता है हर एक बच्चे को अपने गोल और अपने इच्छा के अनुसार केरियर को अपनाना चाहिए ,उन्होंने बच्चो को उज्जवल भविष्य की कामना दी गई एवं उन्हें बताया कि वह किस तरह अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर सकते हैं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उदित, उत्सव, अंश, खुशी, नाजिया, रुबाना, अलीशा, मुस्कान, आरिफ, विकास, लकी, आदि का महत्वपुण योगदान रहा।

चतुर्थ वार्षिकोत्सव मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय नागरिक प्रचारिणी सभागार स्थित जोवियल जूनियर्स इंटरनेशनल प्री-स्कूल में चतुर्थ वार्षिकोत्सव मनाया गया ।जिसका शुभ उद्घघाटन जिला पदाधिकारी राज कुमार , प्रो. डॉ रणविजय कुमार (छात्र कल्याण अध्यक्ष , वीर कुंवर सिंह विश्वविधालय),स्कूल चेयरमैन ज्योत प्रकाश जैन , निदेशक मनीष जैन, प्रिंसिपल आयुषी जैन ने सामूहिक रूप से किया । जिला पदाधिकारी ने कहा कि विद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होते फहन चाहिए ताकि उनके कार्यशैली में वृद्धि हो इसलिए मैं पूरे विद्यालय प्रबंधन समिति को धन्यवाद देता हूँ ।

डॉ. प्रो. रणविजय कुमार ने कहा कि विद्यालय के अनुशासन ले पहलू को देख रहा हूँ सभी क्षेत्र में विद्यालय काम कर रहा है मैं सभी को साधुवाद देता हूँ। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना नृत्य से किया गया साथ ही साथ कई संस्कृतिक कार्यक्रम कर के बच्चों ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसमे सभी बच्चों को विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

महायज्ञ एवम्कल्याणकारी अनुष्ठान से होगा संसार का कल्याण

मुजफ़्फरपुर जिले में होगा संसार एवम् समाज कल्याण में दुःख पीड़ा निदान में अनोखा महायज्ञ , आयोजन होगा कथा ,होगा अनुष्ठान पूजा अर्चना ,भाग लेगे देश से श्रद्धालु भक्त गण, वितरण होगा रुद्र काच्छ ,कवच ,यन्त्र,सिद्ध कलश । अब तक एक सौ सत्तर से अधिक यज्ञ महायज्ञ एवम विभिन्न वेद पुराण पर आधारित कथा का आयोजन करने वाले शिव अंश सिद्धि प्राप्त श्री महाकाल जी आंनद दीपक जी महाराज के सानिध्य में वाईश मार्च से इकतीस मार्च तक सिंगाईला मोतीपुर पंच मुख हनुमान दुर्गा गणेश मंदिर परिसर में भूत पिशाच नवग्रह शांति हवन दीपो उत्सव महायज्ञ एवम सूर्य अर्ध्य अर्क यज्ञ होगा,जिसमे पाच सौ एकावन कन्याओं से कलश यात्रा में भाग लेने के लिए अपना दाखिला कर लिया है ,इस महायज्ञ की तैयारी युद्ध स्तर पर जारी है ,इसमें संध्या बेला मे कलश अनुष्ठान नवग्रह साधना होगा, जिसमे काफी तदाद में भक्त ने दाखिला कराया है ,इस अनुष्ठान साधना की खासियत यह है कि इसमें भाग लेने वालों को निशुल्क आवश्कता अनुसार रुद्रकाक्छ ,कवच,यन्त्र,सिद्ध कलश वितरण होगा,यह महायज्ञ समाज एवम संसार कल्याण में विधिवत होगा,इसमें सबसे अनोखा यह होगा कि आंध्र प्रदेश,तेलगाना की तरह ही कल्याणकारी देवता को प्रतिमा का गांव एवम् शहर में विधिवत भ्रमण कराए जायेगे, इसमें काफी दुख पीड़ा से त्रस्त एवम् कार्य सिद्धि के लिए सिद्धि कलश स्थापित कराने को लेकर अपना दाखिला करवा रहे है ,आस्था निष्ठा श्रद्धा से इस कल्याणकारी महायज्ञ एवम कथा समेत सिद्धि कलश स्थापन में काफी श्रद्धालु तैयारी में लगे हुए है । इसकी जानकारी आचार्य सह यज्ञ व्यस्थपक प्रभारी श्री रंजीत तिवारी ने दिया ।

पांच दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के समापन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। पांच दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के समापन के उपरांत जीयर स्वामी महाराज अयोध्या के लिए प्रस्थान कर गए। जीयर स्वामी के प्रस्थान करते समय पूरे आस पास गांव के लोगों के आंखों में आंसू आ गए। स्वामी जी महाराज ने कहा कि बखोरापुर का यज्ञ ऐतिहासिक यज्ञ रहा ।काफी संख्या में लोग लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में हिस्सा लिय तथा साथ ही साथ जय मां काली बखोरापुर वाली का भी दर्शन किए। स्वामी जी महाराज ने जय मां काली बखोरापुर वाली मंदिर में भी जाकर माता रानी का दर्शन किया।

उन्होंने कहा कि बखोरापुर बखोरापुर गांव एक बहुत बड़ा तीर्थस्थल बन चुका है। यहां माता रानी के दर्शन करने हेतु सालों भर हजारों की संख्या में लोग जुट रहे हैं। पूरे भारत में माता रानी की चर्चा होती रहती है ।स्वामी जी ने महाराज ने जाते वक्त लोगों को संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य को कर्म करने के प्रति सतर्कता बरतनी चाहिए। गलत मार्गों में ध्यान नहीं लगाना चाहिए। विषम परिस्थिति में भी मयार्दा का परित्याग नहीं करना चाहिए। किसी को अपमानित नहीं करना चाहिए प्रकृति के साथ छेड़छाड़ नहीं करना चाहिए उन्होंने कहा कि नारायण का स्मरण करने से बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं जो भी सच्चे मन से नारायण का स्तुति करता है उसके सारे कष्ट दूर हो जाते हैं जाते वक्त काफी संख्या में लोगों ने जुटकर स्वामी जी का दर्शन किया तथा प्रसाद लिया। इस मौके पर कमलेश सिंह उज्जवल सिंह रोहित सिंह राहुल सिंह संतोष तिवारी अरविंद तिवारी रामकुमार सिंह मीडिया प्रभारी अखिलेश बाबा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

नगर पंचायत गड़हनी के वार्डो में आम सभा कर किया गया योजनाओं का चयन

सहिला नदी पर पुल निर्माण कर तीन घरवा टोला तक किया जाएगा सड़क निर्माण

प्रात : किरण संवाददाता

गड़हनी। नगर पंचायत गड़हनी ।के इन दिनों नवगठित वार्डो में वार्ड सभा का आयोजन किया गया ।वही रविवार के दोपहर 12 बजे वार्ड 01 के न्यू प्राथमिक विधालय परिसर में वार्ड पार्षद आरती कुमारी की अध्यक्षता में आम सभा आहूत की गई। तो वार्ड दो में निजी आवास पर वार्ड पार्षद मुन्ना पासवान दिन के 2 बजे आम सभा बुआई ।वार्ड आठ में शाम 04 पुरानी बाजार शिवमंदिर प्रांगण में सैकड़ों लोगों की सर्व सहमति से दर्जनों योजनाओं को सूचीबद्ध किया गया जिसका नेतृत्व वार्ड पार्षद चंदन सोनी ने किया ।मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ ने कहा कि हमारा बचपन इसी वार्ड में गुजरा है हमारी कोशिश होगा कि सभी वार्ड का विकास बिना भेदभाव हो ताकि गड़हनी का वार्ड बेहतर बने। इसके लिए जो भी योजना का चयन किया गया है उसे धरातल पर उतारा जाएगा ।उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चयनित योजनाओ को सशक्त स्थायी कमिटी में पारित कर जल्द से जल्द कार्य शुरू कराया जाएगा ।वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नगर पंचायत गड़हनी के सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश राव ने कहा कि हमरा वार्ड सबसे साफ सुथरा स्वच्छ बने इसको लेकर कार्य किया जाएगा। वही गड़हनी के हर घर तक पहुँचपथ और नाली नाला निर्माण कराया जाएगा ।न्यू प्राथमिक विधालय उत्तरपटी से तीन घरवा होते वार्ड एक के सिवान सिहार तक मिट्टी भराई सहिला नदी में पुल निर्माण कराकर आवागमन बहाल कराया जाएगा ।वार्ड क्षेत्र में मुक्ति धाम,समत गोसाई,नदी में बोल्डर निर्माण,तालाब का सौंदर्यीकरण नली गली आहार में मिट्टी कटाई कुआं की उड़ाही नल जल को दुरुस्त करने सहित कई अहम योजनाओं को आम सभा मे पारित किया गया।आम सभा मे मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुडुड मुखिया,उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार, पार्षद प्रतिनिधि अविनाश कुमार राव,अक्षयवट ओझा ददन चन्द्रवंशी बिरेन्द्र यादव संतोष कुमार सुनील अनिल मो० फैयाज मो० हामिद राज दयाल सिंह चनेश्वर सिंह राम प्रसाद ओझा मो० सरफराज मो० जब्बार मो० असलम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर के सर्विस लेन पर सजी बालू-गिट्टी की दुकान ,ऑटो रिक्शा का कब्जा बन रहा हादसे का कारण

बोचहा।थाना क्षेत्र के ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर अंतर्गत सरफुद्दीनपुर एवं एतवारपुर चौक पर बने फ्लाईओवर के एक किलोमीटर के दायरे पर भीड़भाड़ वाला इलाका है।

इस कारण एतवारपुर व सरफुद्दीनपुर चौक पर ओभारब्रिज बनाया गया है, लेकिन एतवारपुर सर्विस रोड के दक्षिणी छोड़ पर बालू गिट्टी की दुकान सजी रहती है वही सरफुद्दीनपुर मे उत्तरी छोड़ पर ऑटो रिक्शा का कब्जा है। इस कारण सर्विस रोड से एनएच पर आने वाले वाहन विपरीत दिशा से आते जाते हैं, जो हादसे को निमंत्रण दे रहा है। इसके लिए जिम्मेदारों को फ्रिक नहीं है। ओवर ब्रिज के समीप लगी पुलिस गश्ती वाहन के सामने ही विपरित दिशा से वाहन गुजरती रहती है, लेकिन पुलिस टोकती भी नहीं है।

लूटपाट करने वाले गिरोह के चार अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले के बरुराज थाने की पुलिस ने लूटपाट करने वाले गिरोह के चार शातिर को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। दरअसल बरूराज थानेदार संजीव दुबे को गुप्त सूचना मिली थी की शिवरात्रि की शाम मोतीपुर बरूराज रोड स्थित मुरारपुर पुल के पास कुछ अपराधी इकट्ठा होकर एक बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले है। पुलिस ने उस इलाके का घेराबंदी कर चार अपराधी को दबोच लिया। पकड़े गए अपराधियों की पहचान बरूराज थाना के चैनपुर कथौलिया निवासी रोहित कुमार, उसी गांव के आजाद कुमार, एव अभिषेक कुमार और मोहम्मदपुर गंग के छोटू सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल दो देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, तीन खोखा,और तीन मोटरसाइकिल बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीएसपी पश्चिमी अभिषेक आनंद ने बताया की यह सभी अपराधी एक बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। उन्होंने बताया कि इन सभी से पूछताछ में और कई लोगों का नाम सामने आया है जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है

रोटरी बैंक का प्रथम बार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

मुजफ्फरपुर। रोटी बैंक के द्वारा आज माड़ीपुर स्थित एक निजी होटल के सभागार में प्रथम वार्षिकोत्सव सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एसडीएम पश्चिमी बृजेश कुमार, डीएसपी पूर्वी मनोज पांडे, डीएसपी लाइन बीएन शर्मा एवं डॉ गौरव वर्मा द्वारा रोटी बैंक चलाने में सहयोग करने वाले और कार्यकताओं को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर प्रोत्साहित और सम्मानित किया गया। डॉ गौरव वर्मा ने कहा कि संस्था के संचालक देवकांत झा की लीडरशिप में यह संस्था चल रहा है जो काफी समय से प्रतिदिन गरीब और जरूरतमंदों को एक समय का भोजन उपलब्ध करा रहा है जो सराहनीय काम है। वही देवकांत झा ने कहा कि प्रतिदिन हमलोग लगभग 1 साल से प्रतिदिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को रात्रि के समय भोजन उपलब्ध करा रहे हैं इसी का वर्षगांठ आज मनाया गया है। मौके पर रोहन सिंह, गौरव सिंह, युगांत मिश्रा, प्रकाश सिन्हा, अभय चक्रवर्ती, प्रभात ठाकुर सहित कई अन्य मौजूद रहे।

ऐतिहासिक होगा :27फरवरी का मिलन समारोह

मुजफ्फरपुर। आगामी 27 फरवरी के मिलन समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने रविवार को कांटी क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस क्रम में श्री कुमार ने 27 फरवरी को चांदनी चौक बैरिया स्थित महेश भगत बनवारी लाल कॉलेज के मैदान में आयोजित मिलन समारोह में लोगों को अपने समर्थकों के साथ भाड़ी संख्या में शामिल होने का न्योता दिया। इस मौके पर श्री कुमार ने क्षेत्र के बीरपुर, बहुआरा, सादिकपुर, अश नगर, झिटकाहीं, साईन, नारायणपुर, गोदाई फूलकांहां , मैसाहां मणिफूलकांहां, सेरुकांही गांव में सभा भी आयोजित किया जहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नीत एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सफल नेतृत्व का विस्तृत चर्चा करते हुए लोगों से भारी संख्या में भाजपा का सदस्यता ग्रहण करने का भी अपील किया।

मुजफ्फरपुर रोटी बैंक ने मनाया वार्षिकोत्सव सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह

मुजफ़्फरपुर। रविवार को मुजफ्फरपुर रोटी बैंक के द्वारा माड़ीपुर स्थित एक निजी होटल के सभागार में प्रथम वार्षिकोत्सव सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिले के एसडीएम पश्चिमी बृजेश कुमार, डीएसपी पूर्वी मनोज पांडेय, डीएसपी लाइन बीएन शर्मा एवं शहर के चिकित्सक डॉ गौरव वर्मा ने रोटी बैंक चलाने में सहयोग करने वाले और कार्यकताओं को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर प्रोत्साहित और सम्मानित किया गया। डॉ गौरव वर्मा ने कहा कि संस्था के संचालक देवकांत झा की लीडरशिप में यह संस्था चल रहा है जो काफी समय से प्रतिदिन गरीब और जरूरतमंदों को एक समय का भोजन उपलब्ध करा रहा है जो सराहनीय काम है। वही देवकांत झा ने कहा कि प्रतिदिन हमलोग लगभग 1 साल से प्रतिदिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को रात्रि के समय भोजन उपलब्ध करा रहे हैं इसी का वर्षगांठ आज मनाया गया है। मौके पर रोहन सिंह, गौरव सिंह, युगांत मिश्रा, प्रकाश सिन्हा, अभय चक्रवर्ती, प्रभात ठाकुर सहित कई अन्य मौजूद रहे।

जीयर स्वामी जी महाराज ने श्री आरा गौशाला का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने रविवार को शहर के गौसगंज वार्ड नंबर-2 स्थित श्री आरा गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वामी जी ने घूम-घूम कर गौशाला के गायो एवं उनके बछड़ों को देखा। रखरखाव एवं उनके चारा के संबंध में पूछताछ की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गौ सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है। इसके बाद लोगों ने भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने उनकी आरती की। इस मौके पर आरा की महापौर इंदु देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम रंजन चतुर्वेदी, रामनवमी शोभा यात्रा समिति के शंभू चौरसिया, मातादीन अग्रवाल, श्याम नारायण बेरिया, गोयनका जी, शशि गोयनका, उमेश बेरिया, संजय सरावगी उर्फ लल्लू भाई, विक्की सरावगी, आदित्य विजय जैन, विजय कुमार, भीम सिंह भवेश, कृष्ण कुमार, आलोक अंजन, मुकेश पोद्दार, रवि वारसी, पर्यावरणविद आनंद कुमार समेत गौशाला के कर्मचारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गोवर्धन गो सेवा केंद्र ट्रस्ट के द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरा। शहर के गांगी वार्ड नंबर दो स्थित श्री आरा गोशाला के सौजन्य से गोवर्धन गो सेवा केंद्र ट्रस्ट के द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अधिवक्ता सुधीर कुमार के द्वारा गोबर से तमाम तरह के उत्पाद बनाकर सिखाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर गोवर्धन गो सेवा केंद्र द्वारा लक्ष्मी प्रपन्न श्री जियर स्वामी जी महाराज को गोबर से बनी ओम की आकृति प्रदान की गई। इस मौके पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को आरा की महापौर इंदु देवी द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर महापौर इंदु देवी ने कहा कि आज लोगों को प्रकृति से जुड़ना चाहिए। प्रकृति को बचाना चाहिए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से किसानो, गोपालको, महिलाओ, ग्रामीणों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर के मार्ग प्रशस्त होंगे। अधिवक्ता सुधीर कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं और पुरुषों को गाय के गोबर से दीप, धूप, चाबी रिंग, घड़ी, मोबाइल स्टैंड समेत अन्य सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

छेदी बाबू वास्तव में नवगछिया के नागार्जुन साबित हुए : डॉ. वर्मा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं है, एक अनमोल विरासत है, जो युगों-युगों तक अक्षुण्ण और शाश्वत बना रहता है। ये बातें परमहंस स्वामी आगमानन्द जी महाराज ने कही। वे प्रो.(डॉ.) छेदी साह स्मृति मंच के तत्वावधान में स्थानीय ज्योति विहार कॉलोनी स्थित शीला-छेदी सदन के सभागार में आयोजित स्मृति ग्रन्थ "डॉ. छेदी साह : नवगछिया के नागार्जुन" के लोकार्पण समारोह के उद्घाटन के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। परम हंस जी महाराज स्वामी आगमानन्द जी महाराज ने कहा कि डॉ. छेदी साह से शुरू से आत्मीय सम्बन्ध रहा है। उन्होंने बाबा नागार्जुन की तरह विषम परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करते और संघर्ष का रुख अख्तियार करते हुए साहित्य सृजन के कार्य मे लीन रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि साहित्य एक ऐसा विलक्षण धरोहर है, जो कभी समाप्त नहीं होता है, वह सदा समाज का नये-नये तरीके से मार्गदर्शन करता रहा है। वहीं उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी के व्यक्तित्व का मूल्यांकन सहज नहीं होता है ।साहित्य में जनहित समाहित है। इससे तमाम विकारों का परिष्कार किया जाता है। साहित्य के सहयोग से व्याप्त वैमनस्य क्लेश को दूर किया जा सकता है ।वहीं उन्होंने डॉ. छेदी साह के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वे साहित्य के प्रति जीवनपर्यंत समर्पित रहे।

वहीं पुस्तक का लोकार्पण करते हुए तिमाभाविवि के पूर्व स्नातकोत्तर हिन्दी विभागाध्यक्ष नृपेंद्र प्रसाद वर्मा ने कहा कि रचनाकार रचना में जीवित रहते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि डॉ. छेदी साह और उनके व्यक्तित्व का मूल्यांकन होना चाहिए। छेदी साह ने अपनी रचना के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को रेखांकित कर समाज को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि अगर किसी महान रचनाकार की रचना पर द्वेष भाव से कोई टीका टिप्पणी करते हैं तो साहित्यकार का दायित्व बनता है कि वे इसका पदार्फाश कर समाज को सही स्थिति को दशार्ना चाहिए। उन्होंने कहा कि छेदी बाबू वास्तव में नवगछिया के नागार्जुन साबित हुए।

मौके पर भागलपुर नगर निगम की महापौर डॉ. वसुंधरा लाल ने कहा कि डॉ. छेदी साह के विचारों से आम जनता को अवगत कराने की आवश्यकता है। वे गरीबी में पल बढ़कर संघर्ष की रुख अख्तियार करते हुए सदा रचनाधर्मिता में लगे रहे।

ब्रह्मदेव नारायम सत्यम ने कहा कि छेदी साह एक व्यक्ति और व्यक्तित्व ही नहीं एक संस्था थे, जहाँ पढ़ाने ही नहीं लिखाने का काम करते थे।

उन्होंने कहा कि समाज साहित्य का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। आज साहित्य संक्रमण काल के दौर से गुजर रहा है। इससे मानव मूल्य न सिर्फ आहत हुआ है, बल्कि कमजोर भी पड़ गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय अंगिका साहित्य कला मंच प्रसाद हरेंद्र ने गीत और कविता के माध्यम से डॉ. छेदी साह के व्यक्तित्व को रेखांकित किया।

रामजनम मिश्र ने डॉ. छेदी साह के साथ बिताये क्षणों को याद किया। मौके पर मनोविभाग प्राध्यापक डॉ. विवेकानंद साह ने कहा कि डॉ. छेदी साह से मेरा गहरा पुराना सम्बन्ध रहा है। प्रतिभा किसी का मोहताज रहती है। इन्होंने जीवन पर्यन्त संघर्ष किया, लेकिन कभी विचलित नहीं हुए। आर्थिक रूप से विपन्न रहते हुए संघर्ष का रुख अख्तियार करते हुए सदा बढ़ते रहे। यह उनकी प्रतिभा का प्रतिबिंब है। वहीं जन्तु विज्ञान प्राध्यापक अशोक कुमार ठाकुर ने कहा कि डॉ. छेदी साह मुझे पुत्र वत मानते थे। वे समय के पाबन्ध होने के साथ अपने सहयोगियों और सहकर्मियों के सुख-सुविधा का ख्याल रखते थे। विवि प्रशासन की दोहरी नीति और पक्षपात के शिकार होने होकर उपेक्षित रह गये। उन्होंने अपने पुत्रों मे भी संस्कार डाले। वहीं तिलकामांझी भागलपुर के कुलगीतकर विद्यावाचस्पति आमोद कुमार मिश्र ने कहा कि डॉ. छेदी साह ने साहित्य में अपने जीवन के कटु अनुभवों को डॉ. छेदी साह ने पिरोया है। आज छल-प्रपंच कर साहित्य रचने वाले ढोलबज्जा साहित्यकारों की कमी नहीं है। डॉ. छेदी बाबू इससे बिल्कुल अछूते थे। दूसरों से कर्ज लेकर ये विवाह आदि में अर्थदान करते थे। उन्होंने साहित्य कभी नहीं भरता। कहा कि आज सच्चे साहित्य और और साहित्यकारों को पहचानने की जरूरत है।

उत्तरप्रदेश से आये पूर्व जिला सांख्यिकी पदाधिकारी शंभु प्रसाद राय ने कहा कि समाज के सामने एक बड़ी लकीर खींचकर वे अमर हो गये। वे किसी के साथ पक्षपात नहीं किया करते थे। मौके पर इंदुभूषण मिश्र 'देवेंदु', डॉ.राजेन्द्र मोदी श्री नकुल निराला, कपिलेश्वर कपिल, फूल कुमार अकेला, कपिलदेव कृपाला, मनोज कुमार माही, पंकज पांडेय तूफान कुमार सहगल, हैप्पी राजेश, डॉ. पुष्प कुमार राय और डॉ. विभुरंजन समेत दर्जनों कवियों ने कविता एवं गीतों का सस्वर पाठ कर तथा अपनी भावनाओं-संवेदनाओं को उद्भाषित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त खबरें

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव पार्वती की निकाली गई भव्य शोभायात्रा

भागलपुर। जिले के शहरी इलाकों के अलावा आसपास क्षेत्र के सभी शिवालयों में महाशिवरात्रि पर्व पर शनिवार देर शाम से ही गाजे-बाजे के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की भव्य शोभायात्रा निकाली गई । भव्य शोभायात्रा में हर जगह भक्ति गीतों से शहर पटा रहा, वही रंगीन रोशनीओं से पूरे शहर को सजाया गया। शोभा यात्रा के दौरान हर हर महादेव बोल बम के नारे से पूरा शहर गुंजायमान रहा वही शिवभक्त भोलेनाथ के भक्ति गीतों पर जमकर थिरकते दिखे, झांकी में शिव पार्वती नंदी गणेश भूत परेत ऋषि मुनि की वेशभूषा में कलाकार अपनी कला का जौहर दिखाते दिखे, वहीं भारत माता की जीवंत मनमोहक झांकियां भी देखने को मिली, गौरतलब हो कि पहले शिवालय में आरती की गई उसके बाद यह शोभा यात्रा की शुरूआत हुई, शोभायात्रा हर गली मोहल्ले घूम कर फिर से शिव मंदिर पहुंचा और भगवान शिव और मैया पार्वती का विवाह कार्यक्रम विधिवत रूप से देर रात तक सम्पन्न हुई।

नाले में मिला 25 वर्षीय युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी

भागलपुर। जिले में अपराधियों का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कही लूट, छिनतई तो कही हत्या व गोलीबारी की घटना से पटा हुआ है। वही एक और घटना मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के कौआकोली अंबेडकर चौक के समीप घटित होने का मामला सामने आया है। जहां अपराधियों ने एक युवक की हत्या की वारदात को अंजाम दे उसकी लाश नाले में फेंक दिया है। इलाके में युवक के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक युवक की पहचान शंभू यादव के 25 बर्षीय पुत्र अमर कुमार यादव के रूप में बतायी जा रही है। वही मामले को लेकर मृतक अमर कुमार के भाई सौरभ कुमार ने बताया हमारे भाई की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह इंटर की परीक्षा देकर आगे की पढ़ाई के लिए स्थानीय बीएन कॉलेज में एडमिशन कराया था। वह प्रत्येक दिन की तरह ट्यूशन पढ़कर 8:00 बजे रात्रि में घर आया और मोटरसाइकिल लगाई फिर महाशिवरात्रि के मौके पर शिवजी के बारात में शामिल होने गया था। उसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला गांव वालों के द्वारा सुबह जब शोर-शराबा सुना तो पता चला कि मेरे भाई की किसी ने संदेहास्पद तरीके से हत्या कर दी है। वही सूचना पाकर मौके पर पहुंची मधुसुदनपुर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। मृतक अमर के पिता सरकारी विभाग में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

पुलिस के कार्यशैली पर उठे सवाल

मृतक युवक के शव मिलने की सूचना से पूरा क्षेत्र हलकान हो उठा था तो स्थानीय पुलिस को सूचना स्थल पर बिल से क्यों पहुंची, इस दौरान कई लोगों ने पुलिस के सरकारी दूरभाष पर सम्पर्क स्थापित करने का प्रयास किया गया था लेकिन कॉल का कोई जबाब नही दिया गया। वही जब पुलिस सूचना स्थल पर पहुंची जिसके बाद पुलिस ने मृतक युवक के शव को लेकर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर घटना स्थल की विशेष जांच को लेकर एफएसएल व डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। जिसके कुछ समय बाद एफएसएल की टीम व डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंच शव को नाले से बाहर निकल कर बारीकी से जांच करने में जुट गयी। वही डॉग स्क्वायड की टीम के द्वारा आसपास के हिस्से को बारीकी से जांच शुरू कर दी है। देखने वाली बात होगी कि पुलिस अपराधियों को कब तक अपने गिरफ्त में लेती हैं।

पालीगंज सेलेक्शन मॉल का उद्घाटन करने पहुंचे भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह

पालीगंज खनपुरा रोड में देवी स्थान के पास सेलेक्शन मॉल का उद्घाटन करने पहुंचे भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को देखने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह का एक नजर देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे और उनके गाने पर लोग झूमे इस दौरान पवन सिंह ने सेलेक्शन मॉल का अवलोकन भी किया।

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को देखने आए हजारों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन को काफी मेहनत और मकसद करने पर भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के दौरान जब पवन सिंह अपने गाड़ी से उतरे तो हजारों की भीड़ उन्हें दीदार करने के लिए भिंड उम्र पड़ी जिसे पुलिस को कंट्रोल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी कई बार धक्का मुक्की भी हुई ।

पालीगंज नवनिर्मित भवन में सिलेक्शन मॉल की शुभारंभ करने के लिए पवन सिंह पालीगंज पहुंचे थे जिसके प्रबंधक अजय गुप्ता अशोक गुप्ता गुड्डू गुप्ता सुमन गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

वसंत में हो रहा ग्रीष्म का एहसास ,अधिकतम तापमान हुआ 29डिग्री सेल्सियस

मुजफ्फरपुर ।अभी वसंत का मौसम है लेकिन तेज धूप से लोगों को इस मौसम में गर्मी का एहसास होने लगा है। आज दिन में अधिकतम तापमान 29.2डिग्री सेल्सियस हो गया ।जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र

डॉ० राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आज का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5डिग्री बढ़कर 29.2डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी हुई। आज का न्यूनतम तापमान12.7 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से1.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। पछिया हवा की गति 2.8 किमी प्रति घंटा रही ।

किशोरी का अपहरण , हत्या की आशंका

बोचहा ।थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग किशोरी का फोर व्हीलर से अपहरण किये जाने का मामला प्रकाश में आया है।

पुलिस ने पीड़िता के पिता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर किशोरी की तालाश में जुट गयी है ।किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि बीते 16 फरवरी को करीब 9:30 बजे अपने घर के दरवाजे पर मेरी 16 वर्षीय पुत्री झाड़ू लगा रही थी। इस दौरान अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहा मझौलिया गांव निवासी दिलीप कुमार, रामबली राय, जय किशोर राय, नवल राय चार चक्का वाहन से आया मेरी पुत्री को जबरन उठाकर ले गया । उन्होंने उक्त व्यक्ति द्वारा अपहरण किए गए पुत्री को हत्या किए जाने की आशंका जताई है । थाना अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि युवती के पिता द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस किशोरी की तलाश में जुट गई है।

सिर्फ अपने स्वार्थ की राजनीति करते हैं उपेंद्र कुशवाहा इससे कुशवाहा समाज अति पिछड़ा एवं अन्य लोगों का भला नहीं होने वाला-विनय कुशवाहा

गया ।राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता विनय कुशवाहा ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा की राजनीति सिर्फ अपने लिए होता है। सिर्फ अपने स्वार्थ एवं अपने भले की राजनीति करते हैं उपेंद्र कुशवाहा।

विनय कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का गठन के के उपरांत कुशवाहा समाज के लोगों ने अपना तन मन धन तीनों उपेंद्र कुशवाहा के लिए समर्पित कर दिया था लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने क्या किया ?

हजारों की संख्या में निष्ठावान एवं अपनी पूरी जवानी लगा देने वाले कार्यकताओं को विधानसभा लोकसभा का टिकट नहीं देकर सिर्फ पैसे वाले धनवान लोगों के हाथों टिकट को बेचने का काम किया था। इतना ही नहीं केंद्रीय मानव संसाधन राज्य मंत्री बनने के बाद भी किसी भी कुशवाहा समाज के लोगों का एक भी काम नहीं किया। हजारों की संख्या में कुशवाहा समाज के नेता अपनी जवानी घर परिवार रुपया पैसा रालोसपा को चलाने के लिए उपेंद्र कुशवाहा के आगे झोंक दिया लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने कुशवाहा समाज के लोगों को सिर्फ ठगने का काम किया है। उपेंद्र कुशवाहा की राजनीति सिर्फ अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए हुआ । इन्होंने सिर्फ धन इकट्ठा करने के लिए राजनीति किया था और आज भी सिर्फ इनका मिशन कुशवाहा समाज अति पिछड़ा एवं दलित कार्ड खेलकर लोगों को गुमराह करके अपनी रोटी सेकना है। विगत लोक सभा के चुनाव में पांच टिकट में सिर्फ एक टिकट भूदेव चौधरी को जो पार्टी के वर्कर थे उन्हें दिया था बाकी 2 टिकट पर खुद लड़े और दो टिकट वेच दिए। विधानसभा चुनाव 15 में भी उपेंद्र कुशवाहा ने संघर्ष के दिनों के साथी एवं उपेंद्र कुशवाहा के साथ रात दिन काम करने वाले किसी कार्यकर्ता को टिकट नहीं दिया था और सिर्फ टिकट को पूंजीपतियों के हाथ बेचने का काम किया था।

प्रेग्नेंसी की खबरों पर बोलीं अंकिता लोखंडे..

अंकिता लोखंडे टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी एक्टिंग का कमाल दिखा चुकी हैं। अंकिता दिसंबर 2021 में अपने बॉयफ्रेंड विक्की जैन संग शादी के बंधन में बंधी थीं। इन दिनों अंकिता की प्रेग्नेंसी की खबरें जमकर वायरल हो रही है। अब इन खबरों पर अंकिता ने चुप्पी तोड़ी है। इंटरव्यू के दौरान अंकिता लोखंडे ने कहा, पहले तो सिर्फ शादी की खबरें हो रही थी, फिर तलाक की और अब प्रेग्नेंसी की। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लोग इसके बारे में बात करेंगे, लेकिन जब तक वे अच्छी बात कर रहे हैं, तब तक ठीक है। जैसे ही वे कुछ परेशान करने वाली बात कहते हैं, यह मुझे थोड़ा प्रभावित करता है। अंकिता ने कहा, अगर वे मेरी गर्भावस्था के बारे में बात कर रहे हैं, तो मैं वास्तव में खुश हूं, क्योंकि मैं एक दिन जरूर प्रेग्नेंट होंगी। हालांकि जब ऐसा होगा तब मैं लोगों को ये बता भी दूंगी। अपने पति विक्की जैन को लेकर अंकिता ने कहा, वह एक बहुत ही समझदार पति हैं और किसी भी चीज से ज्यादा, वह मेरे लिए एक दोस्त हैं और वह जानते हैं कि मैं अपने काम से कितना प्यार करती हूं। हम काम पर चर्चा करते हैं और वह मेरी पसंद जानते हैं।

उन्होंने प्रोड्यूसर को पैसे खिला मेरा करियर बर्बाद करने की कोशिश की

बॉलीवुड के बैडमैन कहे जाने वाले गुलशन ग्रोवर ने 80 के दशक में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत की फिल्मों में वह लीड हीरो के दोस्त तो कभी भाई के रोल में नजर आए। लेकिन जब विलेन के किरदार निभाने शुरू किए तो सभी देखते रह गए। तब बॉलीवुड में प्रेम चोपड़ा से लेकर पंकज धीर, मुकेश ऋषि, आशुतोष राणा और रजा मुराद जैसे कई एक्टर्स रहे, जो फिल्मों में विलेन के रोल निभा रहे थे। गुलशन ग्रोवर ने अपने करियर में अच्छा काम किया और खूब नाम कमाया। लेकिन जब हाल ही वह मनीष पॉल के पॉडकास्ट शो में आए तो उन्होंने कई चौंकाने वाले खुलासा किया।

गुलशन ने बताया कि किस तरह एक प्रोड्यूसर ने उन्हें बुलाकर अपनी फिल्म में लीड रोल ऑफर किया था। लेकिन वह रोल एक शर्त पर ऑफर किया गया था। शर्त यह थी कि गुलशन ग्रोवर तब तक किसी और फिल्म में नेगेटिव रोल नहीं करेंगे, जबकि तक उसकी वह फिल्म पूरी नहीं हो जाएगी। गुलशन ग्रोवर ने कहा कि उन्हें फंसाने और रोकने के लिए यह इंडस्ट्री में उनके प्रतिद्वंद्वियों की एक चाल थी। उन्होंने इसके लिए उस प्रोड्यूसर को मोटा पैसा भी खिलाया था। गुलशन ग्रोवर ने वह घटना याद करते हुए कहा, मेरा इंडस्ट्री में सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी नहीं था। कई सारे थे और उन्होंने उस फिल्म के प्रोड्यूसर को पैसे खिलाए थे। लेकिन उस फिल्म के ऑफर से पहले मैंने कई ऐसी फिल्में रिजेक्ट की थीं, जिनमें मुझे हीरो के रोल ऑफर किए गए थे।

मैं रिजेक्टेड हीरो नहीं, खुद से विलेन बना

गुलशन ग्रोवर ने कहा कि उन्होंने हीरो के रोल काफी सोच-समझकर ठुकराए थे। उन्हें हीरो के तौर पर कभी रिजेक्ट नहीं किया गया, बस खुद उन्होंने ही वैसे रोल नहीं करने चाहे। गुलशन ग्रोवर ने बताया कि एक फिल्म थी, जिसमें कमल हासन और पद्मिनी कोल्हापुरे जैसे स्टार्स थे। उस फिल्म में कमल हासन वाला रोल पहले गुलशन ग्रोवर को ऑफर हुआ था। गुलशन ग्रोवर ने कहा, मैं कोई रिजेक्ट किया गया हीरो नहीं हूं। बल्कि मैं खुद अपनी पसंद से विलेन बना हूं। मैं पूरी जिंदगी एक्टिंग करना चाहता हूं और इसलिए मैंने वो रोल चुने जो मुझे ताउम्र मिलते रहेंगे। फिर चाहे मेरी उम्र, मेरा लुक या मेरी पर्सनैलिटी कैसी भी रहे। साथ ही वो रोल भी मिलते रहें, जो बहुत मुश्किल और चैलेंजिंग हों।

प्रभास संग अफेयर पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी, बताया आखिर क्यों थीं अब तक चुप

कृति सेनन कुछ दिनों पहले ही प्रभास से अपनी सगाई को लेकर चर्चा में थीं। हालांकि तब कृति ने सगाई को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब उन्होंने इस पर अपनी बात रखी है। कृति ने कहा है कि वह ऐसे मामलों पर कम से कम रिएक्शन देना चाहती हैं। कृति ने कहा, जनता इन चीजों को याद नहीं रखती। ये चीजें अभी चर्चा में हैं लेकिन धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगी। कृति ने कहा कि वह इन खबरों पर ज्यादा रिएक्ट नहीं करतीं क्योंकि फिर इन्हें बढ़ावा मिलता है। लेकिन जब उन्हें लगता है कि इन खबरों से उनके परिवार पर असर पड़ रहा है या एक सीमा से ज्यादा इन पर बात हो रही है जो उनकी गरिमा और सम्मान पर आंच बन रही है, तब वह इन पर अपनी प्रतिक्रिया देती हैं। तब भी वह अपनी प्रतिक्रिया कम से कम रखती हैं।

कृति सेनन और प्रभास की आदिपुरुष

इन दिनों कृति कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म शहजादा में नजर आ रही हैं। आने वाले दिनों में वह प्रभास के साथ आदिपुरुष में नजर आएंगी। ओम राउत के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान और सनी सिंह भी काम कर रहे हैं।

शहजादा की पहले दिन की कमाई

बता दें शहजादा ने पहले दिन 6 करोड़ की कमाई के साथ खाता खोला। शहजादा के रिव्यू भी मिक्स रहे हैं। अब देखना ये है कि क्या शहजादा बॉक्स ऑफिस पर हिट हो पाती है या नहीं। शहजादा से पहले कृति सेनन वरुण धवन के साथ भेड़िया में नजर आई थीं और ये फिल्म हिट साबित हुई थी।

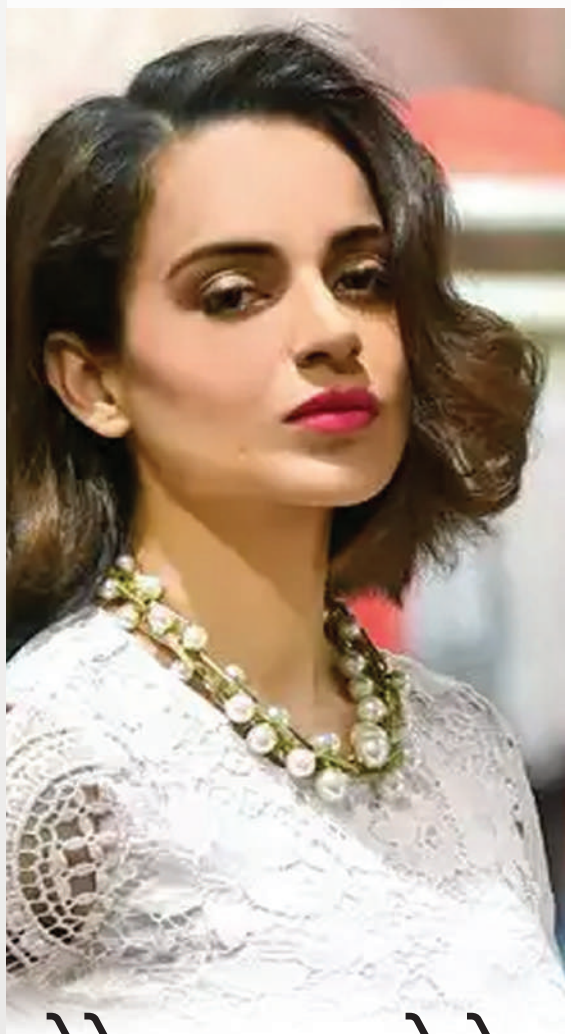

राजामौली के सपोर्ट में आईं कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने हाल ही में कुछ ऐसा किया जिसकी उम्मीद शायद उनके फैंस ने भी उनसे नहीं की थी। कंगना रनौत ने राजामौली को सपोर्ट करते हुए कहा कि हर जगह भगवा झंडा लेकर घूमने की जरूरत नहीं है। बता दें कि अमूमन कंगना रनौत राइट विंग को सपोर्ट करती नजर आती हैं लेकिन इस बार वह इसके बिलकुल विपरीत खड़ी दिखाई पड़ीं।

राजामौली ने हाल ही में एक इंटरव्यू में धर्म और हिंदू धर्मग्रंधों पर खुलकर बात की थी। राजामौली ने कहा कि वह एक वक्त तक बहुत ज्यादा धार्मिक रहे हैं, लेकिन जहां तक आज की बात है तो वह अभी भी नास्तिक नहीं बने हैं। हालांकि महाभारत और रामायण के लिए उनका प्रेम उन ग्रंथों के धार्मिक पहलू से दूर बना हुआ है। राजामौली को उनके बयानों के लिए ट्रोल किया जा रहा था। राजामौली के सपोर्ट में आई कंगना अब कंगना रनौत राजामौली के सपोर्ट में खड़ी नजर आई हैं। कंगना रनौत ने कहा, ओवर एक्ट करने की जरूरत नहीं है। हर जगह भगवा झंडी लेकर घूमने की जरूरत नहीं है। हमारा बर्ताव हमारे शब्दों से कहीं ज्यादा बोलता है। एक गौरवशाली हिंदू पर सभी प्रकार के हमलों, दुश्मनी, ट्रोलिंग और ढेर सारी निगेटिविटी की उम्मीद हमसे की जाती है। कंगना रनौत ने एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए लिखा, हम कलाकार खासतौर पर कमजोर होते हैं, क्योंकि हमें तथाकथित दक्षिण पंथ से भी कोई सपोर्ट नहीं मिलता। हम पूरी तरह से अपने दम पर कायम हैं। इसलिए बैठ जाओ, हिम्मत भी मत करो, मैं राजामौली सर के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करूंगी। वो बारिश में एक लौ की तरह हैं, एक टैलेंटेड और नेशनलिस्ट हैं। उसे पाकर हम धन्य हैं।

बेटे रामचरण को लेकर भावुक हुए चिरंजीवी, बोले- पिता होने के नाते गर्व महसूस कर रहा हूं

साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी बेटे रामचरण को लेकर भावुक नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर हॉलीवुड के लीजेंड्री डायरेक्टर जेम्स कैमरून का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में जेम्स कैमरून फिल्म आरआरआर और रामचरण के कैरेक्टर की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। चिरंजीवी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि अगर जेम्स कैमरून जैसा डायरेक्टर आपकी तारीफ कर रहा है तो ये किसी ऑस्कर से कम नहीं है। उन्होंने लिखा कि एक पिता होने के नाते उन्हें रामचरण पर काफी ज्यादा गर्व है।

फिल्म में राम का कैरेक्टर निभाना चुनौतीपूर्ण था

जेम्स कैमरून ने आरआरआर और रामचरण की तारीफ करते हुए कहा, ये एक शानदार फिल्म है, मैंने अकेले बैठ कर फिल्म देखी थी। फिल्म देखने के बाद मैं भौचक्का था, फिल्म का वीएफएक्स और स्टोरीटेलिंग काफी बेहतरीन थी। कहानी को शेक्सपियर स्टाइल में नरेट किया गया था। फिल्म के एक तिहाई हिस्से में विशेष रूप से राम का कैरेक्टर निभाना बहुत चुनौतीपूर्ण था। उसके दिमाग में क्या चल रहा होता है ये अंत में पता चलता है, और जब पता चलता है तो दिल दहला देता है। ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। हाल ही में मैंने ये बात राजामौली को बताई भी थी।

जेम्स कैमरून की तारीफ ऑस्कर से कम नहीं

जेम्स कैमरून की वीडियो क्लिप को शेयर करते हुए चिरंजीवी ने लिखा, जेम्स कैमरून सर जैसे एक ग्लोबल आइकन और सिनेमैटिक जीनियस अगर आपकी तारीफ कर रहा है तो ये किसी ऑस्कर से कम नहीं है। रामचरण के लिए ये बहुत बड़े सम्मान की बात है। एक पिता के रूप में गर्व महसूस कर रहा हूं क्योंकि यहां तक पहुंचने में उसने काफी मेहनत की है। जेम्स कैमरून का कॉम्प्लिमेंट, रामचरण को आगे बढ़ने के लिए और प्रोत्साहित करेगा।

आरआरआर देख मुरीद हो गए हैं जेम्स कैमरून

एस एस राजामौली की क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड के दौरान लीजेंड्री डायरेक्टर जेम्स कैमरून से मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के दौरान कैमरून ने आरआरआर और राजामौली की काफी तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने ये फिल्म दो बार देखी, पहली बार देखने के बाद मैंने अपने बेटे से कहा है कि उसे भी ये फिल्म देखना चाहिए। इसके बाद मैंने बेटे के साथ दूसरी बार ये फिल्म देखी।

संक्षिप्त खबरें

बीते साल म्यूचुअल फंड कंपनियों का नई योजनाओं से संग्रह 38 प्रतिशत घटकर 62,000 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड कंपनियों के नई योजनाओं (एनएफओ) से संग्रह में बीते साल गिरावट आई है। संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) ने 2022 में एनएफओ से कुल 62,000 करोड़ रुपये का संग्रह किया, जो 2021 की तुलना में 38 प्रतिशत की गिरावट है। हालांकि, बीते साल म्यूचुअल फंड कंपनियों ने अधिक संख्या में नई योजनाएं पेश कीं। बीते साल कुल 228 नई योजनाएं लाई गईं। यह 2021 के 140 के आंकड़े से कहीं अधिक है। आंकड़ों से पता चलता है कि बीते साल कोष प्रबंधकों ने निश्चित आय की श्रेणी पर ध्यान केंद्रित किया। पिछले साल की तुलना में 2022 में निश्चित आय की एनएफओ की संख्या दोगुना हो गई। आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर साल 2022 में 179 ओपन-एंड फंड और 49 क्लोज्ड-एंड फंड पेश किए गए। इनके जरिये कुल 62,187 करोड़ रुपये जुटाए गए। वहीं 2021 में 140 एनएफओ के जरिये 99,704 करोड़ रुपये की राशि जुटाई गई थी। 2020 में 81 नई योजनाओं के जरिये 53,703 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

बिजली मंत्रालय का पम्प स्टोरेज परियोजनाओं के लिए कर छूट, सस्ती जमीन का प्रस्ताव

नई दिल्ली। भारत में पंप स्टोरेज हाइड्रोपावर परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए बिजली मंत्रालय ने कर छूट, सुगम पर्यावरण मंजूरी समेत रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराने जैसे प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय ने पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) पर दिशानिदेर्शों का मसौदा जारी करते हुए 15 दिन के अंदर दो मार्च, 2023 तक राज्यों के साथ-साथ सरकारी और निजी कंपनियों के विचार मांगे हैं। मंत्रालय ने अपने दिशानिदेर्शों में कहा कि ग्रिड स्थिरीकरण में पीएसपी की अत्यधिक उपयोगिता को देखते हुए और बिजली की चरम मांग को पूरा करने के लिए, पीएसपी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक स्वतंत्र दिशानिर्देश जारी करने की जरूरत महसूस हुई, जिससे इसके विकास के लिए निर्देश तय किए जाएं। केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईओ) का अनुमान है कि भारत में नदी पर पंप भंडारण की क्षमता 103 गीगावॉट है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में नदी से अलग पंप भंडारण की क्षमता भी उपलब्ध है। मंत्रालय के अनुसार, फिलहाल आठ परियोजनाएं (4,745.60 मेगावाट) संचालित हैं, चार परियोजनाएं (2,780 मेगावाट) निमार्णाधीन हैं और 24 परियोजनाएं (26,630 मेगावाट) राज्यों द्वारा आवंटित की गई हैं, जो विभिन्न चरणों में हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 8.32 अरब डॉलर घटकर 566.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी कमी आने से 10 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.32 अरब डॉलर कम होकर 566.9 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 1.5 अरब डॉलर घटकर 575.3 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 10 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 7.1 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 500.6 अरब डॉलर पर आ गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 91.9 करोड़ डॉलर की कमी आई और यह गिरकर 42.9 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 19 करोड़ डॉलर की गिरावट आई।

बीते सप्ताह अधिकांश खाद्य तेल, तिलहन कीमतों में मिला-जुला रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में कारोबार का मिला-जुला रुख रहा। सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में जहां पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट दर्ज हुई, वहीं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में सुधार रहा। बाकी तेल-तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे।

बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में मंडियों में सरसों की आवक शुरू होने के बीच सरसों तेल-तिलहन में नुकसान दर्ज किया गया। साल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने भी कहा है कि नवंबर से शुरू होने वाले नये तेल वर्ष के पहले तीन महीनों में जिस कदर काफी अधिक मात्रा में सॉफ्ट ऑयल (सूरजमुखी तेल) का आयात हो चुका है और उससे अगले चार महीनों तक तेल की कमी नहीं होने वाली है। इस साल लोगों ने खाद्य तेल मामले में इतनी मार खायी है कि कोई शायद ही इसका भंडारण करे क्योंकि वे अब जोखिम लेने की स्थिति में नहीं रह गये हैं।

सूत्रों ने कहा कि मंडियों में नई फसल की आवक बढ़ने के बीच सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही। जबकि आयात बढ़ने और और ब्राजील में सोयाबीन के बंपर उत्पादन की खबर के बाद यहां सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतें भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट के साथ बंद हुईं। मूंगफली तो अब ह्वाइट फ्रूटलू जैसा हो चला है और मांग होने से इसमें सुधार है। दूसरी ओर पिछले सप्ताह मलेशिया एक्सचेंज में सुधार रहने से सीपीओ और पामोलीन तेल के भाव में समीक्षाधीन सप्ताह में मामूली सुधार रहा।

सूत्रों ने कहा कि एक तेल विशेषज्ञ ने अपनी राय दी है जो सही भी है कि जब विदेशों में सूरजमुखी तेल के दाम 2,450-2,500 डॉलर प्रति टन का था तो आयात शुल्क 5.50 प्रतिशत लगाया जा रहा था मगर आज जब विदेशों में इस तेल का दाम 1,215 डॉलर प्रति टन रह गया है तो कोई आयात शुल्क नहीं लग रहा है। यह अजीबोगरीब बात है। देश के बाजारों

में सूरजमुखी बीज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 25 प्रतिशत नीचे बिक रहा है। इसी आयात शुल्क के बेमौसम घट-बढ़ के कारण जिस देश में वर्ष 1993-94 के दौरान सूरजमुखी का उत्पादन 26.70 लाख टन का हुआ करता था मौजूदा समय में वह घटकर 2.70 लाख टन रह गया है। आयात शुल्क में अनिश्चितता बने रहने के कारण किसानों ने धीरे-धीरे सूरजमुखी की खेती से ही हाथ खींच लिए। अगर यही हाल बना रहा तो बाकी उत्पादन भी प्रभावित होने का खतरा है। वर्ष 1992-1993 में देश कभी तेल तिलहन मामले में लगभग आत्मनिर्भर हो गया था लेकिन असमंजस वाली नीतियों के कारण आज देश की आयात पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। सूत्रों ने कहा कि देश में दूध का कारोबार अभिन्न रूप से तेल-तिलहन उद्योग से नजदीक से जुड़ा हुआ है। वर्ष 1971-72 में सरकारी बिक्री वाले दूध का दाम 58 पैसे लीटर था अभी यह दाम 50-55 रुपये लीटर है। वर्ष 1971-72 में खाद्य तेलों का थोक दाम 6-7 रुपये किलो था जो औसत थोक दाम अब लगभग 105-110 रुपये किलो है। इन्हें प्रतिशत में देखा जाये तो जिस रफ्तार से दूध के दाम बढ़े हैं खाद्य तेल के दाम उस गति से नहीं बढ़े। सूत्रों ने कहा कि भविष्य में खाद्य तेलों को बेलगाम होने से बचाने के लिए सरकार को आयात शुल्क को घटाने या बढ़ाने के बजाय निजी कारोबारियों के माध्यम से खाद्य तेलों का आयात कर उनका प्रसंस्करण करने के बाद सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिये बिकवाना चाहिये ताकि आम उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल सके।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 70 रुपये टूटकर 5,835-5,885 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल भी समीक्षाधीन सप्ताहांत में 100 रुपये घटकर 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 20-20 रुपये घटकर क्रमशः 1,950-1,980 रुपये और 1,910-2,035 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं।

सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव भी क्रमशः 20-20 रुपये घटकर क्रमशः 5,450-5,580 रुपये और 5,190-5,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी तरह समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 110 रुपये, 70 रुपये और 50 रुपये टूटकर क्रमशः 12,350 रुपये, 12,080 रुपये और 10,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि मलेशिया में तेल के दाम में सुधार के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) में 200 रुपये की मजबूती आई और यह 8,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

तीसरी तिमाही में सरकारी बैंकों में ऋण वृद्धि के मामले में बैंक आफ महाराष्ट्र का प्रदर्शन सबसे अच्छा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 2022-23 की तीसरी तिमाही में ऋण वृद्धि के मामले में बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के ताजा वित्तीय नतीजों के आकलन से यह तथ्य सामने आया है। पुणे के बैंक ऑफ महाराष्ट्र की कुल ऋण वृद्धि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 21.67 प्रतिशत रही है। प्रतिशत के लिहाज से ऋण वृद्धि के मामले में पिछली 10 तिमाहियों से बैंक ऑफ महाराष्ट्र का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। कोविड महामारी के दबाव के बावजूद बैंक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ऋण वृद्धि के मामले में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर 19.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का स्थान रहा। देश का सबसे बड़ा ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 16.91 प्रतिशत की ऋण वृद्धि के साथ चौथे स्थान पर है। हालांकि, मात्रा के हिसाब से देखें तो एसबीआई का कुल कर्ज बीओएम के 1,56,962 करोड़ रुपये के ऋण की तुलना में लगभग 17 गुना अधिक यानी 26,47,205 करोड़ रुपये रहा। खुदरा-कृषि-एमएसएमई (आरएएम) ऋण के संदर्भ में बीओएम ने 19.18 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की है। इसके बाद पंजाब एंड सिंध बैंक ने 19.07 प्रतिशत और बैंक ऑफ बड़ौदा ने वार्षिक आधार पर 18.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के मोर्चे पर भी बीओएम और एसबीआई का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। 31 दिसंबर, 2022 तक कुल कर्ज पर बीओएम और एसबीआई का एनपीए क्रमशः 2.94 प्रतिशत और 3.14 प्रतिशत रहा। वहीं इन दोनों बैंकों का शुद्ध एनपीए क्रमशः 0.47 प्रतिशत और 0.77 प्रतिशत रहा।

एयर इंडिया के लिए बेड़े में विस्तार एक जरूरत है : पूर्व प्रमुख तुलसीदास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में लगभग दो दशक पहले सरकार के स्वामित्व वाली एयर इंडिया का विमानों का बेड़ा बहुत छोटा था और उसमें भी बार-बार खराबी आने की आशंका बनी रहती थी। तब, विमानों को पट्टे पर लिया गया और बाद में एयरलाइन ने 111 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया।

एयर इंडिया द्वारा 470 नए विमानों की खरीद का ऑर्डर देने के बीच इस एयरलाइन कंपनी के पूर्व प्रमुख वी. तुलसीदास ने कहा कि बेड़े में विस्तार की जरूरत है, जिससे लंबे समय से चली आ रही इस शिकायत को दूर करने में मदद मिलेगी कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले अधिकांश भारतीय विदेशी एयरलाइंस से यात्रा करते हैं। तुलसीदास दिसंबर, 2003 से मार्च, 2008 तक एयर इंडिया के प्रमुख रहे थे। हालिया ऑर्डर से पहले एयर

इंडिया ने अंतिम बार विमान खरीद का ऑर्डर 2005 में तुलसीदास के कार्यकाल में ही दिया था। तब 111 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया गया था।

अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्रों के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में ऐसे कई केंद्र हो सकते हैं क्योंकि भारत में अब विश्वस्तरीय हवाई अड्डे और मजबूत एयरलाइंस हैं। तुलसीदास ने कहा, हमने ही सिंगापुर, दुबई और अन्य स्थानों को अंतरराष्ट्रीय केंद्र दिए हैं। इसकी वजह यह रही कि हमारे पास अच्छे हवाई अड्डे और बड़ी तथा मजबूत एयरलाइंस नहीं थीं। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास विश्वस्तरीय हवाई अड्डे हैं। हमारे एयरलाइन अब काफी मजबूत हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी भारी गिरावट के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्ताहांत पर लंदन ब्रेंट क्रूड लुढ़ककर 83.00 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.75 प्रतिशत की गिरावट लेकर 76.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पांच महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहेः-

महानगर.....पेट्रोल.....डीजल .....(रुपए प्रति लीटर)

दिल्ली.....96.72.....89.62
मुंबई .....106.31.....94.27
कोलकाता .....106.03.....92.76
चेन्नई.....102.63.....94.24

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में पांच कंपनियो का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 95,337.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 319.87 अंक या 0.52 प्रतिशत के लाभ में रहा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, आईटीसी और भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में भी बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार

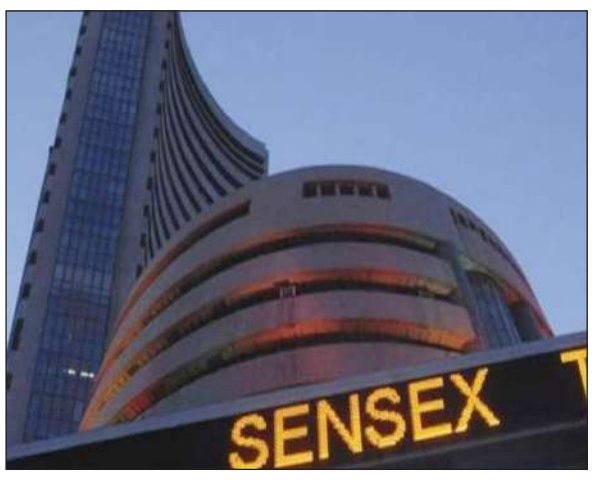

पूंजीकरण में गिरावट आई।

समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 70,023.18 करोड़ रुपये बढ़कर 16,50,677.12 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 14,834.74 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,75,767.12 करोड़ रुपये रही।

आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 6,034.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी से 6,01,920.14 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 3,288.43 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,32,763.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 1,157.09 करोड़ रुपये बढ़कर 4,92,237.09 करोड़ रुपये रही।

वहीं दूसरी ओर एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 19,678.77 करोड़ रुपये घटकर 4,73,807.64 करोड़ रुपये रह गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 14,825.92 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,90,933.95 करोड़ रुपये पर आ गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 13,099.41 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 12,80,539.91 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 10,309.8 करोड़ रुपये घटकर 6,66,328.56 करोड़ रुपये पर आ गया।

एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में 14.3 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,23,919.15 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

एफपीआई ने बीते सप्ताह शेयरों में 7,600 करोड़ रुपये से अधिक डाले

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार की ओर स्थानांतरित हुआ है। बीते सप्ताह एफपीआई ने शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 7,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले सप्ताह (सात से 12 फरवरी) के दौरान एफपीआई ने 3,920 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ह्वह्यबाजार के अडाणी के झटकों से उबरने के साथ ही एफपीआई का प्रवाह सुधरा है। भारतीय शेयर बाजारों की तरफ उनका रुझान फिर बढ़ा है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के विजयकुमार ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जनवरी की शुरूआत से भारत में जो सतत बिकवाली का सिलसिला शुरू हुआ था वह अब बंद हो गया है। हालांकि, एफपीआई उच्चस्तर पर फिर बिकवाली कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 17 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफपीआई ने शुद्ध रूप से 7,666 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। श्रीवास्तव ने कहा कि स्थिर अर्थव्यवस्था, मजबूत वृहद आंकड़े और ऊंची वृद्धि की संभावना के बीच एफपीआई अब मूल्यांकन और अन्य चिंताओं से अलग हटकर देखने को तैयार हैं। इस साल की शुरूआत से 10 फरवरी तक एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 38,524 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इसमें जनवरी में उनके द्वारा की गई 28,852 करोड़ रुपये की बिकवाली भी शामिल है। इस साल अबतक एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 30,858 करोड़ रुपये निकाले हैं। वहीं इस दौरान उन्होंने ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 5,944 करोड़ रुपये डाले हैं।

शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह वैश्विक रुख से तय होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने के करीब है। ऐसे में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा काफी हद तक विदेशी संकेतकों तथा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से भी इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, वैश्विक रुख और वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। हालांकि, एफपीआई ने पिछले कुछ दिन में खरीदारी में दिलचस्पी दिखाई है। पिछले सप्ताह थोक में कुछ खरीद हुई थी। ऐसे में बाजार की दृष्टि से उनका रुख महत्वपूर्ण रहेगा।

एफपीआई पिछले सप्ताह शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने सप्ताह के दौरान शुद्ध रूप से 7,600 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इससे पिछले सप्ताह (7 से 12 फरवरी) के दौरान

उन्होंने 3,920 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। सप्ताह के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (तकनीकी शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ह्वह्यसभी प्रमुख घटनाक्रम पीछे छूट चुके हैं। ऐसे में भविष्य के संकेतकों के लिए वैश्विक बाजार विशेषरूप से अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और रुपये की चाल से भी बाजार को दिशा मिलेगी।

पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 319.87 अंक या 0.52 प्रतिशत के लाभ में रहा। प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने के बीच एफपीआई की लिवाली से बीते सप्ताह बाजार की धारणा सकारात्मक रही।

वैश्विक रुख और वायदा सौदा निपटान से बाजार में रहेगा उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक बाजार के कमजोर रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह आधी फीसदी की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार में अगले सप्ताह वैश्विक रुख और मासिक वायदा सौदा निपटान से उतार-चढ़ाव रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 262.3 अंक अर्थात 0.43 प्रतिशत की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 61002.57 अंक पर टिकने में सफल रहा। हालांकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 87.7 अंक यानी 0.5 प्रतिशत की बढ़त लेकर भी सप्ताहांत पर 18 हजार के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 17944.20 अंक पर रहा। वहीं, समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई

की मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली की दबाव रहा। सप्ताहांत पर मिडकैप 205.17 अंक उतरकर 24685.27 अंक और स्मॉलकैप 216.65 अंक टूटकर 28046.40 अंक पर आ गया।

विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह भी बाजार सीमित दायरे में ही रहा। हालांकि, निफ्टी ने इस सीमा से बाहर निकलने की कोशिश की लेकिन सप्ताह के अंत में वह वापस 18 हजार अंक से नीचे आ गया।

वर्तमान में अमेरिका में जारी रोजगार का मजबूत आंकड़ा, उच्च अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और अल्पावधि में इक्विटी निवेशकों की निवेश धारणा का मार्गदर्शन करने वाले डॉलर इंडेक्स के साथ वैश्विक संकेत थोड़े अस्थिर हैं। वैश्विक रुझान और फरवरी का वायदा सौदा निपटान के कारण अगले सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है। वहीं, एफआईआई ने पिछले कुछ दिनों में खरीददारी में कुछ दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन पिछले सप्ताह कुछ ब्लॉक लिवाली हुई थी इसलिए उनका निवेश प्रवाह बाजार के महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ की रूस और यूक्रेन के हालात पर भी बाजार की नजर रहेगी।

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, कमोडिटीज और रियल्टी समेत पंद्रह समूहों में हुई बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 250.86 अंक की गिरावट लेकर 60431.84 अंक और निफ्टी 85.60 अंक टूटकर 17770.90 अंक पर रहा।

वहीं, अमेरिका में महंगाई के आंकड़े जारी होने से पहले वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटीसी, रिलायंस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसी दिग्गज कंपनियों में हुई लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 600.42 अंक की उड़ान भरकर लगभग एक महीने बाद 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 61032.26 अंक और निफ्टी 158.95 अंक की तेजी लेकर 17929.85 अंक पर रहा।

इसी तरह वैश्विक बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, रियल्टी, ऑटो, आईटी और टेक समेत पंद्रह समूह में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 242.83 अंक की छलांग लगाकर 61,275.09 अंक और निफ्टी 86 अंक की बढ़त लेकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 18,015.85 अंक पर पहुंच गया।

वहीं, वैश्विक बाजार की तेजी के प्रभाव से स्थानीय स्तर पर आईटी, इंडस्ट्रियल्स, धातु, टेक और कमोडिटीज समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 44.42 अंक चढ़कर 61319.51 अंक और निफ्टी 20 अंक बढ़कर 18035.85 अंक पर पहुंच गया।

दिल्ली टेस्ट : जडेजा ने पंजा खोला, ऑस्ट्रेलिया 113 पर सिमटी

रवींद्र जडेजा ने लिए 7 विकेट, अश्विन के नाम 3 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 115 रनों का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलियाई पारी आज तीसरे दिन लंच से पहले ही 113 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 263 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 262 रन बनाए, पहली पारी के आधार पर भारत को 1 रन की बढ़त मिली थी। तीसरे दिन रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने अपने कल के स्कोर 1 विकेट पर 61 रन से आगे खेलना शुरू किया। कल के अविजित बल्लेबाज ट्रेविस हेट अपने कल के स्कोर में केवल 4 रन और जोड़कर अश्विन का शिकार बने। हेड ने 43 रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी ताॅश के पत्तों की तरह ढह गई और पूरी टीम 113 रनों पर सिमट गई और भारत को जीत के लिए 115 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ट्रेविस हेड ने 43 और मार्नस लाबुशेन ने 35 रन बनाए। भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा ने सात और रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट लिए। दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 262 रन बनाए। भारत के लिए अक्षर पटेल ने 74 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। अक्षर के अलावा विराट कोहली ने 44, रविचंद्रन अश्विन ने 37 और कप्तान रोहित शर्मा ने 32 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 1 रन की बढ़त मिली। दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 1 विकेट पर 61 रन बनाए। दूसरे दिन ट्रेविस हेड 39 और

मार्नस लाबुशेन 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरूआत की। खासकर ट्रेविस हेड ने आक्रामक रुख अख्तियार किया। हालांकि 23 के कुल स्कोर पर रवींद्र जडेजा ने भारत को पहली सफलता दिलाई। जडेजा की गेंद पर उस्मान ख्वाजा (06) का श्रेयस अय्यर ने बेहतरीन कैच पकड़ा। ख्वाजा के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने मार्नस लाबुशेन ने भी दूसरे छोर से आक्रमण शुरू कर दिया और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 10वें ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए। इन दोनों ने 5 से अधिक के रन रेट से रन बनाए।

इससे पहले भारतीय टीम चाय के कुछ देर बाद 262 रनों पर ऑल आउट हो गई। भारत के लिए अक्षर पटेल ने 74 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। अक्षर के अलावा विराट कोहली ने 44, रविचंद्रन अश्विन ने 37 और कप्तान रोहित शर्मा ने 32 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 1 रन की बढ़त मिली। भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल ने सधी शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। 46 के कुल स्कोर पर नाथन ल्योन ने राहुल को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। 53 के कुल स्कोर पर ल्योन ने कप्तान रोहित को भी चलता कर भारत को दूसरा झटका दिया। रोहित ने 32 रन बनाए। चेतेश्वर पुजारा कुछ खास नहीं कर सके और बिना खाता खोले ल्योन का तीसरा शिकार बने। श्रेयस अय्यर भी आज असफल रहे और केवल चार रन बनाकर ल्योन का चौथा शिकार बने। इसके बाद जडेजा और कोहली ने पांचवें विकेट के लिए 129 गेंदों पर 59 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को तोड़ा टॉड मर्फी ने। मर्फी ने जडेजा को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। जडेजा ने 74 गेंदों पर 26 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। 135 के कुल स्कोर पर मैथ्यू कुह्नमैन ने विराट कोहली को आउट कर भारतीय टीम को बड़ा झटका दिया। कोहली ने 44 रन बनाए। 139 के कुल स्कोर पर ल्योन ने श्रीकर भरत (06) को आउट कर मैच में अपना पांचवां विकेट लिया। इसके बाद अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन ने आठवें विकेट के लिए 144 रनों की शतकीय साझेदारी कर भारतीय टीम को मैच में वापसी दिला दी। 80 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया ने नई बॉल ली, जिसका फायदा भी उसे तुरंत मिल गया और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने 253 के कुल स्कोर पर अश्विन को आउट कर भारत को आठवां झटका दिया। अश्विन ने 71 गेंदों में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए। 259 के कुल स्कोर पर टॉड मर्फी ने अक्षर पटेल को पैट कमिंस के हाथों कैच कराकर भारत को नौवां झटका दिया। अक्षर ने 115 गेंदों पर 74 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। कुह्नमैन ने 262 को स्कोर पर शमी (02) को बोल्ड कर भारतीय पारी का अंत किया। मोहम्मद सिराज 1 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन ल्योन ने पांच, टॉड मर्फी और मैथ्यू कुह्नमैन ने 2-2 व पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 263 रनों पर सिमट गई।

जडेजा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, भारत ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनायी

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा (42/7) और रविचंद्रन अश्विन (59/3) की घातक स्पिन जोड़ी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में रविवार को छह विकेट से मात देकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पहली पारी में एक रन की बढ़त लेने वाली ऑस्ट्रेलिया मैच के तीसरे दिन सिर्फ 113 रन पर ऑलआउट हो गयी। भारत ने 115 रन का लक्ष्य चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया को इस मामूली से स्कोर पर आउट करने के लिये अश्विन ने ट्रैविस हेड का विकेट लेकर दिन की शुरुआत की। इसके बाद जडेजा ने सात बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम को 113 रन पर समेट दिया। यह जडेजा के टेस्ट क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड के विरुद्ध 2016 में 48 रन देकर सात विकेट चटकाये थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल का विकेट मात्र एक रन पर गंवा दिया, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने 31 (20) रन की पारी खेलकर भारत की स्थिति मजबूत कर दी। रोहित का विकेट गिरने के बाद विराट कोहली ने 20 रन और श्रेयस अय्यर ने 12 रन का योगदान दिया। श्रीकर भरत 23 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि अपना 100वां टेस्ट खेल रहे चेतेश्वर पुजारा (31 नाबाद) ने विजयी रन बनाकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत के लिये पारी की शुरूआत करने उतरे राहुल दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हुए। उन्होंने नेथन लायन की गेंद को लेग साइड में खेला, लेकिन वह शॉर्ट लेग पर खड़े हुए पीटर हैंड्सकॉम्ब के पांव से छिटककर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के दस्तानों में समा गयी।

संक्षिप्त खबरें

बैडमिंटन एशियाई मिश्रित टीम चैम्पियनशिप: चीन से हारा भारत, कांस्य पदक जीता

दुबई। भारत का अभियान बैडमिंटन एशियाई मिश्रित टीम चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में चीन से 2-3 की पराजय से समाप्त हुआ लेकिन देश कांस्य पदक जीतने में सफल रहा। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में यह भारत का पहला पदक है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक मिलता है। भारत की युगल टीमों ने प्रेरणादायी प्रदर्शन कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देकर जीत हासिल की। एच एस प्रणय को शुरूआती पुरूष एकल मैच में महज 45 मिनट में लेई लान जि से 13-21, 15-21 से और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को महिला एकल मैच में एक घंटे 10 मिनट में गाओ फांग जि से हार का सामना करना पड़ा। इससे भारतीय टीम 0-2 से पीछे थी। पर युगल टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। ध्रुव कपिला और चिराग शेट्टी की पुरूष युगल जोड़ी ने फिर जिन टिंग और झोऊ हाओ डोंग को 21-19,21-19 से मात दी। तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने लियू शेंग शु और टान निंग की जोड़ी को 21-18 13-21 21-19 से हराकर स्कोर 2-2 किया। फिर सभी की निगाहें ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी पर लगी थीं लेकिन जियांग झेन बांग और वेई या जिन निर्णायक मैच में कहीं मजबूत साबित हुए और उन्होंने इसे महज 34 मिनट में 21-17 21-13 से जीत लिया। भारत ने शुक्रवार को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पहला पदक सुनिश्चित किया था।

लीग चरण के अपने अंतिम मैच में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगी मुम्बई सिटी एफसी

मुंबई, एजेंसी

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 में मुम्बई सिटी एफसी लीग चरण का अपना आखिरी मैच रविवार शाम अपने घरेलू मैदान मुम्बई फुटबॉल एरिना में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ खेलेगी। आइलैंडर्स को इस मैच के बाद अपने घरेलू समर्थकों के सामने हीरो आईएसएल 2022-23 लीग विनर्स शील्ड के साथ प्रदान की जाएगी, जो कि उन्हें इतिहास में दूसरी बार मिल रही है। दो हफ्ते पहले एफसी गोवा के खिलाफ जीत के साथ पहला स्थान पक्का करने के साथ ही आइलैंडर्स ने इस सीजन में कई रिकॉर्ड तोड़े। अपना लीग अभियान समाप्त करने के बाद आइलैंडर्स 14 दिन बाद सेमीफाइनल के पहले चरण के लिए इसी मैच स्थल पर लौटेंगे। मुम्बई सिटी एफसी का लीग चरण में अपराजित रहने का सिलसिला उस समय समाप्त हो गया, जब उसको बुधवार को बेंगलुरू में खेले अपने पिछले मैच में पहली हार का सामना करना पड़ा। बेंगलुरू एफसी ने 2-1 से जीत हासिल करके मुम्बई को उसकी पहली हार दी। ग्रेग स्टीवर्ट को वार्म-अप के दौरान लगी टखने की चोट के कारण लीग लीडर्स को पिछले मैच से ठीक पहले बदलाव करना पड़ा। अल्बर्टो नोगुएरा ने उनकी जगह ली। स्टीवर्ट को चोट के कारण इस मैच में विश्राम दिया जा सकता है। इसका मतलब है कि आइलैंडर्स प्लेऑफ से पहले अपनी बेंच परख सकते हैं। मुख्य कोच डेस बकिंघम ने कहा, हमें वास्तव में इस मुकाबले के लिए उत्साहित हूं। यह हमारे लिए सीजन को मजबूती से खत्म करने का मौका है। एक क्लब के तौर पर हमने क्या हासिल किया है, यह देखने के लिए हमें पिछले दस महीनों में एक नजर डालनी होगी। ईस्ट बंगाल एफसी प्लेऑफ की दौड़ में नहीं है, लेकिन फिर से अपना नौवां स्थान हासिल करने की कोशिश करेगी, जिसे उससे जमशेदपुर एफसी ने आज छीन लिया है। दोनों के अंक बराबर हैं। लेकिन गोल अंतर में टॉर्च बियरर्स पिछड़ रहे हैं। पिछले सप्ताहांत, ईस्ट बंगाल एफसी को चेन्नइयन एफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। टॉर्च बियरर्स ने अपने पिछले तीन हीरो आईएसएल मैचों में चार गोल किए हैं, लेकिन पिछले मुकाबले में वे स्कोर नहीं कर पाए थे। ब्राजीली स्ट्राइकर क्लिटन सिल्वा लीग के अब तक के शीर्ष गोल स्कोरर हैं, जिन्होंने 18 मैचों में 12 गोल किए हैं। टॉर्च बियरर्स के हेड कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन ने कहा, उन्होंने एक हफ्ते पहले लीग शील्ड जीती थी और मुझे पूरा यकीन है कि वे बेंगलुरू एफसी के खिलाफ हारना नहीं चाहते थे। मैं उनसे दमदार खेल दिखाने और पेशेवर होने की उम्मीद करता हूं, जो कि टीम और उनके कोच का ट्रेडमार्क है।

अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में अलकराज के सामने नॉरी की चुनौती

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में बर्नबी जपाटा मिरालेस को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की जहां उनका सामना कैमरून नॉरी से होगा। स्पेन के दो खिलाड़ियों के बीच हुए सेमीफाइनल मुकाबले में शनिवार को अलकाराज ने 6-2, 6-2 की आसान जीत दर्ज की। अलकाराज अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे है। फाइनल में उनके सामने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त नॉरी की चुनौती होगी। नॉरी ने एक अन्य सेमीफाइनल में जुआन पाब्लो वरिलास को 7-6 (5), 6-4 से हराया। नॉरी दुनिया ने रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी अलकाराज को अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में हराया था है लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए चार मैचों में यह उनकी इकलौती जीत है।

एंडरसन और ब्रॉड ने न्यूजीलैंड को सस्ते में समेट इंग्लैंड को बड़ी जीत दिलायी

माउंट मोनगानुई, एजेंसी। अनुभवी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने पहले दिन-रात्रि टेस्ट मैच में चौथे दिन रविवार को न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में चार-चार विकेट झटक कर इंग्लैंड को 267 रन से बड़ी जीत दिला दी। स्टुअर्ट ब्रॉड (49 रन पर चार विकेट) ने तीसरे दिन ही न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाजों को बोल्ड कर घरेलू टीम का स्कोर पांच विकेट पर 63 रन कर दिया था। एंडरसन (18 रन पर चार विकेट) ने मैच के चौथे दिन चार विकेट चटकाये। उन्होंने चाय के विश्राम से 15 मिनट पहले 11वें नंबर के बल्लेबाज ब्लेयर टिकनर (आठ) को बोल्ड कर इंग्लैंड को यादगार जीत दिला दी। चौथी पारी में जीत के लिए 394 रन का विशाल स्कोर का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड 127 रन पर ऑल आउट हो गया। एंडरसन और ब्रॉड की जोड़ी ने 103 टेस्ट मैच में 1009 विकेट लेने का नया रिकॉर्ड कायम किया। यह रिकॉर्ड पहले ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा और शेन वार्न की जोड़ी के नाम था जिन्होंने मिलकर 104 टेस्ट में 1001 विकेट झटके थे। इंग्लैंड ने दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड ने शनिवार को 28 रन पर पांच विकेट गंवा दिया था। दिन के शुरूआती सत्र में जैक लीच ने माइकल ब्रेसवेल को चलता कर डेरिल मिशेल के साथ उनकी 40 रन की साझेदारी का तोड़ा। ब्रेसवेल कल के अपने 25 रन के स्कोर में कोई इजाफा नहीं कर सके। मिशेल ने एक छोर से रन बन रहे थे तो दूसरे छोर से विकेटों का पतन जारी रहा। मिशेल ने 101 गेंद की पारी में छह चौके और दो छक्के की मदद से 57 रन पर नाबाद रहे।

सौराष्ट्र ने दूसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब, बंगाल को नौ विकेट से हराया

कोलकाता, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी 2023 के फाइनल में सौराष्ट्र ने बंगाल को नौ विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही यह टीम पिछले तीन सीजन में दूसरी बार चैंपियन बनी है। फाइनल मैच में जयदेव उनादकट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को खिताब जिताया है। फाइनल मुकाबले में बंगाल ने पहली पारी में 174 रन बनाए थे। इसके जवाब में सौराष्ट्र ने 404 रन जड़ दिए। वहीं, बंगाल की टीम दूसरी पारी में 241 रन ही बना पाई। ऐसे में सौराष्ट्र ने दूसरी पारी एक विकेट खोकर 14 रन बनाए और फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने नौ विकेट लिए और अपनी टीम को चैंपियन बनाया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। वहीं, पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले अर्पित वसवदा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और शानदार शुरूआत की। चेतन साकरिया और उनादकट ने मिलकर दो रन के स्कोर पर सौराष्ट्र के तीन बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद भी सौराष्ट्र के विकेट गिरते रहे और 65 रन पर छह बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। इसके बाद शाहबाज अहमद और अभिषेक पोरेल ने 101 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला और टीम का स्कोर 166 रन तक ले गए। शाहबाज 69 और अभिषेक 50 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों के अलावा अनुस्तुप मजूमदार (16) और आकाश घातक (17) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए। बंगाल के तीन बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाए। बंगाल ने पहली पारी में 174 रन बनाए। सौराष्ट्र के लिए जयदेव उनादकट और चेतन साकरिया ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, चिराग जनी और धर्मेंद्र सिंह जडेजा को दो-दो विकेट मिले। बंगाल को 174 रन पर समेटने के बाद सौराष्ट्र ने शानदार बल्लेबाजी की। हार्विक देसाई, जैक्सन वसवदा और चिराग जनी ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। कप्तान उनादकट, जय गोहिल और चेतन साकरिया ही ऐसे खिलाड़ी थे, जो दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंचे। पूरी टीम के शानदार प्रयास के दम पर सौराष्ट्र ने 404 रन का स्कोर खड़ा किया और पहली पारी में निर्णायक बढ़त ले ली। बंगाल के लिए मुकेश कुमार ने चार और आकाशदीप ईशान पोरेल ने तीन-तीन विकेट लिए। दूसरी पारी में बंगाल ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया और 241 रन बनाए। अनुस्तुप मजूमदार और कप्तान मनोज तिवारी ने अर्धशतक लगाए, लेकिन बंगाल को मैच में वापस लाने के लिए यह काफी नहीं था। जयदेव उनादकट ने छह और चेतन साकरिया ने तीन विकेट लेकर बंगाल को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोका। चौथे दिन सौराष्ट्र के सामने काफी छोटा लक्ष्य था और सौराष्ट्र ने एक विकेट खोकर 14 रन बना लिए और दूसरी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया।

विश्वकप सेंट जॉर्ज पार्क में इंग्लैंड ने पहले खेलते हुये सात विकेट खोकर 151 रन बनाये। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर के खेल में पांच विकेट पर 140 रन ही बना सकी....

रेणुका के पंजे के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ भारत 11 रन से हारा

गेकेबेरा, एजेंसी

रेणुका सिंह (15 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना (52) के शानदार अर्धशतक और रिचा घोष (47) की धाकड़ नाबाद पारी के बावजूद भारत महिला टी-20 विश्वकप में जीत की हैट्रिक पूरी करने की तमन्ना को पूरी नहीं कर सका और इंग्लैंड की कसी हुयी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण की बदौलत उसे 11 रन से हार का सामना करना पड़ा। सेंट जॉर्ज पार्क में इंग्लैंड ने पहले खेलते हुये सात विकेट खोकर 151 रन बनाये। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर के खेल में पांच विकेट पर 140 रन ही बना सकी। इससे पहले भारतीय लड़कियों ने पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल कर विश्वकप अभियान का आगाज शानदार तरीके से किया था। भारत की हार का कारण धाकड़ शेफाली वर्मा (8), पाकिस्तान के खिलाफ जीत की नायिका जेमिमाह रोड्रिग्स (13) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (4) का सस्ते में आउट होना साबित हुआ।

इंग्लैंड की सारा ग्लेन ने मंधाना के बाद रोड्रिग्स का विकेट चटका कर भारत को जीत से काफी दूर कर दिया वहीं लॉरेन बेल और रन देने के मामले में बेहद कंजूस सोफी एक्लेस्टोन ने एक एक विकेट चटकाया वहीं भारतीय पारी के 19वें ओवर में दीप्ति शर्मा के रन आउट होने से भारतीय टीम की लक्ष्य के करीब पहुंचने की रही सही उम्मीदें भी धूमिल पड़ गयी। मंधाना ने हालांकि तेज शुरूआत करते हुये अपनी अर्धशतकीय पारी में 41 गेंद खेल कर सात चौके और एक छक्का लगाया वहीं रिचा ने मात्र 34 गेंदों की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के जड़े। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरूआत बेहद फीकी रही जब उसके तीन शीर्ष बल्लेबाज मात्र 29 रन जोड़ कर पवेलियन लौट गये मगर बाद में नेट साइवर-ब्रंट (50) ने पहले कप्तान हीदर नाइट (28) और बाद में एमी जोन्स (40) के साथ मजबूत साझीदारी कर टीम के स्कोर को 150 के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया। भारत की रेणुका सिंह ने मात्र 15 रन खर्च कर पांच अंग्रेज लड़कियों को पवेलियन की राह दिखायी मगर दूसरे छोर पर कमजोर गेंदबाजी के चलते इंग्लैंड के बल्लेबाज क्रीज पर जमने में सफल रहे। पांचवें गेंदबाज की कमी पूरी करने के लिये हरमनप्रीत ने अपने पार्ट टाइम गेंदबाजों का सहारा लिया मगर वह इंग्लैंड के खिलाफ शुरूआती बढ़त को बरकरार रखने में असफल साबित हुयी।

महिला टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका को हरा कर ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचा

गक्बेरहा,एजेंसी। तहलिया मैकग्रा की 57 रन की शानदार पारी के दम पर गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप एक के मैच में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया। मैकग्रा ने 33 गेंद की आक्रामक पारी में 10 चौके जड़े जिससे ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिली 125 रन के लक्ष्य को 21 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की टूर्नामेंट में यह लगातार चौथी जीत है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 124 रन बनाये। टीम के लिए तेजमिन ब्रिट्स ने सबसे ज्यादा 45 रन का योगदान दिया। कप्तान सुने लुस ने 20 जबकि सलामी बल्लेबाज लॉरा वुलफार्ट ने 19 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो तो वहीं मेगन शूट, डार्सी ब्राउन, एलिस पेरी, ऐश्लीघ गार्डनर ने एक-एक विकेट चटकाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम 40 रन तक तीन विकेट गंवा कर मुश्किल में थी लेकिन इसके बाद मैकग्रा और गार्डनर ने चौथे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर टीम को जीत के मुहाने पर पहुंचा दिया। गार्डनर 29 गेंद में 28 रन बनाकर नाबाद रही।

रूस को हराना चाहिए लेकिन कुचला नहीं जाना चाहिए : मेक्रों

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि वह यूक्रेन में रूस को हारते तो देखना चाहते हैं उसे (रूस को) कुचलते हुए नहीं देखना चाहते हैं। श्री मैक्रों ने फ्रांसीसी मीडिया से बात करते हुए पश्चिमी देशों से यूक्रेन के लिए सैन्य समर्थन बढ़ाने का आग्रह किया और कहा कि वह एक लंबी लड़ाई के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ह्यमैं चाहता हूं कि रूस यूक्रेन में हार जाए और मैं यह भी चाहता हूं कि यूक्रेन अपनी स्थिति का बचाव करने में सक्षम हो।ह्व उन्होंने उन लोगों पर निशाना साधा जिन्होंने कहा कि वे राष्ट्र को ह्यकुचलनेह्व के लिए युद्ध को रूस तक बढ़ाना चाहते हैं। ये टिप्पणियां म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में विश्व नेताओं के एकत्रित होने के बाद आईं, जिसमें यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति में तेजी लाने और रुस पर सख्त प्रतिबंध लगाने के वादे किए गए। श्री मेक्रों ने ले जर्नल डू डिमांचे अखबार को बताया, ह्यमुझे नहीं लगता, जैसा कि कुछ लोग करते हैं, कि हमें रूस की पूरी हार का लक्ष्य रखना चाहिए, रूस की ही धरती पर हमला करना चाहिए।ह्व उन्होंने कहा, ह्यवे पर्यवेक्षक, सबसे बढ़कर, रूस को कुचलना चाहते हैं। यह फ्रांस की स्थिति कभी नहीं रही है और यह कभी भी हमारी स्थिति नहीं होगी।ह्व शुक्रवार को म्यूनिख में सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री मेक्रों ने जोर देकर कहा कि अब रुस के साथ बातचीत करने का समय नहीं है। वह शांति वार्ता को अंतिम लक्ष्य बताने से भी नहीं हिचकिचाए। राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि सहयोगियों की ओर से समर्थित यूक्रेनी सैन्य प्रयास, ह्यरूस को बातचीत के लिए वापस लाने और स्थायी शांति का निर्माण करनेह्व का एकमात्र तरीका है। उन्होंने रूस में शासन परिवर्तन की संभावना को भी खारिज कर दिया, दुनिया भर में इसी तरह के प्रयासों को ह्यविफलताह्व बताया। श्री मैक्रों की टिप्पणियों के बावजूद, यूक्रेन के नेताओं के लिए वार्ता की संभावना नहीं के बराबर है। शुक्रवार को विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने रुस को म्यूनिख सम्मेलन में आमंत्रित नहीं करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ह्यरूसी नेताओं को तब तक बातचीत के मेज पर आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए जब तक यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए एक तर्क के रूप में बम, मिसाइल और टैंक का उपयोग करता है।ह्व राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अपने रूसी समकक्ष, व्लादिमीर पुतिन के साथ तत्काल बातचीत से इनकार किया है, जिसमें जोर देकर कहा गया है कि दोनों देशों के बीच कोई भरोसा नहीं है। इस सप्ताह की शुरूआत में बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में, उन्होंने रुस के साथ शांति समझौता करने के लिए क्षेत्र देने के विचार को भी खारिज कर दिया था। श्री मैक्रों को पहले कुछ नाटो सहयोगियों की ओर से यूक्रेन पर मिश्रित संदेश भेजने के लिए आलोचना की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

बंदरगाह विकास परियोजनाओं पर 132 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करेगा श्रीलंका

श्रीलंका के बंदरगाह, नौवहन और उड्डयन मंत्री निमल सिरिपाला डी सिल्वा ने कहा है कि सरकार बंदरगाह विकास परियोजनाओं पर लगभग 132 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री ने शनिवार रात कहा कि ये निवेश बंदरगाह संचालन से उत्पन्न राजस्व के माध्यम से किया जाएगा। कोलंबो में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ने ईस्टर्न कंटेनर टर्मिनल के लिए 100 मिलियन डॉलर और जया कंटेनर टर्मिनल के लिए 32 मिलियन डॉलर आवंटित किए हैं। दोनों टर्मिनल राज्य के स्वामित्व वाली श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण की सहायक कंपनियां हैं। उन्होंने कहा कि इन निवेशों के अलावा, वे बल्क कार्गो संचालन के लिए त्रिंकोमाली बंदरगाह और नौका सेवा के साथ पर्यटन उद्योग के लिए गॉल बंदरगाह विकसित करने और बड़े जहाजों के रुकने की व्यवस्था करने की उम्मीद करते हैं। श्रीलंका हिंद महासागर में रसद और परिवहन केंद्र बनने की उम्मीद करता है।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने कहा- आर्थिक संकट के लिए सेना जिम्मेदार

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने देश को दिवालिया बताते हुए मौजूदा आर्थिक संकट के लिए सेना, नौकरशाही और नेता जिम्मेदार ठहराया है। यह बात उन्होंने अपने गृह नगर सियालकोट में एक कार्यक्रम में कही। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षामंत्री ने कहा है कि पाकिस्तान तो पहले ही दिवालिया हो चुका है। उन्होंने कहा कि सेना, नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं समेत हर कोई मौजूदा आर्थिक बदहाली के लिए जिम्मेदार है। पाकिस्तान में कानून और संविधान का पालन नहीं किया जाता। हमारी समस्याओं का समाधान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास नहीं, देश के भीतर ही है।

तुर्की में भूकंप से मरने वालों की संख्या 40 हजार के पार

तुर्की में गत छह फरवरी को आए दो विनाशकारी भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40,642 हो गई है। देश की आपदा एजेंसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आपदा एवं आपात प्रबंधन प्राधिकरण (एएफएडी) के प्रमुख यूनुस सेजर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि खोज और बचाव के प्रयास रविवार शाम तक बड़े पैमाने पर पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आपातकालीन कार्य भूकंप में सबसे ज्यादा प्रभावित दक्षिणी हटे प्रांत में केंद्रित था। उन्होंने कहा कि आपदा एजेंसी के क्षेत्र में लगभग 13,000 कर्मचारी काम कर रहे थे तथा कुल 430,000 लोगों को भूकंप क्षेत्र से निकाला गया।

पाकिस्तान के मंत्रियों ने चुनाव तारीखों की घोषणा का दबाव डालने के लिए राष्ट्रपति पर निशाना साधा

नई दिल्ली, एजेंसी

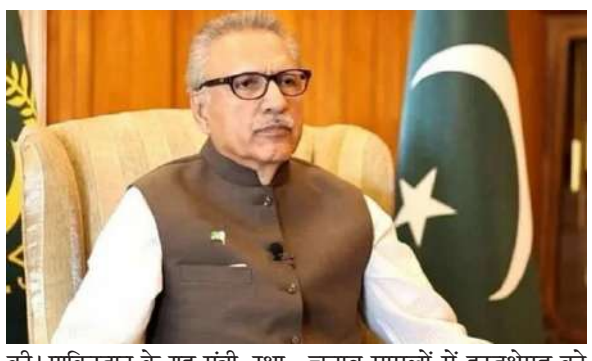

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी कथित तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सलाह पर देश के निर्वाचन आयोग पर खैबर-पख्तूनख्वा व पंजाब प्रांतों में चुनाव कराने का दबाव डालने को लेकर गठबंधन सरकार के मंत्रियों के निशाने पर आ गए हैं। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से संबंध रखने वाले राष्ट्रपति अल्वी ने शनिवार को पाकिस्तान के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को दोनों विधानसभाओं के लिए चुनाव की तारीखों पर चर्चा करने के वास्ते 20 फरवरी को होने वाली एक आपात बैठक के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति ने इससे पहले आठ फरवरी को पाकिस्तान निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा था, जिस पर कोई जवाब नहीं मिलने के बाद दोबारा पत्र लिखा गया। दूसरे पत्र में, राष्ट्रपति ने निर्वाचन आयोग की ओर से उदासीनता और निष्क्रियता पर नाराजगी व्यक्त की। पाकिस्तान के गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और कानून मंत्री ने अलग-अलग बयान जारी कर राष्ट्रपति की आलोचना की और उन्हें उनकी संवैधानिक स्थिति की याद दिलाई। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने गृह मंत्री राणा सनाउल्ला के हवाले से कहा, आरिफ अल्वी को पाकिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में काम करना चाहिए। आपको इमरान खान के प्रवक्ता के तौर पर काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, चुनाव तारीखों के ऐलान से राष्ट्रपति का कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी चुनाव मामलों में हस्तक्षेपह्व को लेकर राष्ट्रपति की आलोचना की। आसिफ ने ट्वीट किया, श्रीमान आरिफ अल्वी, अपनी संवैधानिक मयार्दाओं में रहें। राजनीति न करें। अपने नहीं तो अपने पद के सम्मान के बारे में सोचिए। कानून एवं न्याय मंत्री आजम नजीर तरार ने राष्ट्रपति को याद दिलाया कि संविधान उन्हें प्रांतीय विधानसभा चुनावों की तारीख देने के लिए अधिकृत नहीं करता। उन्होंने कहा कि अल्वी को अपने नेता के निर्देश पर निर्वाचन आयोग की आलोचना नहीं करनी चाहिए।

हंगरी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष में शांति की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी

हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने शनिवार को यहां रूस-यूक्रेन संघर्ष में शांति की अपील की। श्री ओरबान ने अपने वार्षिक राष्ट्र संबोधन में कहा कि संघर्ष वर्षों तक चल सकता है और हंगरी को छोड़कर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय संघ (ईयू) में हर कोई युद्ध के पक्ष में है। उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित अपने भाषण में स्पष्ट किया कि यूरोपीय संघ अप्रत्यक्ष रुप से पहले से ही रूस के साथ युद्ध में था, क्योंकि वे हथियार भेज रहे थे और सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षण दे रहे थे। उन्होंने वादा किया कि अगर यह तेजी से कठिन हो जाता है, तो भी हंगरी अपनी स्थिति पर कायम रहेगा और रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि यूरोप के लोग प्रतिबंधों के लिए चुकाई जाने वाली कीमत से थक जाएंगे और चुनी जाने वाली नयी सरकारें हंगरी के करीब होंगी। उन्होंने कहा, हम युद्ध से अलग रहेंगे तथा हंगरी शांति और सुरक्षा का एक द्वीप बना रहेगा।

नेपाल के सांसद अरुण चौधरी को राष्ट्रपति से माफी मिलने के बाद रिहा किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

भगोड़ों की सूची में होने के बावजूद चुनाव जीतने वाले नेपाल के प्रतिनिधि सभा के सदस्य अरुण चौधरी को दो सप्ताह के कारावास के बाद रिहा कर दिया गया है। कैलाली प्रतिनिधि सभा क्षेत्र संख्या 2 से नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद चौधरी को नौ साल पहले कोर्ट ने ट्रैक्टर जलाने का दोषी पाया था। उनके संसद सदस्य बनने के बाद यह मुद्दा उठा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी के बाद कैबिनेट में चौधरी को रिहा करने का प्रस्ताव रखा गया था। राष्ट्रपति हर साल लोकतंत्र दिवस के अवसर पर कैदियों को क्षमादान देते रहे हैं। इस बार उन्हें भी राष्ट्रपति ने माफी दी। लोकतंत्र दिवस पर जेल से रिहा होने के बाद सांसद अरुण चौधरी ने कहा कि वह पूर्व में बदले की राजनीति का शिकार हुए हैं। उन्होंने जान से मारने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। चौधरी की पार्टी नागरिक उन्मुक्ति सरकार का समर्थन कर रही है। पार्टी का गठन नेपाल के अल्पसंख्यक थारू समुदाय के अधिकारों के लिए किया गया था। नेपाल की केंद्रीय संसद में नागरिक उन्मुक्ति पार्टी की 4 सीटें हैं। नागरिक उन्मुक्ति के प्रमुख नेता पूर्व सांसद रेशम चौधरी अभी भी जेल में हैं। उन्हें अदालत ने वर्ष 2015 में पश्चिम नेपाल के टिकापुर में हुए दंगों में दोषी पाया था। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी उनकी रिहाई की मांग कर रही है।

लॉर्ड स्वराज पॉल ने दिवंगत पत्नी की याद में ब्रिटेन में हॉल का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

जाने माने अनिवासी भारतीय उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल ने यहां ऐतिहासिक इंडियन जिमखाना क्लब में अपनी दिवंगत पत्नी अरुणा की याद में एक भव्य नए हॉल का उद्घाटन किया है। पश्चिम लंदन में 60 साल से अधिक पुराने जिमखाना क्लब में शनिवार को लॉर्ड पॉल के 92वें जन्मदिन के मौके पर एक विशेष कार्यक्रम में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का उद्घाटन हुआ, जिसमें ब्रिटिश सांसद और राजनयिक भी शामिल हुए थे। लेडी अरुणा का 86 वर्ष की आयु में पिछले साल मई में लंदन में अपने आवास में निधन हो गया था। लॉर्ड पॉल ने कहा, यह हॉल मेरी अद्भुत पत्नी को एक श्रद्धांजलि है जिसे मुझे बहुत याद आती है। हमारी शादी के 65 साल के दौरान हमारे बीच कभी कोई बहस नहीं हुई। उन्होंने वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय में एक भवन का नाम अपनी दिवंगत पत्नी के नाम पर रखने की योजना की घोषणा की, जहां वह चांसलर हैं। अमेरिका, भारत, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कारोबार करने वाली ब्रिटेन स्थित कपारो ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक पॉल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई चर्चा के बाद वाराणसी में एक नया नर्सिंग कॉलेज और अस्पताल खोलने का अपना दृष्टिकोण भी सामने रखा। उन्होंने कहा, मुझे भारत से बहुत प्यार है, जहां जालंधर में मेरा जन्म हुआ था। इसलिए भारत मेरे दिल में है, अमेरिका मेरे दिल में है और ब्रिटेन एक ऐसा देश है जिसे मैं प्यार करता हूं। कार्यक्रम में शामिल हुए कुछ विशिष्ट अतिथियों में दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के प्रभारी विदेश राज्य मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद, ब्रिटेन के लिए भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी एवं उनकी पत्नी संगीता और ब्रिटेन के लिए बांग्लादेशी उच्चायुक्त सईदा मुना तस्नीम शामिल थीं। इंडियन जिमखाना क्लब 1916 में स्थापित हुआ था और भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे प्रमुख क्रिकेटरों और हॉकी खिलाड़ियों का एक समय इसके मैदान में खेलने का इतिहास रहा है, जिसमें विजय मर्चेंट, विजय हजारे, पटौदी के नवाब और हाल में सुनील गावस्कर, कपिल देव और इमरान खान के नाम शामिल हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर की हालत नाजुक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर की हालत नाजुक है। वयोवृद्ध कार्टर (98) ने अपना अंतिम समय परिवार के लोगों के बीच बिताने का फैसला किया है। इसलिए लंबे समय से अस्पताल में भर्ती कार्टर को उनके घर जार्जिया शिफ्ट कर दिया गया। उनके परिवार ने इस संबंध में बयान जारी कर यह जानकारी दी है। परिवार ने एक दिन पूर्व ट्वीट कर कहा है कि उनका इलाज घर पर किया जाएगा। उन्हें डॉक्टरों पर पूरा भरोसा है। वे चाहते हैं कि इस समय उनकी निजता का उल्लंघन न किया जाए। कार्टर के परिवार ने लोगों की चिंता के लिए भी आभार जताया है। कार्टर के पोते और कार्टर सेंटर के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष जेसन कार्टर ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर और अपनी दादी रोजलीन कार्टर को देखा। रोजलीन इस समय 95 साल की हैं। उल्लेखनीय है कि जिमी कार्टर इस समय अमेरिका के इतिहास में सबसे अधिक उम्र तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति हैं। कार्टर 1977 से 1981 तक अमेरिका के राष्ट्रपति थे। 2002 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। कार्टर कुछ समय से मेलेनोमा नामक बीमारी से पीड़ित हैं। इसका संक्रमण उनके लिवर और दिमाग तक फैल चुका है। यह एक प्रकार का स्किन कैंसर है। जिमी कार्टर जनवरी 1978 में तीन दिन के दौरे पर भारत आए थे। कार्टर का यह दौरा तब हुआ था, जब कुछ महीने पहले ही इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली थी। जिमी कार्टर के उस दौरे से 1971 में भारत-पाकिस्तान जंग और 1974 में भारत के परमाणु परीक्षण से दोनों देशों के बीच आया तनाव कम हुआ था। कार्टर ने हरियाणा में गुरुग्राम के गांव दौलतपुर नसीराबाद का दौरा किया था। इसके बाद गांव का नाम कार्टरपुरी रख दिया गया था। जिमी कार्टर ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई से परमाणु मसले पर चर्चा की थी। 1924 में किसान परिवार में जन्मे कार्टर 1960 में राजनीति में आए और 1971 में पहले बार अपने राज्य के गवर्नर बने। इसके ठीक छह साल बाद जिमी कार्टर ने रिपब्लिकन पार्टी के जेरालड फोर्ड को हराया।

सहायता तुर्किये और सीरिया दोनों में लगभग 26 मिलियन लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता.....

तुर्किये के भूकंप में अपनों को खोने वालों को है अंतिम संस्कार के लिए शव का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

विनाशकारी भूकंप से प्रभावित तुर्किये में अभी भी मलबे से जीवित लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है। कुछ परिवार इस उम्मीद में हैं कि उनके परिवार के सदस्य भी सही सलामत बाहर आएंगे, तो वहीं कई शोक संतप्त परिवारों की एकमात्र आशा यह है कि उनके प्रियजनों के अवशेष मिल जाएं ताकि वे उनका अंतिम संस्कार कर सकें। इस आपदा के कारण अब तक 48 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मौत का यह आंकड़ा अभी बढ़ सकता है। राहत एवं बचाव में जुटे बुलडोजर ऑपरेटर अकिन बोजकर्ट ने कहा कि क्या आप एक शव खोजने के लिए प्रार्थना करेंगे, लेकिन हम करते हैं, ताकि परिवार को शरीर सौंप सकें। कई टन मलबे से एक शव बरामद करते हैं। परिवार को हमसे बहुत उम्मीदें होती हैं। वे सिर्फ शव को ही पाकर संतुष्ट हो जाते हैं। इस्लामिक परंपरा के अनुसार मृतकों को जल्द से जल्द दफनाया जाना चाहिए। तुर्किये के आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के प्रमुख यूनुस सेजर ने कहा कि खोज और बचाव के प्रयास रविवार रात को काफी हद तक समाप्त हो जाएंगे। तुर्किये में लगभग 345,000 अपार्टमेंट नष्ट हो चुके हैं और कई लोग अब भी लापता हैं। तुर्किये और सीरिया में इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि आखिर और कितने लोग मलबे में दबे हुए हैं। भूकंप आने के 12 दिन बाद, किर्गिस्तान के श्रमिकों ने दक्षिणी तुर्किये के अंताक्या में एक इमारत के मलबे से पांच सदस्यों वाले एक सीरियाई परिवार को बचाने की कोशिश की, जिसमें एक बच्चे समेत तीन लोगों को जिंदा बचा लिया गया। बचाव दल ने कहा कि मां और पिता बच गए, लेकिन बाद में पानी की कमी होने के कारण बच्चे की मौत हो गई। बचाव दल के एक सदस्य अताय उस्मानोव ने बताया, जब हम जीवित लोगों को ढूंढते हैं तो हम हमेशा खुश होते हैं। बचाव कार्य की अनुमति देने के लिए पास की एक सड़क पर दस एंबुलेंस इंतजार कर रही थीं, जो यातायात के लिए अटकी हुई है। बचाव कार्य की टीम सभी को एक साथ शांत बैठने को कहती है और इलेक्ट्रॉनिक डिटेक्टर के जरिए लोगों को उनके परिजनों की आवाज सुनाई जाती थी। स्वच्छता के बुनियादी ढांचे के क्षतिग्रस्त होने से, स्वास्थ्य अधिकारी संक्रमण के संभावित प्रसार को लेकर चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि तुर्किये और सीरिया दोनों में लगभग 26 मिलियन लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है। सीरिया ने 5,800 से अधिक मौतों की सूचना दी है।

देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय प्रगतिशील गठबंधन, NPA(National progressive Alliance) का हुआ शंखनाद

राष्ट्रीय राजनीति में NDA और UPA के बाद अब तीसरे फ्रंट के रूप में राष्ट्रीय प्रगतिशील गठबंधन, NPA(National progressive Alliance) का गठन होना है। नई दिल्ली में देश के करीब 155 से अधिक विभिन्न राजनीतिक दलों को एक साथ लाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर थर्ड फ्रंट का गठन किया जायेगा। आज दिल्ली में कई पार्टी के नेताओं ने आपस में बैठकर ये निर्णय लिया है।की रजिस्टर्ड दलों को शामिल किया जायेगा। और आगामी चुनाव में मजबूती के साथ कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत चुनाव में भाग लिए जायेंगे। उनसे ये आह्वान किया गया है, की जितने भी 2750 दल हैं। जो क्षेत्रीय या राष्ट्रीय राजनीति से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। जिनको राष्ट्रीय राजनीति में चुनाव लड़ने का मौका मिलता है। वो सभी एक साथ मिलकर आने वाले 2024 के आगामी चुनाव में राष्ट्रीय प्रगतिशील गठबंधन, NPA(National progressive Alliance) के साथ मिलकर गाँधी जी के सपनों के भारत को साकार करेंगें। जो ग्राम स्वराज की परिकल्पना गाँधी जी के द्वारा की गयी थी। उसको पूरा करने का समय आ गया है। और साथ हीं जन सुराज की जो परिकल्पना गाँधी जी के द्वारा की गयी थी। जिसके माध्यम से प्रत्येक हाथ में रोजगार हो। जहाँ हर जच्चा बच्चा सुरक्षित हो। जहाँ देश के प्रत्येक नागरिक के लिए स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो। अभी इस देश की आबादी 140 करोड़ है। जिसमें से 92 करोड़ मतदाता हैं। लेकिन 60 करोड़ मतदाता अपना मत का प्रयोग कर के 140 करोड़ लोगों का भविष्य तय करते हैं। इन सभी बातों को देखते हुए राष्ट्रीय प्रगतिशील गठबंधन NPA(National progressive Alliance)ने यह फैसला किया है। की 543 लोकसभा वाले क्षेत्रों से सभी छोटे घटक दल जल्द हीं दिल्ली में बड़े कार्यक्रम को कर के राष्ट्रीय प्रगतिशील गठबंधन, NPA(National progressive Alliance) को मजबूत करेंगें। और इसके लिए जन विधान मुखपत्र होंगा. इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद सिंह, राजीव कुमार रंजन ,सतीश पारेख, निखिलेश झा. कपिल जैन, सुनील कुमार, गौतम झा, राजकुमार राय उपस्थित थे।।

चीनी विदेश मंत्री से मिले ब्लिंकन, कहा: अमेरिकी संप्रभुता का उल्लंघन अस्वीकार्य

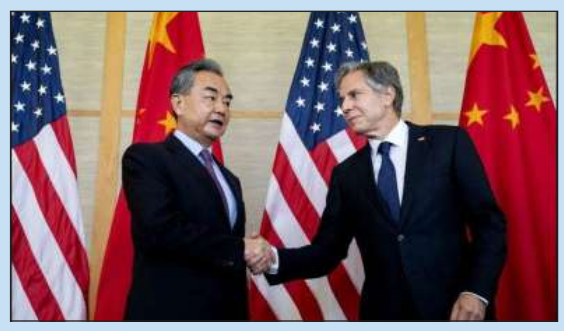

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन के कथित जासूसी गुब्बारे को लेकर संबंधों में आई कड़वाहट के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और अमेरिकी संप्रभुता के ह्यअस्वीकार्यह्व उल्लंघन का मुद्दा उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यूक्रेन युद्ध में रूस को मदद पहुंचाने को लेकर चीन पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर शनिवार को यह मुलाकात हुई। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, ह्यविदेश मंत्री ने अमेरिकी हवाई क्षेत्र में चीन के निगरानी गुब्बारे के कारण अमेरिकी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून के अस्वीकार्य उल्लंघन को लेकर सीधी बात की और कहा कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकत दोबारा नहीं होनी चाहिए।ह्व उन्होंने कहा, ह्यह्यभेंट के दौरान ब्लिंकन ने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपनी संप्रभुता का कोई भी उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा और चीनी गुब्बारा कार्यक्रम-जिसने पांच महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों के हवाई क्षेत्रों में अतिक्रमण किया हैझ दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है। ब्लिंकन ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भी बात की। प्राइस ने बताया, ह्यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर युद्ध को लेकर विदेश मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर चीन रूस को भौतिक समर्थन प्रदान करता है या प्रणालीगत प्रतिबंधों से बचने में उसकी सहायता करता है, तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण की पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के उसके नवीनतम परीक्षण का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ घातक परमाणु हमले की अपनी क्षमता को और बढ़ाना है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका व दक्षिण कोरिया के बीच प्रस्तावित सैन्य अभ्यास के जवाब में अतिरिक्त शक्तिशाली कदम उठाने की धमकी भी दी। शनिवार को हुआ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण एक जनवरी के बाद से उत्तर कोरिया का पहला मिसाइल परीक्षण है। इससे संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन अपने प्रतिद्वंद्वियों के सैन्य अभ्यास का उपयोग अपने देश की परमाणु क्षमता का विस्तार करने के अवसर के रूप में कर रहे हैं ताकि अमेरिका के साथ भविष्य में होने वाले समझौतों में इसका लाभ उठाया जा सके। उत्तर कोरिया की सरकारी ह्यकोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसीह्व (केसीएनए) ने कहा कि नेता किम जोंग उन के सीधे आदेश पर बिना किसी पूर्व सूचना के मौजूदा ासोंग-1 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का अचानक परीक्षण किया गया। केसीएनए ने कहा कि ह्वासोंग -15 परीक्षण ने उत्तर के शक्तिशाली भौतिक परमाणु निवारक और शत्रु शक्तियों पर घातक परमाणु पलटवार की अपनी क्षमता के प्रयासों को अत्यंत मजबूत बना दिया है, जिसका मुकाबला नहीं किया जा सकता।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555